हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • सोमवार • 29.12.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 154 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

सत्यमेव जयते

झारखण्ड सरकार GOVERNMENT OF JHARKHAND

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

भारत की माननीय राष्ट्रपति

का वीर भूमि झारखण्ड में

अभिनंदन और

जोहार

दिनांक: 28, 29 एवं 30 दिसंबर, 2025

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

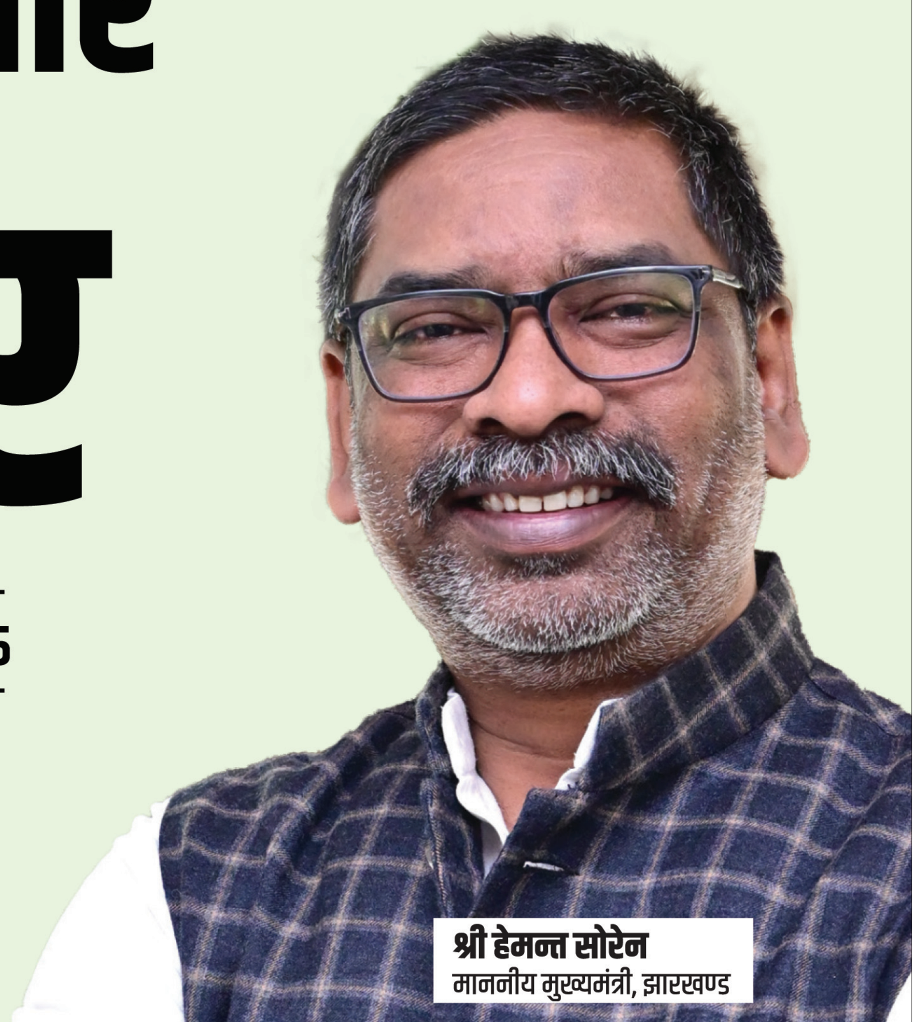

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PR- 369547 (IPRD) 25-26

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

एक नजर

छड़वा काली मंदिर में 18 से 28 जनवरी तक लगेगा भव्य माघी पूर्णिमा मेला

हजारीबाग : कटकमसांडी प्रखंड के प्रसिद्ध छड़वा काली मंदिर में माघी पूर्णिमा के शुभ अवसर पे छड़वा मंदिर के प्रांगण में आगामी 18 जनवरी से लेकर 28 जनवरी तक भव्य मेला का आयोजन किया जाएगा। रविवार को इसी को लेकर काली मंदिर के अध्यक्ष पन्नू महतो के अध्यक्षता में एक बैठक आहूत की गई थी ।इस बैठक में बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, एवं विशिष्ट अतिथि ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव शामिल हुए ।इस बैठक में मंदिर के समिति और प्रखंड के लगभग 25 गांव से आए सभी प्रबुद्ध व्यक्ति मौजूद थे। इस बार लगने वाले भव्य मेला को लेकर आए प्रबुद्ध लोगों ने सांसद मनीष जायसवाल से चर्चा परिचर्चा किया। माघी पूर्णिमा के अवसर में आयोजित होने वाले कटकमसांडी प्रखंड के छड़वा काली मंदिर में माघ मेला-2026 की तैयारियों की विस्तृत जानकारी सांसद मनीष जायसवाल ने लिया।इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मनीष जायसवाल ने कहा कि माघ मेला केवल आस्था का आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सनातन परंपरा, सामाजिक अनुशासन और प्रशासनिक दक्षता का सजीव उदाहरण है. उन्होंने निर्देश दिए कि प्रखंड़। क्षेत्र से आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना मंदिर समिति के साथ साथ हम सभी का प्राथमिकता है.उन्होंने ओर कहा कि दस दिवसीय माघी पूर्णिमा मेला कटकमसांडी प्रखंड में पहली बार लगाया जा रहा है जो क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक कदम है,उन्होंने और भी कहा कि माघ पूर्णिमा' हिन्दू धर्म में धार्मिक दृष्टि से बहुत ही पवित्र मानी गई है।

कांग्रेस पार्टी की एस सी डिपार्टमेंट की बैठक आज

बरही : डॉ निजामुद्दीन अंसारी जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी हजारीबाग सह कॉर्डिनेटर संविधान रक्षक एवं कार्तिक पासवान बरही प्रखंड अध्यक्ष अनुसूचित जाति विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रेस को जानकारी दिया है कि दिनांक 29 दिसंबर 2025 को नेशनल कोऑर्डिनेटर एससी डिपार्मेंट ,AICC इंचार्ज झारखंड प्रदेश डॉ राहुल राज तथा झारखंड प्रदेश एससी डिपार्मेंट के अध्यक्ष केदार पासवान का कार्यक्रम बरही विधानसभा के बरही प्रखंड में 11 बजे दिन में होगा ।कार्यक्रम के अनुसार राहुल राज तथा केदार पासवान बरही में स्थित बारातांड में स्थित बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे तथा कांग्रेस कार्यकताओं और एससी डिपार्मेंट के कार्यकताओं द्वारा बरही चौक पर उनका स्वागत किया जाएगा तत्पश्चात बरही धनबाद रोड स्थित एन एच आईबी ऑफिस में दोनों नेताओं द्वारा एस सी डिपार्टमेंट एवं कांग्रेस कार्यकताओं के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस दोनों नेताओं द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा ।

एकल विद्यालय आचार्यों का मासिक अभ्यास वर्ग आयोजित

कटकमसांडी : एकल अभियान द्वारा संचालित अंचल हजारीबाग, संच कटकमसांडी मे संच आचार्य मासिक बैठक सम्पन्न हुई। अध्यक्षता संच प्रशिक्षक रूपा देवी ने किया। इस बैठक मे अंचल से अंचल संस्कार शिक्षा साधक प्रमुख अजय यादव एवम संच प्रशिक्षक रूपा देवी, संच संस्कार साधक प्रमुख शंकर तिवारी ने एकल अभियान के पंचमुखी योजना की जानकारी दी। आगामी सत्संग प्रतियोगिता कार्यक्रम को प्रभावी तरीके से प्रदर्शित करने को लेकर चर्चा किया गया। विद्यालय का नियमित संचालित करने तथा ऑनलाइन उपस्थिति पर जोर दिया गया। मौके पर आचार्य रीना देवी, चिंता देवी, बबिता देवी, गुड़िया देवी, ललिता देवी सहित सभी आचार्या मौजूद रहे।

जिला कांग्रेस कार्यालय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 140 स्थापना दिवस धूम-धाम से मनाया गया

प्रत्युष नवबिहार बड़कागांव

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 140 स्थापना दिवस धूम-धाम से मनाया गया । सर्वप्रथम जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल द्वारा कांग्रेस सभा स्थल पर कांग्रेस पार्टी का झंडोत्तोलन किया गया तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई ।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व मंत्री सह जिला अध्यक्ष नें उपस्थित कांग्रेसियों शपथ दिलाई ।उन्होंने कहा कि देश के लोकतांत्रिक, संघर्ष, आजादी और संविधान के प्रतिक है ।हम शपथ लेते है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी अग्रणी भूमिका लेते हुए पांच जनवरी से मनरेगा बचाओ अभियान की शुरूआत करेगी ।महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम-मनरेगा की हर हाल में रक्षा करेंगे । ग्रामीण मजदूर के सम्मान, रोजगार, मजदूरी और समय पर भुगतान के अधिकार के लिए एकजुट होकर संघर्ष करेंगे ।मांग आधारित रोजगार और ग्राम सभा के अधिकार की रक्षा करेंगे । मनरेगा से गांधी जी नाम मिटाने और मजदूर के अधिकार को खैरात में बदलने की हर साजिश का लोकतांत्रिक विरोध करेंगे ।हम मनरेगा बचाने, मजदूर के अधिकार बचाने और गांव-गांव अपनी आवाज बुलंद करने का संकल्प लेते है । झंडोतोलन में सेवादल के प्रभारी मनोज कुमार अध्यक्ष गुड्डु सिंह, कौशल कुमार सिंह चंद्रशेखर आजाद, बहादुर सागर का सहयोग रहा ।मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा पूर्व सदर प्रत्याशी मुन्ना सिंह, अशोक पूर्व जिला अध्यक्ष आबिद अंसारी, विजय कुमार यादव, अवधेश कुमार सिंह, बिनोद सिंह जिला कांग्रेस मीडिया अध्यक्ष निसार खान, शशिकांत ओझा, यमुना यादव, भालचंद्र मिश्रा, लाल बिहारी सिंह, अजीम खान, रजी अहमद, उदय पाण्डेय, सुनिल सिंह राठौर, गोविंद राम, रेणू देवी, सूनैना दुबे, साजिद हुसैन, मकसुद आलम, निजामुद्दीन अंसारी, सलीम रजा, राजेन्द्र सिंह, अजय गुप्ता, दिलीप कुमार रवि, संजय यादव, शिव नंदन साहू महेश प्रसाद साव, विजय कुमार सिंह, राजीव कुमार मेहता, जावेद इकबाल, राजू यादव, बाबर अंसारी, दिलदार अंसारी, सदरूल होदा नगर अध्यक्ष परवेज अहमद प्रखंड अध्यक्षों में अजीत कुमार सिंह, नरसिंह प्रजापति, गौतम कुमार मेहता, सुरेन्द्र कुमार यादव प्रकोष्ठ तथा मंच मोर्चा के अध्यक्षों में मोहम्मद जाविर, बेबी देवी, साजिद अली खान, अजय प्रजापति, रिंकु कुमार युवा कांग्रेस प्रकाश यादव, कोमल कुमारी, ओमप्रकाश पासवान, संगिता कुमारी, ओम प्रकाश गोप, मोहम्मद दानिश, कैफ रजा, माशूक रजा सचिवों में भैया असीम कुमार, मोहम्मद वारिस, मुस्ताक अंसारी, राजेश कुमार के अतिरिक्त सैकड़ो कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

शादी के एक माह बाद नवविवाहिता की संदिग्ध हालत मौत, हत्या या आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत जरहिया में रविवार को एक नव विवाहिता की शव संदिग्ध अवस्था में मिली। मृतिका अन्नू कुमारी पति गौतम कुमार भुइयां के रूप में शव की पहचान हुई है। सूचना पर बरही थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद कुमार के निर्देश पर एसआई रूपलाल यादव दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। साथ ही शव को अपने कब्जे में कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दी। हालांकि मृतिका अन्नू के पिता कपिलदेव भुइयां और उनके परिजन भी जराहिया पहुंचे और कमरा में शव को पडा देखा। अन्नू का मायका बरही थाना क्षेत्र के करसो गांव में है। 25 नवंबर 2025 को अन्नू का विवाह जरहिया निवासी गौतम कुमार के साथ हिन्दू रीति रिवाज के साथ संपन्न हुआ था। हालांकि अन्नू की मौत हत्या है या फिर आत्महत्या इसकी जानकारी अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। बरही पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग भेज दिया है। वहीं मृतिका अन्नू के परिजनों ने बरही थाना में आवेदन देकर उसके ससुरालवालो पर मानसिक प्रताड़ना और दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया है।

जिप सदस्य गीता देवी ने पीसीसी पथ का किया शिलान्यास

प्रत्युष नवबिहार बड़कागांव

बड़कागांव : जिला योजना अनाबद्ध निधि से बडकागांव प्रखंड अंतर्गत ग्राम नापोखुर्द में मुख्य पथ से लेकर हरिजन मुहल्ला में चरकू राम के घर से लेकर विकास साव के घर तक पीसीसी पथ का निर्माण किया जाएगा। इस पथ के निर्माण कार्य को लेकर जिला परिषद सदस्य बड़कागांव पूर्वी गीता देवी ने रविवार को फीता काटकर व नारियल फोड़कर किया। इससे जिप सदस्य बड़कागांव पूर्वी गीता देवी का पंचायत के मुखिया गणेश साव के नेतृत्व में ढोल बजा एवं फूलमाला पहनकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास संपन्न किया गया। पीसीसी पथ का निर्माण कार्य लगभग 7 लाख की लागत से किया जाएगा। मौके पर जिप सदस्य गीता देवी ने कहा कि क्षेत्र विकास करना हमारी पहली प्राथमिकता है। ग्रामीणों के द्वारा मांग की गई थी कि उक्त पथ का पक्की कारण हो बरसात के दिनों में आवागमन में काफी परेशानी होती है। मुखिया गणेश साव एंव सांसद प्रतिनिधि पूनम साव ने संयुक्त रूप से कहा कि पीसीसी पथ निर्माण हो जाने से ग्रामीणों को आवागमन करने में काफी सहुलियत होगी। शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्य रूप से बड़कागांव पूर्वी जिला परिषद सदस्य गीता देवी , मुखिया गणेश साव , पंचायत समिति सदस्य गणेश साव , सांसद प्रतिनिधि पूनम साहू ,जीप प्रतिनिधि सह समाजसेवी दीपक करमाली,कृष्णा साव, दिनेश साव, बिंदेश साव, रामचरण राम, दिलीप राम, बिरेंद्र राम, मोहन राम, मुकेश साव सहित दर्जनों महिला पुरुष ग्रामीण उपस्थित थे।

हजारीबाग यूथ विंग का शीतकालीन राहत अभियान जारी, वार्ड 26 में कंबल वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कड़ाके की ठंड को देखते हुए प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी हजारीबाग यूथ विंग के द्वारा शीतकालीन राहत अभियान दिसंबर के पहले सप्ताह के रविवार से चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अभियान के तीसरे रविवार को वार्ड संख्या 26 में जरूरतमंद एवं असहाय लोगों के बीच कंबलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद मनीष जायसवाल उपस्थित रहे। संस्था के संरक्षक,सचिव समेत सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सांसद का गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके उपरांत सांसद मनीष जायसवाल ने जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया। संस्था के माध्यम से अब तक 500 कंबलों का वितरण किया जा चुका है। साप्ताहिक कार्यक्रमों के साथ-साथ विभिन्न स्थानों पर भी जरूरतमंदों के बीच कंबल बांटे जा रहे हैं। इस वर्ष संस्था ने(दो हजार) 2000 कंबल वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे शीघ्र पूरा करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम प्रभारी के रूप में सांसद प्रतिनिधि एवं युवा समाजसेवी लब्बू गुप्ता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और आयोजन को सफल बनाया। उनके साथ वार्ड संख्या 26 की वार्ड पार्षद मोना देवी ने भी अपनी भूमिका निभाई। इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और मानवीय संवेदनाओं का जीवंत उदाहरण है। मौके पर संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन, सचिव रितेश खण्डेलवाल, सह सचिव अभिषेक पांडे, संस्था के मार्गदर्शक संजय कुमार,विकाश केशरी, डॉक्टर बी वेंकटेश, कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद ताजुद्दीन, रोहित बजाज, प्रमोद खण्डेलवाल, विवेक तिवारी, प्रज्ञा कुमारी, सेजल सिंह, सनी सलूजा, ज्योत्स्ना देवी, भाजपा नेता अनिल मिश्रा, अशेष सिन्हा, सांसद प्रतिनिधि एवं युवा समाजसेवी लब्बू गुप्ता,वार्ड संख्या 26 वार्ड पार्षद मोना देवी, टुलू जी, मिथुन, शिवानंद, विक्की यादव, सचिन कुमार,विक्की कुमार सहित कई लोग मौजूद रहें।

औरपरता में सहयोग आशा ट्रस्ट द्वारा 150 महिलाओं के बीच कंबल वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : प्रखंड अंतर्गत डपोक पंचायत के ग्राम औरपरता में सहयोग आशा ट्रस्ट के द्वारा कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ठंड के मौसम में जरूरतमंद महिलाओं को राहत प्रदान करना था। इस दौरान लगभग 150 महिलाओं के बीच कंबल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव शामिल हुए। उन्होंने सहयोग आशा ट्रस्ट के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज के कमजोर वर्गों के लिए इस तरह के कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि सेवा और सहयोग की भावना से ही एक मजबूत समाज का निर्माण होता है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण महिलाओं में उत्साह देखने को मिला। लाभार्थियों ने सहयोग आशा ट्रस्ट एवं उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कंबल वितरण कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपमुखिया बलराज यादव,पूर्व मुखिया लालमणि यादव, किशुन राणा, सहयोग आशा ट्रस्ट के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सीताराम चंद्रवंशी, ट्रस्ट फाउंडर मिथलेश कुमार चंद्रवंशी, राजकुमार चंद्रवंशी, राजेंद्र चंद्रवंशी, नीपू कुमार, नीतीश कुमार,अभय कुमार, गुड्डू कुमार वा सैकड़ों में महिलाओं शामिल हुए।

भाजपा कार्यालय में अटल स्मृति सम्मेलन का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार हजारीबाग

चलकुशा : भाजपा कार्यालय बरकट्ठा में भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर सुशासन दिवस के रूप में अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने की, जबकि संचालन मंडल अध्यक्ष सूर्यदेव मंडल ने किया। सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री मनोज कुमार बाजपेई उपस्थित रहे। वहीं विधायक अमित कुमार यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरीश श्रीवास्तव विशेष रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद अतिथियों ने अटल जी के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रदेश मंत्री मनोज बाजपेई ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने पोखरण परमाणु परीक्षण के माध्यम से देश को वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित किया। उनके कार्यकाल में राष्ट्रीय राजमार्गों के चौड़ीकरण से देश को विकास की नई गति मिली। विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि स्वर्गीय अटल जी के पदचिन्हों पर चलकर ही उनके आदर्शों को जीवित रखा जा सकता है। उनके नेतृत्व में देश की रक्षा व्यवस्था और कृषि क्षेत्र सशक्त हुआ। आज भारत निरंतर प्रगति की ऊँचाइयों को छू रहा है, जो कई देशों को स्वीकार्य नहीं हो पा रहा है। इस अवसर पर इचाक मंडल अध्यक्ष अनिल मेहता, अजीत बख्शी, रघुवीर प्रसाद, टुकलाल नायक, रीतलाल प्रसाद, चंदवारा मंडल अध्यक्ष मनोज साव, जयनगर अध्यक्ष महावीर यादव, टाटीझरिया अध्यक्ष उपेंद्र पांडेय, बेडोकला अध्यक्ष अनिल आजाद, चलकुशा पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक वर्णवाल रामचंद्र राम, मुकेश यादव, राजकुमार यादव, सुरेंद्र साव, उमेश यादव, दुगानंद झा, राहुल गुप्ता समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

आंगो पंचायत सचिव मुकेश कुमार दास के खिलाफ ग्रामीणों ने डीसी को दिया आवेदन

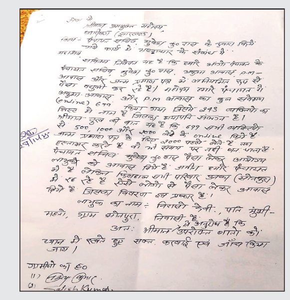

बड़कागांव : प्रखंड के सुदूरवर्ती पंचायत आंगों के ग्रामीणों ने आंगो पंचायत सचिव मुकेश कुमार दास के खिलाफ डीसी को आवेदन दिया है। आवेदन में ग्रामीणों ने पंचायत सचिव मुकेश कुमार दास पर अवैध वसूली और अनियमितता का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने पंचायत सचिव पर अबुआ आवास एवं पीएम आवास जियो टैग में 500 सौ से 2000 दो हजार रुपए तक लेने का आरोप लगाया है । साथ ही अबुआ आवास और पीएम आवास कुल ऑनलाइन 699 होना जिसमें लिस्ट में मात्र 243 रहने,इसके अलावा जन्म प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर 2000 दो हजार रुपए लेने और आंगो पंचायत से बाहर सोनपुरा निवासी निरासो देवी, पति- मुन्सी महतो को फर्जी तरीके से अबुआ आवास देने का भी आरोप लगाया है। जिसे ग्रामीणों ने उपायुक्त को आवेदन देकर कार्रवाई करने का मांग किया है। वहीं पंचायत सचिव मुकेश कुमार दास से पूछे जाने पर बताया कि ग्रामीणों का आरोप निराधार है। किसी भी लाभूक से पैसा नहीं लिया गया है। कुल ऑनलाइन आवास 699 में अभी भी 500 आवास सुरक्षित है। जो जांच का विषय है। जिसे ग्रामीण जांच कर सकते हैं। आवेदन जमा करने वालों में मुख्य रूप से आंगो पंचायत उपमुखिया लालो कुमार, वार्ड सदस्या रीना देवी, सहदेव मरांडी, पूर्व वार्ड सदस्य- नरेश कुमार, शतीश कुमार , मनोज गंझू, कमलेश गंझू, शिशुपाल कुमार, रवि गंझू, बिरसा गंझू, घनश्याम कुमार, विश्वनाथ महतो,भूतन मुंडा सहित दर्जनों ग्रामीणों का नाम शामिल है।

भामाशाह विद्यालय के बहनों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

बरही : रविवार को भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बरही के कक्षा षष्ठ, सप्तम एवं अष्टम के बहनों को संरक्षक आचार्यों के मार्गदर्शन में शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया। भैया बहनों को पदमा किला एवं हवा महल के माध्यम से भारतीय राजतंत्र की जानकारी प्रदान किया गया। पुरानी इमारत के माध्यम से तत्कालीन समय में उपलब्ध सामग्रियों का समुचित उपयोग पर प्रकाश डाला गया। किले की संरचना अतिथि कक्ष, रानी निवास, राज द्वार, गोदाम अस्तबल सिंह द्वार पेयजल हेतु तालाब कुआं इत्यादि की जानकारी दी गई। सभी भैया बहन उत्साहपूर्वक शैक्षणिक भ्रमण का आनन्द उठाया।

11 जनवरी को आयोजित राष्ट्रीय मानवाधिकार सेमिनार को लेकर हुई बैठक

हजारीबाग : 11 जनवरी को होने वाले राष्ट्रीय मानवाधिकार सेमिनार को लेकर रांची जिला इकाई की एक बैठक हुई। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जगदीश दास जी एवं संचालन जिला महासचिव वीरेंद्र शर्मा एवं महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष नाजिया जी ने किया। इस बैठक में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार,दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल अध्यक्ष कामिनी देवी तथा महासचिव संजू जी मुख्य रूप से शामिल रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि 11 जनवरी को आयोजित राष्ट्रीय मानवाधिकार सेमिनार में अधिक से अधिक संख्या में रांची से मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल होने अनुशासित तरीके से पहुंचेंगे। तन मन एवं धन से सहयोग करेंगे। कार्यक्रम के लिए बैठक में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार के द्वारा सभी कार्य कताओं को उचित दिशा निर्देश दिया गया। हम सभी कार्यकर्ता अपने संगठन के प्रति जागरूक होकर काम करने का आश्वासन दिया जय मानवाधिकार। मौके पर कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

झारखंड प्रजापति कुम्हार महासंघ की वार्षिक मिलन सह वनभोज कार्यक्रम आयोजित

बरही : झारखंड प्रजापति कुम्हार महासंघ की ग्राम कमेटी दुलमहा इकाई की ओर से प्रजापति मिलन समारोह सह वन भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन प्रखंड अध्यक्ष कमल शंकर पंडित ने किया। बतौर मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष नरेंद्र कुमार पंडित , प्रदेश कार्यकारिणी समिति सदस्य गोपाल पंडित, प्रखंड संरक्षक तोखन प्रजापति, डॉ नारायण पंडित, कृष्णा प्रजापति, जिला कोषाध्यक्ष बीरेंद्र प्रजापति, प्रखंड सचिव ज्ञानी पंडित मुख्य रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ महराजा दक्ष प्रजापति के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। उपस्थित सभी अतिथियों को प्रजापति समाज दुलमहा की ओर से बुके, माला एवं अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया। मौके पर ग्राम कमेटी की घोषणा किया गया। इसमें अध्यक्ष दिलीप कुमार पंडित, सचिव रंजीत पंडित,कोषाध्यक्ष उमेश पंडित, उप कोषाध्यक्ष विनय पंडित ,मुख्य संरक्षक दशरथ पंडित, संरक्षक कमल शंकर पंडित, मुंशी पंडित, तेजन पंडित, शंकर पंडित, बंधन पंडित सहित 21 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। सभी नव मनोनीत पदाधिकारियों को उपस्थित अतिथियों के द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष नरेंद्र पंडित ने कहा कि समाज के विकास के लिए सामाजिक एकजुटता जरूरी है ।हमें एकजुट होकर 18 जनवरी को हजारीबाग में आयोजित कुम्हार अधिकार महासम्मेलन में शामिल होना है। तभी अपना अधिकार मिल पाएगा। मौके पर उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए तन मन एवं धन से सहयोग करने की बात कही। कार्यक्रम को तोखन पंडित, कृष्णा प्रजापति, गोपाल पंडित, बीरेंद्र प्रजापति, ज्ञानी पंडित, नारायण पंडित आदि ने भी समाज के विकास के लिए अपना अपना विचार दिए। धन्यवाद ज्ञापन प्रखंड सचिव ज्ञानी पंडित ने किया।

हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● सोमवार ● 29.12.2025 ● वर्ष : 16 ● अंक : 154 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

म्यांमार में जुंटा के सख्त नियंत्रण में पांच साल बाद राष्ट्रीय चुनाव, विपक्ष नदारद

नेपीडॉ : म्यांमार में निर्वाचित सरकार के तख्तापलट के करीब पांच साल बाद रविवार को सैन्य प्रशासन जुंटा के नियंत्रण में तीन चरणों में राष्ट्रीय चुनाव कराए जाने की शुरूआत हुई।सेना के सख्त नियंत्रण वाले इस चुनाव में विपक्ष गैर मौजूद है, व्यापक स्तर पर गृहयुद्ध के चलते सीमित क्षेत्र में यह मतदान हो रहा है, जिसकी वैधता पर बड़े सवाल उठ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार प्रमुख और पश्चिमी देश इसे सैन्य शासन को मजबूत करने का बहाना बता रहे हैं। जबकि सेना का दावा है कि यह चुनाव लोकतंत्र की वापसी का रास्ता तैयार करेगा। करीब पांच करोड़ आबादी वाले म्यांमार में सैन्य शासन के नियंत्रण वाले इलाकों में तीन चरणों में होने वाले मतदान का पहला दौर स्थानीय समयानुसार आज सुबह छह बजे शुरू हुआ। मतदान का दूसरा चरण 11 जनवरी और तीसरा चरण 25 जनवरी को होगा। करीब पांच साल से गृहयुद्ध से जूझ रहे म्यांमार के विद्रोहियों के नियंत्रण वाले इलाकों में मतदान नहीं हो रहा है। म्यांमार की कुल 330 में से करीब 65 संसदीय ऐसी सीटें हैं जिनपर मतदान नहीं हो रहा है। खास बात यह है कि मतों की गिनती के बारे में तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है।

कांग्रेस की विरासत विफलताओं और गलत फैसलों की : भाजपा

नई दिल्ली : कांग्रेस के स्थापना दिवस पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान को लेकर भारतीय जानता पार्टी हमलावर है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस की विरासत देश के लिए उपलब्धियों की नहीं, बल्कि विफलताओं और गलत फैसलों की रही है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शनिवार को यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके), देश का विभाजन, वर्ष 1984 के दंगे, चीन को भूमि देना और आपातकाल कांग्रेस की विरासत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे एक रिमोट कंट्रोल अध्यक्ष की तरह काम कर रहे हैं और कथित रूप से गांधी परिवार की सेवा में लगे हुए हैं। कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र नहीं है और पार्टी नेतृत्व इस सच्चाई से अवगत होने के बावजूद कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि वर्ष 1984 के दंगों को कांग्रेस नेताओं द्वारा सही ठहराने का प्रयास किया गया, जबकि उस दौरान अनेक निर्दोष लोगों की जान गई। आपातकाल देश के लोकतंत्र के लिए काला दिन था, जो कांग्रेस की सोच और कार्यशैली को दर्शाता है।

ग्वाटेमाला में भीषण बस हादसा, खाई में गिरने से 15 लोगों की मौत

ग्वाटेमाला सिटी : ग्वाटेमाला के पश्चिमी हिस्से में इंटर-अमेरिकन हाईवे पर शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, एक यात्री बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय अग्निशमन विभाग के प्रवक्ता लिआंड्रो अमाडो ने बताया कि मृतकों में 11 पुरुष, तीन महिलाएं और एक नाबालिग शामिल है। हादसे के बाद राहत एवं बचाव दल ने घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया, जहां कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री की सलाह, मनमर्जी से ना लें दवा

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में देशवासियों से दवाओं के उपयोग में सावधानी बरतने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि दवा लेने से पहले उचित गाइडेंस लेना और एंटीबायोटिक के सेवन के लिए डॉक्टर की सलाह अवश्य लेनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने इस संदर्भ में आईसीएमआर (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) की एक हालिया रिपोर्ट का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि रिपोर्ट के अनुसार निमोनिया और यूटीआई जैसी कई बीमारियों के खिलाफ एंटीबायोटिक दवाएं कमजोर साबित हो रही हैं। इसका मुख्य कारण लोगों द्वारा बिना सोचे-समझे एंटीबायोटिक का सेवन करना है। इसलिए उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी मनमर्जी से दवाओं का उपयोग करने से बचें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम की 129वीं कड़ी और वर्ष के अंतिम एपिसोड की शुरूआत वर्ष 2025 में देश की उपलब्धियों से की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भारत ने कई मील का पत्थर

साबित होने वाली उपलब्धियां हासिल की हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा (ऑपरेशन सिंदूर), खेल (महिला विश्वकप) और वैज्ञानिक नवाचार जैसे क्षेत्रों में हुई प्रगति ने वैश्विक मंच पर भारत के प्रभाव को दर्शाया है। उन्होंने कहा कि साल 2025 में आस्था, संस्कृति और भारत की आध्यात्मिक विरासत एक साथ दिखाई दी। वर्ष की शुरूआत प्रयागराज के कुंभ से हुई और अंत अयोध्या में राम मंदिर के ध्वजारोहण कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसने हर भारतीय को गर्व से भर दिया। प्रधानमंत्री ने युवाओं के देश के लिए कुछ करने के जज्बे को सलाम किया और कहा कि आज के युवा विभिन्न माध्यमों से राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहते हैं। इस संदर्भ में उन्होंने बताया कि 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर यंग लीडर डायलॉग का आयोजन किया जाएगा, जिसमें वे स्वयं भी भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं में हमेशा कुछ नया करने का जुनून रहता है और वे उतने ही जागरूक भी हैं। इस क्रम में उन्होंने हाल ही में संपन्न हुए स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन का उल्लेख किया, जिसमें छात्रों ने जीवन से जुड़ी वास्तविक चुनौतियों के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। भविष्य को लेकर तकनीक से जुड़ी चिंताओं पर प्रधानमंत्री ने कहा कि मानव विकास के लिए अपनी जड़ों से जुड़े रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इस संदर्भ में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस में चल रहे 'गीतांजलि' जैसे संस्कृत प्रयास का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि आज विश्वस्तरीय शोध के साथ एक छोटी-सी संगीत कक्षा से शुरू हुआ यह प्रयास कैंपस का संस्कृत हृदय बन गया है। इसी क्रम में उन्होंने दुबई में बच्चों के लिए चल रही कन्नड़ भाषा की कक्षाओं का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने मणिपुर के लोगों से जुड़े कई ऐसे प्रयासों का जिक्र किया, जो लोगों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। उन्होंनेकहा कि जहां चाह, वहां राह कहावत को मणिपुर के युवा मोइरांगथेम सेठ जी ने साकार कर दिखाया है। 40 वर्ष से कम उम्र में उन्होंने अपने दूरस्थ क्षेत्र में बिजली की समस्या का स्थानीय समाधान खोजते हुए सोलर पावर को अपनाया और आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की। वहीं, सेनापति जिले की चोखोने क्रिचेना जी ने पारंपरिक खेती के अनुभव को आगे बढ़ाते हुए फूलों की खेती को अपना जुनून बनाया। आज वे अपने उत्पादों को विभिन्न बाजारों से जोड़कर स्थानीय समुदायों को सशक्त कर रही हैं और मणिपुर के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में पुरातत्व विभाग से जुड़ी एक हालिया खोज का भी उल्लेख किया, जिसके तहत बारामूला में जेहनपोरा नामक प्राचीन बौद्ध विरासत का पता चला है। इसके चित्र फ्रांस के एक संग्रहालय के अभिलेखागार में सुरक्षित मिले हैं। साथ उन्होंने बताया कि आंध्र प्रदेश के नारसापुरम जिले की लेस क्राफ्ट आज देशभर में पहचान बना रही है। पीढ़ियों से महिलाओं ने धैर्य, कौशल और बारीकी से इस पारंपरिक कला को सहेजते हुए नारी-शक्ति की रचनात्मक क्षमता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर तमिल भाषा के गौरव और दुनिया भर में लोगों को जोड़ने की उसकी क्षमता की चर्चा की। उन्होंने फिजी का उदाहरण दिया, जहां नई पीढ़ी को तमिल भाषा से जोड़ने के प्रयास हो रहे हैं। साथ ही उन्होंने काशी-तमिल संगम का उल्लेख किया, जिसमें इस बार तमिल भाषा सीखने पर विशेष जोर दिया गया। देश के अनसंग हीरो की श्रृंखला में इस बार प्रधानमंत्री ने ओडिशा की पार्वती गिरी के योगदान को याद किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का रांची आगमन राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

रांची : झारखण्ड के तीन दिवसीय दौरे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का रविवार को रांची आगमन हुआ। इस अवसर पर बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार एवं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राष्ट्रपति का अभिवादन और स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने इस खास मौके पर राष्ट्रपति को प्रतीक चिन्ह (मोमेंटो) सप्रेम भेंट किया।

सीएम हेमन्त सोरेन से के. राजू, केशव महतो कमलेश व राजेश कच्छप ने की मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से रविवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के. राजू , झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं विधायक राजेश कच्छप ने औपचारिक मुलाकात की। इस मौके पर उन्होंने पेसा नियमावली को राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा स्वीकृति दिए जाने के लिए मुख्यमंत्री को बधाई दी। साथ ही नववर्ष- 2026 के आगमन की एक- दूसरे को बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी।

महाराष्ट्र एएनटीएफ ने बेंगलुरु से 55 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त किया, चार गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने बेंगलुरु में घरों से चल रही तीन अवैध मेफेड्रोन (एमडी) नामक मादक पदार्थ बनाने वाली फैक्ट्ररियों पर छापा मारकर 55 करोड़ रुपये से ज्यादा की करीब 21 किलो ड्रग्स जब्त किया है। महाराष्ट्र पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले की छानबीन महाराष्ट्र एएनटीएफ की टीम कर रही है। इस मामले की छानबीन कर रहे अधिकारी ने रविवार को बताया कि एएनटीएफ कोंकण की टीम नवी मुंबई के वाशी इलाके स्थित पुराने बस स्टाप के पास से मादक पदार्थ सहित अब्दुल कादिर राशिद शेख को गिरफ्तार किया था। अब्दुल कादिर के पास से 1.48 करोड़ रुपये की 1.48 किलो मेफेड्रोन बरामद की गई थी। इसके बाद एएनटीएफ ने इस मामले की छानबीन शुरू किया। शेख से पूछताछ के बाद एएनटीएफ कोंकण टीम बेलगाम के रहने वाले प्रशांत यल्लप्पा पाटिल तक पहुंची, जिस पर ड्रग बनाने का शक था। पाटिल को ट्रैक करके गिरफ्तार किया गया, और पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि ड्रग बेंगलुरु में तीन अस्थायी फैक्ट्ररियों में बनाई जा रही थी। इसके बाद पुलिस ने दो और लोगों, सुरेश रमेश यादव और मलखान रामलाल बिश्नोई को गिरफ्तार किया, दोनों राजस्थान के रहने वाले हैं। दोनों ने कबूल किया कि वे मादक पदार्थ बनाने और बांटने में शामिल थे। इन दोनों से मिली जानकारी के आधार पर एएनटीएफ की टीम ने बंगलुरु के गोलाहल्ली, स्पंदना और येरपनहल्ली कन्नूर इलाके में स्थित घरों में तीन ड्रग फैक्ट्रियों पर छापा मारकर 4.1 किलो एमडी ड्रग पावडर और 17.3 किलो लिक्विड रूप में, साइकोट्रॉपिक पदार्थ बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई केमिकल और इसे बनाने के लिए जरूरी उपकरण जब्त किया। शुरूआती जांच से पता चलता है कि इन यूनिट्स में बनी ड्रग्स देश के कई हिस्सों में सप्लाई की जाती थी। पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपितों ने ड्रग तस्करी से कमाए पैसे बेंगलुरु में प्रॉपर्टी में लगाए थे। इस रैकेट में दो और संदिग्धों की पहचान की गई है और उन्हें ढूंढने और गिरफ्तार करने के लिए टीमें भेजी गई हैं।

विपक्ष हमेशा उन्हीं बातों का विरोध करता है, जो जनता को पसंद है : अमित शाह

एजेंसी

अहमदाबाद : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, राहुल बाबा, हार से थकिए मत। वर्ष 2029 में भी नरेन्द्र मोदी ही देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष हमेशा उन्हीं बातों का विरोध करता है, जो जनता को पसंद आती हैं। जनता को जो अच्छा लगता है, आप उसका ही विरोध करते हो, तो फिर आपको वोट कहां से मिलेंगे? केंद्रीय गृह मंत्री शाह रविवार को अहमदाबाद के पश्चिमी क्षेत्र में आधुनिक तकनीक से बिना खड्डा खोदे तैयार की गई 27 किलोमीटर लंबी ड्रेनेज लाइन के लोकार्पण अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नई ड्रेनेज लाइन को इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए विकास कार्यों की सराहना की है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि आज का दिन आनंद देने वाला है। वणझर क्षेत्र में 1973 के बाद जिन लोगों ने सब कुछ खो दिया था, वे यहां आकर बसे। करीब 50 वर्षों से कई परिवार रह रहे थे, लेकिन किसी कारणवश प्लॉट की मालिकी अटकी हुई थी। उन्होंने कहा कि इस समस्या का समाधान कर फाइलों को अंतिम रूप दिया गया और आज से यह प्रक्रिया पूरी तरह कानूनी हो गई है, जिससे लोगों के जीवन में एक बड़ा बदलाव आया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने बताया कि अहमदाबाद के 9 वार्डों में रहने वाले करीब 15 लाख लोग और 4500 सोसायटियां वर्षों से गटर के पानी की निकासी की समस्या से जूझ रहे थे। क्षेत्र गांव से शहर में तब्दील हो चुका था, लेकिन बुनियादी ढांचा नहीं था। करीब 400 करोड़ रुपये की लागत से बड़े व्यास की पाइपलाइन बिछाकर यह समस्या दूर की गई। गटर के पानी के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे दुष्प्रभाव को भी समाप्त किया गया है।उन्होंने कहा कि 15 लाख की आबादी अपने आप में एक शहर के बराबर होती है और इस परियोजना से उस पूरे शहर की समस्या का समाधान हो गया है। कम समय में यह काम पूरा होगा, इसका उन्हें भी पहले विश्वास नहीं था, लेकिन यह कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि राहुल गांधी ने संसद में सवाल किया कि वे हर चुनाव क्यों हार जाते हैं। इस पर उन्होंने कहा,राहुल गांधी अगर ये दो कार्यक्रम समझ लें, तो उन्हें खुद समझ आ जाएगा कि वे चुनाव क्यों हारते हैं? उन्होंने कहा कि वर्षों पुरानी मांग बिना किसी आंदोलन के, संवेदनशीलता के साथ पूरी की गई। जनता मांग करे या न करे, जनता का काम करना भाजपा और नरेन्द्र मोदी की सरकार का दायित्व है। उन्होंने विपक्ष को घेरते हुए कहा, हम राम मंदिर बनाते हैं, आप विरोध करते हैं। सर्जिकल स्ट्राइक करते हैं, विरोध करते हैं। एयर स्ट्राइक, अवैध घुसपैठियों को बाहर करना, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, तीन तलाक, अनुच्छेद 370 हटाना, समान नागरिक संहिता–हर चीज का आप विरोध करते हैं। जनता को जो पसंद है, उसका विरोध करोगे तो वोट कहां से मिलेंगे? उन्होंने कहा कि बंगाल और तमिलनाडु में भी भाजपा की जीत तय है और एक बार फिर मोदी सरकार बनेगी। उन्होंने कहा, जिसे अपनी ही पार्टी समझा नहीं पाई, उसे हम कैसे समझा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 15 लाख लोगों की गटर व्यवस्था नहीं होने के बावजूद कभी कोई बड़ा आंदोलन नहीं हुआ, फिर भी सरकार ने समस्या का समाधान किया।

तीन दिवसीय 5वें राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन का हुआ सफल समापन, विकास एजेंडे पर झारखंड की मजबूत प्रस्तुति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नई दिल्ली में (26 से 28 दिसंबर) तक आयोजित तीन दिवसीय मुख्य सचिवों के 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। सम्मेलन का आयोजन विकसित भारत के लिए मानव पूंजी की थीम पर किया गया, जिसका उद्देश्य भारत की जनसंख्या को कुशल, उत्पादक और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के रूप में विकसित करना रहा। सम्मेलन की प्रमुख उपलब्धि टीम इंडिया की भावना के तहत केंद्र और राज्यों के बीच खुले संवाद और संरचित सहयोग को सशक्त बनाना रहा। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए केंद्र-राज्य साझेदारी को और

मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। मानव पूंजी विकास पर केंद्रित इस सम्मेलन में प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, स्कूली शिक्षा, कौशल विकास, उच्च शिक्षा, खेल एवं पाठ्येतर गतिविधियों पर विचार-विमर्श हुआ। विकसित भारत की थीम के तहत जनसंख्या को जनसांख्यिकीय लाभांश के बजाय सशक्त मानव पूंजी के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया। चर्चाओं का फोकस कौशल, उत्पादकता, नवाचार और रोजगार क्षमता बढ़ाने वाले तंत्रों पर रहा, ताकि समावेशी, सतत और भविष्य-उन्मुख जन-केंद्रित विकास को बढ़ावा मिल सके। सम्मेलन के दौरान शासन सुधार, प्रशासनिक दक्षता और नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विषयों पर भी गहन मंथन किया गया। झारखंड सरकार की ओर से मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सचिव कृपानंद झा, योजना एवं विकास विभाग के सचिव मुकेश कुमार तथा विशेष सचिव राजीव रंजन सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने सहभागिता की। सम्मेलन में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों, वरिष्ठ केंद्रीय अधिकारियों और विशेषज्ञों ने भाग लिया। यह सम्मेलन देश की प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सक्षम, समन्वित और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

औरंगाबाद में पुलिस टीम पर पथराव दो एएसआई समेत चार जवान घायल

एजेंसी

बिहार : कासमा थाना क्षेत्र के ढोल गांव में शनिवार को सरकारी नाली-गली निर्माण को लेकर हुए विवाद के दौरान पुलिस टीम पर पथराव कर दिया गया। इस घटना में दो एएसआई समेत कुल चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, थानाध्यक्ष को लिखित आवेदन के माध्यम से गांव में दो पक्षों के बीच विवाद की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही कासमा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास कर रही थी। इसी दौरान कुछ लोग उग्र हो गए और पुलिस टीम पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। घटना में घायल एएसआई अरुण कुमार और इंद्रदेव कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मियों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रफीगंज में कराया गया, जहां प्राथमिक

उपचार के बाद सभी को छुट्टी दे दी गई। इस मामले में कासमा थाना में कांड संख्या 148/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बृजकिशोर कुमार, ललिता देवी, रिंकी देवी, गुड़िया कुमारी और पूजा कुमारी को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। गिरफ्तारी के डर से गांव के कई लोग फरार बताए जा रहे हैं। फिलहाल गांव में स्थिति नियंत्रण में है और पुलिस लगातार निगरानी बनाए हुए है।

एक नजर

राष्ट्रपति के आगमन के मद्देनजर यातायात व्यवस्था हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश

सरायकेला : सोमवार को माननीय राष्ट्रपति महोदया के जिला अंतर्गत NIT जमशेदपुर में प्रस्तावित आगमन कार्यक्रम की तैयारियों के क्रम में सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन के दृष्टिगत निम्नलिखित मार्गों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं सोमवार को अपराह्न 12:00 बजे से NIT से NIT मोड़ की ओर जाने वाले मार्ग का प्रयोग यथासंभव कम से कम किया जाए। अपराह्न 1:00 बजे से सेरे पंजाब से आकाशवाणी चौक की ओर जाने वाले मार्ग का प्रयोग यथासंभव कम से कम करने का अनुरोध किया जाता है। NIT से RIT की ओर जाने वाले मार्ग का भी यथासंभव न्यूनतम प्रयोग करने का अनुरोध किया जाता है। आदित्यपुर से जमशेदपुर की ओर जाने वाले वाहन आदित्यपुर टॉल ब्रिज मार्ग का प्रयोग करें। साथ ही, माननीय राष्ट्रपति महोदया के आगमन कार्यक्रम के पश्चात सुरक्षा कारणों से सभी निर्धारित रूट लाइन को अस्थायी रूप से नियंत्रित/बंद किया जाएगा, अतः आम जनमानस से अनुरोध है कि केवल वैकल्पिक एवं निर्देशित मार्गों का ही प्रयोग करें। जिला प्रशासन द्वारा आम जनमानस से अपील की जाती है कि उक्त समयावधि में अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें तथा निर्देशित/वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग कर प्रशासन को सहयोग प्रदान करें। यह समस्त व्यवस्था माननीय राष्ट्रपति महोदया के आगमन कार्यक्रम की तैयारी, सुरक्षा एवं यातायात के सुचारू संचालन के उद्देश्य से की जा रही है।

बीआईवी 12 ई 1998 बैच के पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन समारोह, यादें हुईं ताजा

बोकारो : बोकारो इस्पात विद्यालय 12 ई के वर्ष 1998 बैच के पूर्ववर्ती छात्रों ने बोकारो में दो दिवसीय मिलन समारोह का आयोजन कर पुरानी यादों को ताजा किया। इस आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों से पूर्ववर्ती छात्र बोकारो पहुंचे। कार्यक्रम के पहले दिन सभी प्रतिभागी सिटी पार्क में एकत्र हुए, जहां साथ बिताए स्कूल के दिनों की यादें साझा की गईं और पुराने अनुभवों पर चर्चा हुई। दूसरे दिन सभी पूर्ववर्ती छात्र सेक्टर-12 ई पहुंचे और विद्यालय भवन में घंटों समय बिताकर बचपन और छात्र जीवन की स्मृतियों को जीवंत किया। हालांकि अब यह विद्यालय भवन खंडहर में तब्दील हो चुका है, फिर भी वहां मौजूद होकर सभी भावुक नजर आए। इसके बाद सभी कैंप-2 स्थित जायका हैपिनेस में एकत्र हुए, जहां अपने विद्यालय के दो प्रिय शिक्षक आर. शर्मा और चुनचुन मिश्रा को सम्मानित किया गया तथा उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

जैन मुनि का होगा बोकारो आगमन

बोकारो : दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष श्री आलोक कुमार जैन ने बताया कि आचार्य श्री तन्मय सागर जी महाराज गोमिया से विहार कर के पेटरवार होते हुए 29 तारीख को जैना मोड़ पहुंचेंगे। कल का आहार उनका जैना मोड़ में कमल जैन के यहां होगा एवं ०.१२.२५ को वो जैना मोड़ से विहार कर के बोकारो पहुंचेंगे। ३०.१२.२५ का आहार उनका जैन मिलन बोकारो, दिगम्बर जैन भवन सेक्टर II-ऊके प्रांगण में होगा एवं ३१ तारीख की सुबह आठ बजे वे बोकारो से धनबाद विहार कर जाएंगे। वे कर्नाटक के श्रवणबेलगोला दर्शन करने जा रहे है। जैन मिलनके अध्यक्ष श्री संजय बैद ने बताया कि हाड़ मांस को जमा देने वाली इस दिसंबर की कपकपाती भीषण ठंड में जहां लोग रजाई से नहीं निकलना चाहते हैं।

पुलिस ने घरों में चोरी के हॉफ पेंट गिरोह का किया भंडाफोड़, 9 गिरफ्तार, 44 मामले सुलझे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो पुलिस ने घरों में चोरी की सिलसिलेवार घटनाओं को अंजाम देने वाले हॉफ पेंट गिरोह का उद्भाटन कर दिया। पुलिस ने कुल 9 अपराधियों को गिरफ्तार किया, जिसमें दो नाबालिग और दो चोरी का माल खरीदने वाले भी शामिल हैं। आरोपियों के इशारे पर 90 ग्राम सोना, 5.3 किग्रा चांदी, 52,850 रुपये नगद, मोटरसाइकिल, लैपटॉप, एलईडी टीवी, पीतल-कांसे के बर्तन, मूर्तियां और चोरी के औजार बरामद किए गए। इस कार्रवाई से चीरा चास सहित विभिन्न थानों के 44 चोरी के मामले सुलझ गए।लगातार गृहभेदी चोरियों से दहशत में थे लोग। इसी क्रम में चीरा चास थाना क्षेत्र के के.के. सिंह कॉलोनी में कुछ लोग घर का ताला तोड़कर घुसने की कोशिश करते पाए गए। गुप्त सूचना पर चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह के नेतृत्व में छापेमारी दल ने त्वरित कार्रवाई की और मौके से 5 अपराधियों समेत दो नाबालिगों को धर दबोचा। बाद में 4 और गिरफ्तारियां हुईं। एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि गिरोह ने चीरा चास (20 मामले), बालीडीह ओपी, बालीडीह थाना, चास मुफ्फसिल, बीएससीटी, सेक्टर-4 व 12 में चोरियां कीं। आरोपी पहले रेकी करते, घर खाली पाकर चोरी करते और माल स्थानीय दुकानदारों को बेच देते। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। एसपी ने कहा, इनकी गिरफ्तारी से चोरी की घटनाएं थम जाएंगी। चीराचास थाना में केस दर्ज चीरा चास थाना में कांड संख्या 151/ 2025 (27.12.2025) धारा 331(4) /305(ए)/ 62/ 112(2)/ 317(4)/ 3(5) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपीःरोहित मेहरा (37), एलएच मोड़, काली मंदिर, सेक्टर-12। बड़का बांसफोर उर्फ बड़का डोम (37), मूलः महादेवा, सिवान (बिहार); वर्तमानः सेक्टर-1। रौशन कुमार (19), झोपड़ी कॉलोनी, माराफारी। महेश प्रसाद सोनी (51), कृष्णा कोऑपरेटिव, तेलीडीह मोड़, चास। शशि कुमार वर्मा (39), मूलः महादेवा, सिवान (बिहार)। नीरज कुमार नायक (33), होसिर, गोमिया। संजय वर्मा (51), ससबेड़ा, आईईआई क्लोनी, आईईएल।

चांदसी दवाखाना डॉक्टर अधीर रंजन विश्वास का निधन से सेवा के एक युग का अंत हुआ : पिंकी जैन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : राजगढ़िया रोड में चांदसी दवाखाना के मशहूर डॉक्टर अधीर रंजन विश्वास के निधन पर वार्ड पार्षद पिंकी जैन ने गहरा दुख प्रकट किया और कहा कि सेवा के क्षेत्र में एक युग का अंत हो गया लगभग 60 वर्षों से अधिक राजगढ़िया रोड में डॉक्टर के रूप में सेवा दे रहे डॉ अधीर रंजन विश्वास मरीज के लिए भगवान का दूसरा रूप थे शहर के लोगों के लिए उनका नहीं होना एक अपूरणीय क्षति है डॉक्टर सर समाज सेवा के क्षेत्र में भी काफी सक्रिय थे बंगाली समाज के कई वर्षों तक अध्यक्ष रहे नेताजी सुभाष चंद्र बोस जन्मोत्सव समिति के फाउंडर अध्यक्ष थे पूरे जिले भर के कई असाध्य रोग से पीड़ित व्यक्ति इलाज करा कर पूर्ण रूप से ठीक हो जाते थे उनके हाथों में जादू था जिसके कारण पूरे जिले भर के मरीज अपना इलाज के लिए उनके चेंबर में सेवा लाभ के लिए आते थे पिंकी जैन ने कहा कि जरूरतमंद गरीब मरीजों को पैसा नहीं रहने पर निशुल्क इलाज भी कर दिया करते थे जिसके कारण वह लोगों के दिलों में बसते थे राजगढ़िया रोड में ही उनके बड़े पुत्र डॉक्टर ओमियो विश्वास, पुत्रवधू डॉक्टर सीमा विश्वास, छोटे पुत्र डॉक्टर अशोक विश्वास अपनी सेवा का लाभ देते हैं नमन है।

ओलचिकी के शताब्दी वर्ष पर संथाली भाषा जीतकर दिवस मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : संथाली भाषा और संस्कृति के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत रविवार को बोकारो के सेक्टर-12 स्थित सरना स्थल में ओलचिकी एवं संथाली भाषा जीतकर दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व देवेश टुडू ने किया, जबकि मंच संचालन की जिम्मेदारी लीलू सोरेन ने निभाई। आयोजन में बड़ी संख्या में समाज के प्रबुद्धजन, युवा और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। वक्ताओं ने बताया कि वर्ष 2025 ओलचिकी लिपि के 100 वर्ष पूर्ण होने का प्रतीक है। यह लिपि गुरु गोमके पंडित रघुनाथ मुर्मू की दूरदर्शी रचना है, जिसने संथाली समुदाय को एक सशक्त लिखित भाषा दी और पीढ़ियों से चली आ रही मौखिक परंपराओं को संरक्षित करने का मार्ग प्रशस्त किया। ओलचिकी न केवल संथाली समाज के लिए मील का पत्थर है, बल्कि यह सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय महत्व की धरोहर भी है। मौके पर देवेश टुडू ने अपने संबोधन में कहा कि ओलचिकी लिपि के व्यापक प्रचार-प्रसार की आज सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह लिपि संथाली समाज की सांस्कृतिक परंपराओं, इतिहास और पहचान को और अधिक समृद्ध करेगी। इसके माध्यम से नई पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ेगी और अपनी भाषा-संस्कृति पर गर्व महसूस करेगी। सरना समिति के सचिव बीआर सामंता ने गुरु गोमके पंडित रघुनाथ मुर्मू के जीवन और संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ओलचिकी लिपि के साथ- साथ अन्य जनजातीय भाषाओं और परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए भी सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने शिक्षा, साहित्य और सामाजिक जीवन में जनजातीय भाषाओं के उपयोग को बढ़ाने पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने एक स्वर में संकल्प लिया कि ओलचिकी लिपि और संथाली भाषा को गांव- गांव, स्कूल- कॉलेज और सामाजिक मंचों तक पहुंचाया जाएगा, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेज सकें।

वार्ड 8 में गरीब और असहाय लोगों को कंबल व मिठाई वितरण कर नए साल 2026 की दी गई शुभकामनाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड सरकार की लोक कल्याणकारी योजना के तहत नगर पंचायत कोडरमा वार्ड नंबर 8 में गरीब गुरुवा असहाय वृद्ध बुजुर्ग विधवा महिला पुरुषों के बीच रविवार को महावीर मोहल्ला सामुदायिक भवन के पास वार्ड पार्षद ज्योति भारती के नेतृत्व एवं नप अध्यक्ष कांति देवी, समाजसेवी चंद्रवंशी जय प्रकाश राम, रेड क्रॉस सोसाइटी के जिला अध्यक्ष अजीत वर्णवाल, जेएमएम जिला सचिव पवन माइकल कुजूर, जेएमएम महिला जिला संयुक्त सचिव पूजा कुमारी नप कर्मी सुरेश राम की उपस्थिति में वार्ड पार्षद ज्योति भारती के तरफ से नए साल के आगमन के शुभ अवसर पर उपस्थित लोगों को मिठाई खिला कर एवं सरकार के द्वारा उपलब्ध कंबल वितरण कर आने वाले नए साल 2026 की हार्दिक शुभकाना देते हुए बधाई दिया। वही इस मौके पर उपस्थित अतिथियों ने कहा कि गरीब गुरुवा असहाय वृद्ध बुजुर्ग विधवा महिला पुरुषों को सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारते हुए वार्ड पार्षद ज्योति भारती का यह सराहनीय कार्य है। जिन्होंने पारदर्शिता से उपलब्ध कंबल को वितरण किया। वही ज्योति भारती ने कहा कि जब जब हमें इस तरह की जिम्मेवारी सरकार, जिला प्रशासन एवं नगर प्रशासक के द्वारा दिया गया उसे आम सभा के माध्यम से सरकार का चीज सरकार यानि आम जनता के बीच नए साल के अवसर पर मिठाई खिला कर वितरण करने का काम किया और आने वाले समय में भी अगर जनता का सहयोग आशीर्वाद मिला तो इसी तरह से ओर बढ़ चढ़ कर जन सेवा करते हुए अपने वार्ड को स्वच्छ और सुंदर बनाने का कार्य करूंगी। वही कांति देवी के कहा कि सरकार का यह कार्य सराहनीय है। इस कड़ाके की ठंड में गरीब परिवार के लोगों के लिए ठंड से बचाने का सहारा है।

बोकारो चेंबर ने जरूरतमंदों में बांटे कंबल जिला प्रशासन से अलाव जलाने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : कड़ाके की ठंड से जूझ रहे जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए बोकारो चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान चेंबर नेताओं ने जिला प्रशासन से गरीबों, खासकर झुग्गी-झोपड़ी वासियों के लिए अलाव जलाने सहित राहत व्यवस्था की मांग की। चेंबर के संरक्षक संजय बैद और प्रदीप सिंह ने कहा कि इस वर्ष ठंड असहनीय रूप से तेज है, जिससे असहाय परिवार भारी परेशानी झेल रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से निर्धन परिवारों के लिए तत्काल राहत उपाय सुनिश्चित करने की अपील की। महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने बताया कि चेंबर सामाजिक दायित्व निभाने के प्रति हमेशा प्रतिबद्ध है। भविष्य में भी कंबल वितरण और अन्य सहायता कार्यक्रम जारी रहेंगे। कंबल बांके सिंह के सौजन्य से उपलब्ध कराए गए। उन्होंने प्रमुख उद्यमियों और व्यापारियों से गरीबों की मदद के लिए आगे आने की अपील की। कार्यक्रम में विनय सिंह, अनूप भालोटिया, रवि सिंह, अक्षर शंकर, समर्थ, कुंज, पंकज, लोगो पूर्ति, संजय कुमार, कुमार अमरदीप, संतोष सिंह, अंकित चोपड़ा, राजीव कुमार समेत कई सदस्य मौजूद रहे।

डोमचांच नगर मंडल में अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी समारोह का भव्य आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : भारतीय जनता पार्टी जिला कोडरमा के डोमचांच नगर मंडल के HMT होटल में भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनुप जोशी ने किया,जबकि संचालन जिला महामंत्री विजय यादव ने किया । कार्यक्रम की शुरूआत अटल जी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर और दीप प्रज्वलित कर की गई । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चतरा के पूर्व सांसद सुनील सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी भारतीय राजनीति के ऐसे युगपुरुष थे, जिन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए लोकतंत्र को नई ऊँचाइयाँ दीं। उनका जीवन सादगी, सुशासन और राष्ट्रभक्ति का प्रेरणास्रोत है। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, चतुर्भुज योजना,सर्व शिक्षा अभियान चलाकर देश को विकास की गति प्रदान की । कार्यक्रम की संयोजक एवं कोडरमा विधायक नीरा यादव ने कहा कि अटल जी का विचार और व्यक्तित्व आज भी प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए मार्गदर्शक है। उनके सपनों के भारत को साकार करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। बिहार विधान परिषद के पूर्व सदस्य प्रवीण सिंह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर देश को मजबूत नेतृत्व प्रदान किया और भारत की वैश्विक पहचान को सुदृढ़ किया। जिला अध्यक्ष अनुप जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि अटल जी का जीवन हम सभी के लिए आदर्श है। उनके सिद्धांतों पर चलकर ही भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र सेवा के संकल्प को आगे बढ़ा रही है। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश सिंह ने कहा कि अटल जी की दूरदर्शी नीतियों ने देश को स्थिरता और विकास का मार्ग दिखाया, जिसे आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी आगे बढ़ा रहे हैं। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नीतीश चन्द्रवंशी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है और युवा पीढ़ी को उनके विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए।कार्यक्रम का समापन मण्डल अध्यक्ष सुजीत मेहता ने किया । कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने अटल बिहारी वाजपेयी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह,जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह,गोपाल कुमार गुतुल, जिला मन्त्री सूरज प्रताप मेहता, शशी भूषण प्रसाद, सत्यनारायण यादव, कामिनी देवी, सुनील बड़गांवे, पूर्व मण्डल अध्यक्ष मुकेश राम, सुजीत सिनाहा, मनोज मेहता, कृष्णा मेहता, सुनील मेहता,आदि सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल रहे ।

संक्षिप्त खबरें

सीपीआईएम कार्यालय बड़ा में पूर्व मुखिया कॉमरेड सुरेन्द्र कुमार महतो की 20वीं पुण्यतिथि मनाई गई

सिल्ली : रविवार को सीपीआईएम कार्यालय बड़ा मुरी में लगाम आन्दोलन शुरू कर मुकाम तक पहुंचने वाले पूर्व मुखिया कॉमरेड सुरेन्द्र कुमार महतो की 20 वीं पुण्यतिथि मनाई गई, सह मुरी लोकल कमिटी की बैठक हुई। इस बैठक में झारखंड राज्य सचिव कॉमरेड प्रकाश विप्लव, राज्य कमिटी सदस्य कॉम. समीर दास, कॉम. सुरेश मुंडा उपस्थित रहे। मीटिंग की अध्यक्षता कॉम. संतोष कुम्हार ने किया । विशेष आमंत्रित साथी कॉम. बद्री नारायण साहु द्वारा पूर्व मुखिया कॉमरेड सुरेन्द्र कुमार महतो के जीवनी तथा पार्टी में उनका योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लगाम आन्दोलन को सफल करते हुए वहां के विस्थापितों को नौकरी दिलाने में अहम भूमिका रही। वो टाटा स्टील प्लांट में नौकरी त्याग कर लगाम आन्दोलन के विस्थापितों के लड़ाई में कूद पड़े थे। उनका ये बलिदान पार्टी हमेशा याद रखेगी। इस बैठक में लोकल कमिटी सचिव कॉमरेड अमर महली, चितरंजन महतो, दीपक सोनार विजय सिंह मुंडा, सदानंद सोनार, रविपद बेदिया, जितेंद्र महतो , रविशंकर सोनार तथा पूर्व मुखिया के धर्म पत्नी मोसमात सुशीला देवी,पुत्र दिवाकर महतो, भास्कर महतो उपस्थित रहे।

कोडरमा में क्षत्रिय गौरव एकता बैठक आयोजित, रांची रैली की रूपरेखा तैयार

कोडरमा : विवेक विला स्थित असनाबाद में आगामी 22 फरवरी को रांची में आयोजित होने वाले क्षत्रिय गौरव एकता का बैठक पूरे जोर शोर से किया गया वहीं बैठक की अध्यक्षता राजू सिंह एवं संचालन गुड्डू सिंह ने किया। बैठक के मुख्य अतिथि प्रवीण सिंह ,सुनील कुमार सिंह उपस्थित रहे रांची में आयोजित होने वाली रेली को सफल बनाने हेतु रूप रेखा तैयार किया गया साथ ही उन्होंने कहा कि हम किसी जात की राजनीति नहीं करते है हम सभी जमात की राजनीति करते है हमे सभी वर्गों को साथ में ले के चलने की आवश्यकता है साथ ही समाज के उत्थान की बात की जब तक हम सभी समाज के लोग एकजुट नहीं होंगे तब तक समाज का उत्थान नहीं हो सकता और सभी भाइयों को एकजुट रहने की बात की कार्यक्रम को सफल बनाने में रमेश सिंह,राजेश सिंह,रामनाथ सिंह,उदय सिंह, मदनमोहन सिंह, प्रिंस सिंह, पंकज सिंह,अंकित सिंह, बबलू सिंह,राजू सिंह,विश्वनाथ सिंह,बबलू सिंह, शिशर सिंह,पप्पू सिंह, विजय सिंह, शक्ति सिंह, आनंद सिंह, अम्बिका सिंह,सोनू सिंह,विकाश सिंह,अरविंद सिंह,तथा जयनगर,डोमचांच ,मरकच्चो ,हजारीबाग , जमुआ,गिरिडीह कोडरमा आस पास के क्षेत्रों ,के सैकड़ों की संख्या में क्षत्रिय बंधु उपस्थित हुए।

कांग्रेस पार्टी के 140 वर्ष पूरे, मरकच्चो में जिला कांग्रेस ने मनाया स्थापना दिवस

कोडरमा : देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने 140 वर्षों के ऐतिहासिक और राजनीतिक सफर पूरा कर लिया है। इस मौके पर कोडरमा जिला के मरकच्चो प्रखंड खेल मैदान स्टेडियम में जिला कांग्रेस कमिटी की ओर से स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अगुवाई कांग्रेस नेता एवं 20 सूत्री अध्यक्ष रवि शंकर सिंह ने किया वहीं एक सभा की गई सभा की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रजक ने किया वही संचालन कांग्रेस नेता रवि शंकर सिंह ने किया। स्थानीय कार्यकताओं और पदाधिकारियों की उपस्थिति में कांग्रेस के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका और आज के लोकतांत्रिक भारत के निर्माण में पार्टी के योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस जनों ने संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस मौके पर जिला अध्यक्ष प्रकाश रजक ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि देश की आजादी और लोकतांत्रिक मूल्यों की आवाज रही है। 140 साल के इस लंबे सफर में कांग्रेस ने हर वर्ग को साथ लेकर चलने का काम किया है। आज भी हमारी पार्टी समानता, भाईचारा और संवैधानिक मयार्दाओं की रक्षा के लिए संघर्षरत है। हमें अपने इतिहास पर गर्व है और भविष्य में भी जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार काम करते रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस की विचारधारा देश को जोड़ने की है, बांटने की नहीं। आज पार्टी कार्यकताओं का कर्तव्य है कि वे गांव-गांव और घर-घर तक कांग्रेस की ऐतिहासिक विरासत और वर्तमान संघर्ष को पहुंचाएं। सभा को संबोधित करते हुए 20 सूत्री अध्यक्ष रवि शंकर सिंह ने कहा कि मरकच्चो प्रखंड में कांग्रेस पार्टी को गांव-गांव जाकर कांग्रेस के विचारधारा को बता कर संगठन को मजबूत किया जाएगा।

सेक्टर-2 गुरुद्वारा में चार साहिबजादों की शहादत पर श्रद्धापूर्ण आयोजन

बोकारो : गुरुद्वारा साहिब सेक्टर-2 में चार साहिबजादों की शहादत दिवस पर विशेष धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से सुखमनी साहिब पाठ, जपजी साहिब पाठ और कीर्तन में हिस्सा लिया। तख्त श्री हरिमंदिर पटना साहिब से पधारे रागी जत्थे के मधुर कीर्तन से वातावरण गुरबाणीमय हो गया। बोकारो-चास की संगतों ने इसका लाभ उठाया। अमृत सिंह नरूला जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में गुरमेल सिंह (सचिव), जसपाल सिंह, इकबाल सिंह, हैप्पी सिंह, राम सिंह, इशमीत सिंह, तजिंदर सिंह, लखविंदर सिंह, हरदीप सिंह, सुरेंद्र पाल सिंह, श्याम सिंह और रणजीत सिंह का योगदान रहा। सेवादारों ने तन-मन-धन से सेवा की। दो दिनों तक संगत के लिए विशेष बादाम दूध और गुरु का लंगर वितरित किया गया।

एक नजर

कुमार गौरव बने झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष

रांची : झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस में संगठनात्मक फेरबदल किया गया है। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने नई नियुक्तियों की घोषणा करते हुए कुमार गौरव को झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके साथ ही कुलदीप कुमार रवि को सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और आशुतोष कुमार को वाइस प्रेसिडेंट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्तियाँ तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। युवा कांग्रेस नेतृत्व ने विश्वास जताया है कि नई टीम संगठन को मजबूत करने और कांग्रेस पार्टी की नीतियों को युवाओं तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएगी।

रांची में पुंदाग आईआईएम पुल के पास 33 केवी केबल में लगी आग

रांची : राजधानी रांची के पुंदाग स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) पुल के पास 33 केवी बिजली केबल में आग लगने से बिजली आपूर्ति प्रभावित हो गई है। घटना के बाद पुंदाग, पिस्का मोड़ सहित आसपास के कई क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति ठप हो गई। बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंचकर आपूर्ति बहाल करने में जुटी हुई है। विभाग के अनुसार, स्थिति पर नजर रखी जा रही है और जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं। दरअसल, पुंदाग आईआईएम पुल के पास 33 केवी केबल में आग लगने की आशंका पुल पर आग जलाने के बाद उसे नीचे फेंकने से जताई जा रही है। बिजली विभाग के अधिकारियों का अनुमान है कि सर्दी से बचाव के लिए ट्रक या अन्य वाहनों के चालकों ने सुबह पुल पर आग जलाकर तापी होगी और वहां से जाते समय जलती हुई आग या अंगारे पुल से नीचे गिरा दिए होंगे। बताया गया है कि जिस 33 केवी केबल में आग लगी, वह अंडरग्राउंड केबल का ही एक हिस्सा है, जिसे पुल के समीप तकनीकी कारणों से जमीन के ऊपर से आगे ले जाया गया था। इसी खुले हिस्से के संपर्क में आने से आग लगने की संभावना जताई जा रही है। बिजली विभाग की ओर से मामले की जांच की जा रही है और क्षतिग्रस्त केबल की मरम्मत का कार्य जारी है।

विजय शंकर नायक ने थामा कांग्रेस का हाथ

रांची : समाजिक न्याय के प्रखर योद्धा विजय शंकर नायक ने थामा कांग्रेस का हाथ झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी को आज एक बड़ी मजबूती मिली। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी एवं पुराने समाजवादी, सामाजिक न्याय के प्रति संघर्षरत योद्धा विजय शंकर नायक ने रविवार को कांग्रेस भवन, रांची में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के. राजू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय की गरिमामयी उपस्थिति में श्री के. राजू ने विजय शंकर नायक को माला पहनाकर एवं पार्टी का पटका ओढ़ाकर कांग्रेस परिवार में स्वागत किया तथा प्राथमिक सदस्यता ग्रहण कराई। विजय शंकर नायक लंबे समय से आदिवासी-मूलवासी अधिकारों, सामाजिक न्याय एवं झारखंड की अस्मिता के लिए संघर्ष करते आ रहे हैं। उनका कांग्रेस में शामिल होना पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण घटना है तथा झारखंड में कांग्रेस को और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।इस अवसर पर उपस्थित नेताओं ने नायक का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि उनके आने से पार्टी के आदिवासी-मूलवासी एवं सामाजिक न्याय के एजेंडे को और बल मिलेगा।

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर मांडर, चान्हो, बेड़ो और इटकी में ध्वजारोहण

कांग्रेस देश की आत्मा है : शिल्पी नेहा तिर्की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को रांची जिले के मांडर, चान्हो, बेड़ो और इटकी प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में ध्वजारोहण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में राज्य की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मांडर प्रखंड के सरवा पंचायत, चान्हो के बेयासी पंचायत, बेड़ो के मुरतो पंचायत तथा इटकी के कुल्ली पंचायत में कांग्रेस का झंडा फहराया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के बाद आयोजित सभाओं को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा

कि कांग्रेस देश की आत्मा है और उसकी विचारधारा लोगों की रग-रग में बहती है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में कांग्रेस के संघर्ष, त्याग और बलिदान को याद करना तथा उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना आज की आवश्यकता है। मंत्री ने कहा कि आजादी के समय देश में बुनियादी ढांचे का अभाव था, लेकिन कांग्रेस की नीतियों और दूरदर्शी सोच के कारण आज देश में हवाई सेवाएं, स्कूल, आंगनबाड़ी, आईआईटी, आईआईएम और इसरो जैसी संस्थाएं स्थापित हो सकीं, जो आज भारत की पहचान बन चुकी हैं।

उन्होंने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस द्वारा शुरू की गई योजनाओं के नाम बदलने की राजनीति की जा रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंच रहा है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि झारखंड में गठबंधन सरकार ने पेसा नियमावली लागू कर ग्रामीण स्वशासन को सशक्त किया है, जिससे गांवों को उनके अधिकार मिले हैं। कार्यक्रमों के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने संगठन को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी लिया।

झारखंड में शीतलहर का असर, कांके सबसे ठंडा, न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में जारी शीतलहर के बीच रविवार को राजधानी रांची से सटे कांके को राज्य का सबसे ठंडा क्षेत्र रिकॉर्ड किया गया। कांके में न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम का अब तक का सबसे कम तापमान है। इसकी जानकारी मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने दी। मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि राज्यभर में शीतलहर के प्रभाव के कारण कड़ाके की ठंड पड़ रही है और सुबह व रात के समय ठंड का असर अधिक महसूस किया जा रहा है। हालांकि, राहत की संभावना जताते हुए उन्होंने कहा कि मंगलवार से राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है, जिससे ठंड की तीव्रता में कुछ कमी आ सकती है। पिछले 24 घंटे के दौरान झारखंड में सबसे अधिक अधिकतम तापमान चाईबासा में 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान कांके में 2.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 22.2 डिग्री और न्यूनतम 6.2 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 24.3 डिग्री और न्यूनतम 10.5 डिग्री, डालटेनगंज में 24.8 और 6.1 डिग्री, बोकारो में 20.5 और 6.6 डिग्री, जबकि चाईबासा में अधिकतम 27 डिग्री और न्यूनतम 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने लोगों से ठंड को देखते हुए सतर्क रहने, गर्म कपड़ों का उपयोग करने और विशेष रूप से बुजुर्गों व बच्चों का ध्यान रखने की अपील की है।

नियम उल्लंघन पर सख्ती: अनाधिकृत निर्माण व अवैध व्यवसाय पर रांची नगर निगम की कार्रवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची नगर निगम क्षेत्रांतर्गत बिना नक्शा पारित कराए किसी भी प्रकार का भवन अथवा अन्य निर्माण कार्य किया जाना प्रतिबंधित है। साथ ही रेजिडेंशियल होल्डिंग में कमर्शियल गतिविधियों का संचालन नियमों के विरुद्ध है। प्रशासक महोदय के निदेर्शानुसार रांची नगर निगम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सतत निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत नियमों का उल्लंघन करने वालों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में रांची नगर निगम क्षेत्रांतर्गत वार्ड संख्या-01, कांके रोड, जवाहर नगर, मिशन गली क्षेत्र में अनाधिकृत निर्माण, अतिक्रमण एवं बिना वैधानिक दस्तावेजों के संचालित व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर तीन भवनों का भौतिक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान प्रथम दृष्टया निम्न तथ्य सामने आए– प्रथम भवन में Innovative Retail Concept Pvt. Ltd. द्वारा व्यवसाय का संचालन किया जा रहा था, परंतु स्वीकृत भवन प्लान उपलब्ध नहीं पाया गया। द्वितीय भवन में हीरा मानी देवी द्वारा मार्ग पर अतिक्रमण कर निर्माण किया जाना पाया गया। साथ ही वैध नक्शा एवं अन्य आवश्यक वैधानिक दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किए गए। तृतीय भवन, लेक कैसल बिल्डिंग में होटल का संचालन बिना किसी वैधानिक दस्तावेज के किया जा रहा था तथा स्वीकृत भवन प्लान की उपलब्धता नहीं पाई गई। जांच के दौरान यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि संबंधित भवनों में संचालित व्यावसायिक गतिविधियाँ कमर्शियल होल्डिंग, स्वीकृत भवन प्लान एवं वैध ट्रेड लाइसेंस के आधार पर संचालित हैं अथवा नहीं। इस संबंध में नगर निगम की टीम द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों/संस्थानों को नोटिस निर्गत करते हुए 24 घंटे के भीतर अपने-अपने सभी वैधानिक दस्तावेजों के साथ रांची नगर निगम कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। दस्तावेजों की विस्तृत जांच के उपरांत यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है अथवा आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जाते हैं, तो झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम-2011 एवं झारखण्ड भवन उपविधि-2016 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत संबंधित भवनों के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई करते हुए सील की कार्रवाई की जाएगी। रांची नगर निगम अवैध निर्माण, अतिक्रमण एवं अवैध व्यावसायिक गतिविधियों के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की नीति के तहत निरंतर कठोर कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

आरावली बचाओ-जंगल बचाओ अभियान के तहत पिठोरिया में जोरदार प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आरावली बचाओ-जंगल बचाओ अभियान के तहत दिनांक 28 दिसंबर को दोपहर तीन बजे अंबेडकर चौक, पिठोरिया (कांके) में भाकपा-माले कांके प्रखण्ड कमेटी के आह्वान पर एक जोरदार प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन के माध्यम से आरावली पर्वत श्रृंखला और जंगलों के लगातार हो रहे विनाश के खिलाफ आवाज बुलंद की गई। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए भाकपा-माले कांके प्रखण्ड कमेटी के संयोजक कॉमरेड रेहान अंसारी ने कहा कि आरावली पर्वत श्रृंखला देश के पर्यावरण संतुलन, भूजल संरक्षण और जलवायु सुरक्षा की रीढ़ है, लेकिन कॉरपोरेट हितों के लिए इसका योजनाबद्ध तरीके से विनाश किया जा रहा है। यह आम

जनता और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर सीधा हमला है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस प्रदर्शन में एक्टिविस्ट सरफराज अंसारी, आकाश रंजन, जफर अंसारी, सुरेश उरांव, दीपक खलखो, तुलसी साहु, दिनेश साहु, बिनोद साहु, नसीम खान, राजकुमार महली और रशीद अंसारी अंजर अंसारी सहित बड़ी संख्या में क्रांतिकारी साथी मौजूद थे। प्रदर्शनकारियों ने आरावली बचाओ-जीवन बचाओ, जंगल बचाओ-देश बचाओ और कॉरपोरेट लूट बंद करो जैसे नारे लगाते हुए सरकार से आरावली क्षेत्र में खनन, पहाड़ों की कटाई और जंगलों के विनाश पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। भाकपा-माले कांके प्रखण्ड कमेटी ने चेतावनी दी कि यदि पर्यावरण विरोधी नीतियों को वापस नहीं लिया गया, तो इस जनआंदोलन को और अधिक व्यापक व तेज किया जाएगा।

श्री मंगल राधा-कृष्ण मंदिर में 245वां अन्नपूर्णा सेवा भंडारा आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रणामी ट्रस्ट की ओर से संचालित पुंदाग स्थित श्री मंगल राधा-कृष्ण मंदिर में रविवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ 245वां अन्नपूर्णा सेवा भंडारा आयोजित किया गया। यह महाप्रसाद

एक श्रीकृष्ण प्रेमी दानदाता के सौजन्य से संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री राधा-कृष्ण जी का भव्य एवं दिव्य श्रृंगार किया गया। दोपहर में मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडेय ने विधिवत रूप से भगवान को भोग अर्पित किया। महाप्रसाद में मसालेदार पुलाव, पूड़ी, आलू-चना की सब्जी, केसरयुक्त खीर एवं आलू चिप्स शामिल थे, जिसे मंदिर परिसर में उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच श्रद्धापूर्वक वितरित किया गया। भंडारे के उपरांत आयोजित भजन संध्या में ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी ने श्री राधा-कृष्ण एवं श्री श्याम प्रभु पर आधारित सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों से श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे और पूरा वातावरण जयकारों से कृष्णमय हो गया। इसके पश्चात सामूहिक महाआरती का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि भंडारे में भारी भीड़ उमड़ी और हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन कर महाप्रसाद ग्रहण किया। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लगा रहा। कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष उपस्थित थे।

कांग्रेस स्थापना दिवस पर पेसा उत्सव, नियमावली लागू होने पर आदिवासी स्वशासन का जश्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड में पेसा नियमावली लागू होने के बाद पेसा उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव एवं डॉ. राजेश गुप्ता के सौजन्य से गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ। रांची विश्वविद्यालय परिसर से कांग्रेस कार्यकताओं ने पारंपरिक छऊ नृत्य, मांदर की थाप और जनजातीय गीत-संगीत के साथ झूमते-गाते जुलूस निकाला, जो कांग्रेस कार्यालय तक पहुंचा। जुलूस के दौरान कार्यकताओं ने

पेसा कानून की नियमावली लागू होने पर खुशी जताई और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, प्रभारी के.राजू एवं ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह के प्रति आभार प्रकट किया। कांग्रेस भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मांदर की थाप पर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह भी उत्सव में झूमते नजर आए। इस अवसर पर कांग्रेस नेता आलोक कुमार दूबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव एवं डॉ. राजेश गुप्ता ने के. राजू, दीपिका पाण्डेय सिंह एवं केशव महतो कमलेश को 51 किलो की माला पहनाकर कांग्रेस पार्टी की ओर से धन्यवाद एवं सम्मान व्यक्त किया। मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने कहा कि पेसा कानून की नियमावली लागू होना आदिवासी एवं ग्रामसभा आधारित लोकतंत्र की बड़ी जीत है। इससे ग्रामसभाओं को वास्तविक अधिकार मिलेगा और जल, जंगल, जमीन की रक्षा मजबूत होगी। यह निर्णय कांग्रेस पार्टी की वर्षों पुरानी प्रतिबद्धता का परिणाम है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि झारखंड की जनता, विशेषकर आदिवासी समाज, लंबे समय से पेसा नियमावली की प्रतीक्षा कर रहा था। गठबंधन सरकार ने इसे लागू कर यह साबित कर दिया है कि कांग्रेस गरीब, आदिवासी और वंचित समाज के अधिकारों के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करती है और उसे जमीन पर उतारती भी है। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह ने कहा कि पेसा नियमावली लागू होने से ग्रामसभाओं को निर्णय लेने की ताकत मिलेगी और विकास अब गांव की सहमति से होगा। यह कानून केवल अधिसूचना नहीं, बल्कि आदिवासी स्वशासन और सामाजिक न्याय की मजबूत नींव है।

संक्षिप्त खबरें

लापुंग प्रखंड में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन, 150 ग्रामीणों ने करवाई जांच

रांची : झारखंड स्वास्थ्य मिशन, रांची के तत्वावधान में रविवार को लापुंग प्रखंड अंतर्गत सिरडी साईं ग्राम विकास केंद्र, सिरसा में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में कुल 150 ग्रामीणों की रक्तचाप, मधुमेह एवं नेत्र रोग की निःशुल्क जांच की गई और उन्हें प्राथमिक स्तर पर स्वास्थ्य परीक्षण और आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराया गया। शिविर के दौरान स्वास्थ्य सेवा के साथ सामाजिक सहयोग का भी सराहनीय उदाहरण देखने को मिला। कान्हा टेंट एंड कैटरर्स के सौजन्य से जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल, टोपी, मोजा, कॉपी, पेंसिल सहित अन्य उपयोगी सामग्री का वितरण किया गया। इसके अलावा शिविर स्थल पर भंडारे की भी व्यवस्था की गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविरों के नियमित आयोजन की मांग की, ताकि दूर-दराज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में झारखंड स्वास्थ्य मिशन, रांची के अध्यक्ष संतोष सोनी का विशेष योगदान रहा। शिविर में बरियातू रिम्स रोड स्थित अंकित आई केयर के निदेशक ऑप्टोम अंकित कुमार, अनुपम कुमारी, मोइन अंसारी, ऑल इन वन डायग्नोस्टिक सेंटर के निदेशक अमजद सहित कई गणमान्य व्यक्ति और स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

सरला बिरला विवि के छात्र आयुष सिन्हा ने 'नो योर लीडर' कार्यक्रम में झारखंड का किया प्रतिनिधित्व

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय के बी.टेक के छात्र श्री आयुष सिन्हा का चयन झारखंड का प्रतिनिधित्व करने हेतु ह्नो योर लीडर कार्यक्रम में किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें 28 राज्यों एवं 8 केंद्र शासित प्रदेशों से चयनित कुल 36 युवा प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन युवाओं का चयन मायभारत यूथ पार्लियामेंट पहल के माध्यम से किया गया था। संसद के केंद्रीय कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर तथा केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने युवाओं से संवाद करते हुए नेतृत्व, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं राष्ट्र निर्माण पर अपने विचार साझा किए। नो योर लीडर कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्रीय नेतृत्व से प्रत्यक्ष संवाद का अवसर प्रदान करना तथा उनके भीतर लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता एवं शासन व्यवस्था की समझ को सुदृढ़ करना है।

एचईसी सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसाइटी की हुई बैठक

रांची : एचईसी सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसाइटी की कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक रविवार को सोसाइटी कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंगल शर्मा ने की। बैठक में एचईसी क्षेत्र से जुड़े कर्मचारियों और पेंशनधारियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। सोसाइटी के संस्थापक सदस्य लालदेव सिंह ने कहा कि एचईसी के स्थायी कर्मचारियों और ठेका मजदूरों को पिछले 29 माह से वेतन नहीं मिला है। नए साल के आगमन में कुछ ही दिन शेष हैं, फिर भी वेतन भुगतान को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है, जिससे हजारों परिवार मानसिक और आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। इसी पीड़ा को देखते हुए सोसाइटी ने इस वर्ष नववर्ष का उत्सव नहीं मनाने का निर्णय लिया है। बैठक में सरकार से यह मांग की गई कि एचईसी क्षेत्र की विशाल आबादी को ध्यान में रखते हुए यहां एक सरकारी अस्पताल खोला जाए। इसके साथ ही ईपीएफ-95 के तहत पेंशन बढ़ोतरी के लिए चल रहे देशव्यापी आंदोलन का समर्थन करते हुए पेंशन में वृद्धि की मांग की गई। इसके अलावा एचईसी क्वार्टरों की सीवरेज लाइन की नियमित सफाई की जिम्मेदारी प्रबंधन की ओर से निभाने की भी मांग उठाई गई। बैठक में पारसनाथ प्रसाद, अशोक सिंह, चंद्रशेखर कुमार, नागेंद्र कुमार, रमेश्वर सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मारवाड़ी मंच ने 260 जरूरतमंदों के बीच बांटे कंबल, स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन

रांची : कड़ाके की ठंड और शीतलहरी को देखते हुए मारवाड़ी युवा मंच की रांची शाखा ने रविवार को सामाजिक सरोकार की सराहनीय पहल की। मंच की ओर से अंगरा अंचल के चमघट्टी एवं शाशनबेडा गांवों में 260 जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच कंबलों का वितरण किया गया। इसके साथ ही ग्रामीणों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। मारवाड़ी युवा मंच, रांची शाखा के प्रवक्ता राघव जालान ने बताया कि ठंड के मौसम में जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन स्कोडा-सिंघानिया मोटर्स के सहयोग से किया गया, जो द्वारिका हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, महिलोंग के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर के दौरान ग्रामीणों की सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। कार्यक्रम के संयोजक के रूप में रांची शाखा के युवा सदस्य अनीश सरावगी, श्रेय जालान, विशाल महलका एवं सौरभ राइका की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मारवाड़ी युवा मंच की इस पहल को ग्रामीणों ने सराहा और इसे ठंड के मौसम में राहत पहुंचाने वाली महत्वपूर्ण सामाजिक सेवा बताया। कार्यक्रम में मंच के अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, सचिव निकुंज पोद्दार, कोषाध्यक्ष गौरव काबरा, निवर्तमान अध्यक्ष आशीष अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष मनीष लोधा, अमित चौधरी सहित शाखा के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

केवल जागरूक और सतर्क उपभोक्ता ही सुरक्षित

आज के डिजिटल युग में आर्थिक व्यवहार या खरीदारी तो आसान हो गयी, लेकिन उसी मात्रा में धोखाधड़ी, बनावट उत्पाद, मिलावटखोरी और साइबर अपराध भी हद से ज्यादा बढ़ गए। दूसरों पर अंधा भरोसा, दिखावा, भ्रामक विज्ञापन, झूठे वादे पर विश्वास न करके अपने विवेकबुद्धि का इस्तेमाल करें, निति-नियम, कानून का पालन करें, तभी हम जागरूक उपभोक्ता बन पायेंगे। उपभोक्ता पैसे के बदले में किसी वस्तु या सेवा का लाभ प्राप्त करता है, तो उसे कीमत तुल्य सही उत्पाद मिलना चाहिए। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के अंतर्गत उत्पाद के बारे में महत्वपूर्ण अधिकार मुख्य रूप से सुरक्षा का अधिकार, सूचना का अधिकार, चयन का अधिकार, सुनवाई का अधिकार, शिकायतों के निपटारे का अधिकार और ग्राहक जागरूकता का अधिकार यह छह हैं। इसको विस्तार से जानते है, इसमें जान और संपत्ति के लिए खतरनाक उत्पाद और सेवाओं की मार्केटिंग से सुरक्षा। गलत व्यापार के तरीकों से बचाने के लिए सामान, उत्पाद या सेवाओं की गुणवत्ता, मात्रा, क्षमता, शुद्धता, मानक, कीमत के बारे में सूचना पाने का अधिकार। प्रतियोगितात्मक कीमतों पर अलग-अलग तरह के सामान, उत्पाद और सेवाओं तक पहुंच का अधिकार। सही फोरम में उपभोक्ता के हितों पर योग्यतानुसार विचार किए जाने का अधिकार। गलत व्यापार के तरीकों या ग्राहकों के शोषण के खिलाफ शिकायत करने का अधिकार। एक जानकार उपभोक्ता बनने के लिए जरूरी ज्ञान और कौशल हासिल करने का अधिकार। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 इसके साथ कई खास नियम और कानून भी हैं, जैसे उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 और केंद्रीय व राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोगों को नियंत्रित करने वाले अधिनियम। ये अलग-अलग अधिनियम मिलकर उपभोक्ता को गलत तरीकों, उत्पाद और सेवा में खराबी से सुरक्षा का काम करती हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण एक कानूनी संस्था है, जिसे एक्ट के तहत उपभोक्ता अधिकारों को एक क्लास के तौर पर बढ़ावा देने, उनकी सुरक्षा करने और उन्हें लागू करने के लिए बनाया गया हैं। उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग विवाद सुलझाने के लिए तीन स्तरीय संरचना प्रदान करता है, जिला स्तरीय - 50 लाख रुपये तक, राज्य - 50 लाख से 2 करोड़ रुपये तक और राष्ट्रीय आयोग - 2 करोड़ रुपये से अधिक का विवाद। उत्पाद दायित्व अधिनियम यह उत्पाद की अवधारणा लाता है, जो निमार्ता, सेवा प्रदाता और विक्रेता को उनके खराब उत्पाद या खराब सेवा से होने वाले नुकसान के लिए जिम्मेदार बनाता हैं। उपभोक्ता संरक्षण (प्रत्यक्ष विक्रय) अधिनियम, 2021 ये अधिनियम धोखाधड़ी योजनाओं को रोकने के लिए प्रत्यक्ष विक्रय उद्योग को नियंत्रित करते हैं। उपभोक्ता संरक्षण (मध्यस्थता) विनियम, 2020 उपभोक्ता मध्यस्थता सेल बनाता है और मध्यस्थता के लिए प्रक्रिया बताता हैं। उपभोक्ता संरक्षण (उपभोक्ता आयोग प्रक्रिया) विनियम, 2020 उपभोक्ता आयोग के लिए प्रक्रिया का विवरण देता हैं। उपभोक्ता संरक्षण (सामान्य) अधिनियम, 2020 उपभोक्ता संरक्षण के लिए सामान्य प्रावधान देता हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (विशेषज्ञों और पेशेवरों की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2021 केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण के लिए विशेषज्ञों को शामिल करने के लिए प्रक्रिया बताता हैं। खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 खाद्य गुणवत्ता और सुरक्षा को नियंत्रित करता हैं। कृषि उपज (ग्रेडिंग और अंकन) अधिनियम, 1937 खेती के उत्पाद की श्रेणी को मानकीकृत करता हैं। भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 सर्टिफिकेशन गुणों के जरिए उत्पाद की गुणवत्ता को पक्का करता हैं। भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 अनुबंध को नियंत्रित करता है, जो एग्रीमेंट में उपभोक्ता के अधिकारों पर असर डाल सकते हैं।

सूडोकु नवताल- 7658

★★★★★ कठिनतम

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7657 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

यही हैं विद्वेष व हिंसा से भारत को बदनाम करने वाली शक्तियां?

तनवीर जाफ़री

क्रिसमस प्रत्येक वर्ष की भांति गत 25 दिसंबर को भी पूरे विश्व में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दुबई की मशहूर एयरलाइन एमिरेट्स ने एक अनोखा वीडियो जारी किया, जिसमें दिखाया गया कि उनके बड़े विमान एयरबस ए 380 को सांता क्लॉज की जादुई स्लेज में बदल दिया गया है। इस विमान को ₹स्लेज 380 का नाम दिया गया है। इस वीडियो में ए380 को रुडॉल्फ रेनडियर की तरह लाल नाक और बड़े सींग लगाए गए हैं, और उपहारों से भरी एक विशाल स्लेज विमान से जुड़ी दिखती है। विमान रनवे पर दौड़ता है और आसमान में उड़ान भरता है, जैसे सांता दुनिया भर में गिफ़्ट बांटने जा रहा हो। एमिरेट्स ने इस सीजन में यात्रियों को खास तोहफे भी दिए, जिसमें फेस्टिव ड्रिंक्स, थीम्ड मिठाइयां, विंटर-स्टाइल लाउंज और लिमिटेड एडिशन क्रिसमस गिफ़्ट शामिल हैं। वैसे भी चूँकि क्रिसमस मनाने के साथ ही नये वर्ष के स्वागत की तैयारियां भी शुरू हो जाती हैं इसलिये भी दुनिया के सभी देश व सभी धर्मों व वर्गों के लोग भी क्रिसमस मनाने में अपनी दिलचस्पी दिखाते हैं। भारत में भी लगभग 2.8 करोड़ ईसाई रहते हैं जो देश की कुल जनसंख्या का लगभग 2.3% है। ईसाई समुदाय भारत में तीसरा सबसे बड़ा धार्मिक समूह है। लिहाजा यहाँ भी ईसाई समुदाय क्रिसमस, गुड फ़्राइडे व नव वर्ष जैसे अपने सभी त्यौहार सदियों से मनाते आ रहे हैं। वैसे भी ब्रिटिशकाल में भारत में अंग्रेजों ने जहां विकास सम्बन्धी तमाम

इबारतें लिखीं वहीं उनके शासन में देश भर में अनेक बड़े व ऐतिहासिक चर्च ,स्कूल व अस्पताल भी निर्मित किये गये। आज भी क्रिश्चियन मिशनरी देश की शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान अदा कर रही है। इन सब वास्तविकताओं को दरकिनार कर देश का एक दक्षिणपंथी वर्ग ऐसा है जिसके संस्कारों में ही धर्म विशेष के लोगों से नफरत करना व उनके धार्मिक रीति रिवाजों व परंपराओं का विरोध करना शामिल है। नकारात्मकता की सोच से भरे इसी विचारधारा के लोग विगत कई वर्षों से क्रिसमस त्यौहार मनाये जाने का विरोध करते आ रहे हैं। जबकि 'सर्व धर्म समभाव ' जैसे गांधीवादी विचारों का अनुसरण करने वाला देश का आम नागरिक सभी धर्मों के त्योहारों व परंपराओं व रीति रिवाजों में खुशी से शरीक होकर प्रत्येक उत्सव का आनंद लेना चाहता है साथ ही एक दूसरे धर्म के लोगों के प्रति अपनी एकजुटता दिखाना चाहता है।

नफरत, नकारात्मकता, संकीर्णता व साम्प्रदायिक वैमनस्य की सोच से भरे इन्हीं तत्वों ने गत क्रिसमस के अवसर पर पूरे देश में विभिन्न चर्चों व सार्वजनिक स्थलों पर ऐसा तांडव किया जिसकी चर्चा देश के मीडिया में कम परन्तु विदेशी मीडिया में ज्यादा हुई। इस दौरान भारत के विभिन्न राज्यों में ईसाई समुदाय के विरुद्ध हुई घटनाओं में तोड़फोड़, हमले और उत्पात की कई रिपोर्ट्स सामने आईं। उदाहरण स्वरूप छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मैग्नेटो मॉल में भीड़ ने क्रिसमस डेकोरेशंस में तोड़फोड़ की, जिसमें लाखों का नुक़्सान हुआ। जबकि कांकेर जिले में दो चर्च जला दिये गए और कई ईसाई घरों को निशाना बनाया गया। इसी तरह असम के नालबाड़ी में सेंट मैरी स्कूल में वी एच पी कार्यकताओं ने क्रिसमस बैनर्स और डेकोरेशंस को जलाया व स्कूल के पास की दुकानों पर भी हमले किये । इसी तरह केरल के पलक्कड़,चारूमूडू व पुडुसेरी में बच्चों के कैरोल ग्रुप पर हथियारों से हमला किया गया जिसमें महिलाएं और बच्चे शामिल थे। इसी तरह मध्य प्रदेश के जबलपुर में भी कुछ इलाकों में ईसाई धर्मावलंबियों की प्रार्थना सभाओं और धार्मिक आयोजनों के दौरान मारपीट और हंगामा किए जाने की खबर है जबकि झाबुआ में प्रेयर मीटिंग में व्यवधान डाला गया जिसमें एक नेत्रहीन महिला पर हमला किया गया । उत्तर प्रदेश में सेंट अल्फोंसस कैथेड्रल के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ लाउडस्पीकर पर बजाया गया,लखनऊ में कैथेड्रल सर्विस में तेज आवाज से धार्मिक भजन बजाए गये । इसी प्रकार राजस्थान के जोधपुर और नागौर में एक स्कूल में क्रिसमस बैनर्स तोड़े गए,नागौर में युवाओं ने स्कूल के सामने मंदिर का होने का बहाना बनाकर तोड़फोड़ की। दिल्ली के लाजपत नगर व पूर्वी दिल्ली में सेंटा कैप पहनी महिलाओं और बच्चों को बाजार से भगाया गया एक बाजार में जबरदस्त उत्पात मचाया गया। उत्तराखंड के हरिद्वार में एक होटल में क्रिसमस संबंधी एक आयोजन को रद्द करना पड़ा। जबकि ऋषिकेश में एक प्रार्थना सभा में व्यवधान डाला गया और जीसस और मैरी का अपमान करते हुये उन्हें अपशब्द कहे गए। ओडिशा के पुरी में सेंटा कैप बेचने वाले गरीब परिवार को धमकाया और भगाया गया जबकि महाराष्ट्र में मुंबई के काशीमीरा में क्रिसमस प्रोग्राम रोका गया तथा वहां मौजूद बच्चों से हिन्दू धर्म से जुड़े नारे लगवाए गये। देश भर में इस तरह कि 60 से भी अधिक घटनाओं के समाचार हैं और इन प्रत्येक घटनाओं का विरोध करने वालों में लगभग हर जगह संघ,बजरंग दल, वी एच पी,भाजपा व इनके सहयोगी अन्य हिंदुत्ववादी संगठनों के लोगों के शामिल होने की खबरें हैं।

ब्रिटेन से लेकर टर्की तक और कई अरब देशों का मीडिया भारत में क्रिसमस के अवसर पर मचाये गये तांडव को लेकर भारत को किस नजर से देख रहा है ? बड़ा आश्चर्य है कि इस अवसर पर स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के कैथेड्रल चर्च पहुँचते हैं और इससे जुड़ी कई तस्वीरें अपने सोशल मीडिया पोस्ट में साझा करते हुये लिखते हैं कि ₹दिल्ली में द कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन में क्रिसमस की सुबह की सर्विस में शामिल हुआ। सर्विस में प्यार, शांति और करुणा का शाश्वत संदेश झलका। क्रिसमस की भावना हमारे समाज में सद्भाव और भाईचारा लाए। सवाल यह है कि नरेंद्र मोदी भी संघ की उसी पाठशाला के 'विद्यार्थी' रहे हैं जिसमें संघ संस्थापक व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक गोलवलकर कम्युनिस्ट विचारधारा,ईसाई और मुसलमान जैसे समुदाय को भारत की राष्ट्रीय पहचान और हिंदू संस्कृति के लिए खतरा समझते थे। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिल्ली के कैथेड्रल चर्च पहुंचकर शांति व प्रेम का सन्देश देना कितना वास्तविक है और कितना औपचारिक या दिखावा ? और यदि वास्तव में मोदी को क्रिसमस के अवसर पर करुणा का शाश्वत संदेश झलकते दिखाई दिया तो उसी विचारधारा के लोगों द्वारा हिंसा और उद्दंडता का ऐसा साम्प्रदायिक प्रदर्शन क्यों जिससे दुनिया में देश की बदनामी हो ? दरअसल यही हैं विद्वेष व हिंसा से भारत को बदनाम करने वाली शक्तियां?

उत्सव आमार जाति, आनंद आमार गोत्र

हृदयनारायण दीक्षित

सीमा लघुता है और असीम विराट। हमारा होना एक सीमा में है लेकिन विराट हो जाने की संभावनाएं खुली हुई हैं। शरीर हमारी पहली सीमा है, इसके बाद परिवार दूसरी सीमा। इसका आनंद निजी सीमा के अतिक्रमण में है। इसके बाद समाज है। समाज की सीमा के अतिक्रमण के बाद राष्ट्र की सीमा है। इनके पार ब्रह्माण्ड। तब संकीर्णता विस्तीर्ण होकर अनन्त हो जाती है। जाति वर्ण संकीर्णताएं हैं। मैं अपना संकीर्ण परिचय देता हूँ-मैं जाति वर्ण से ब्राह्मण हूं। संकीर्णता तोड़ें तो मैं मनुष्य जाति का हूं। अब मैं विश्व मानवता का हिस्सा हो गया। इसे और बढ़ाएं तो मैं प्रकृति का हिस्सा हूं। अन्ततः मैं ब्रह्म या सम्पूर्णता का विनम्र हिस्सा हूं।

संप्रति ब्राह्मण जाति हैं। पहले वे समूहवाची वर्ण-वर्ग थे। वे जन्मना नहीं थे। ब्राह्मण पिता के पुत्र भी ब्राह्मण नहीं थे फिर ब्राह्मण होने लगे। ब्राह्मण शब्द पीछे सौ वर्ष से विवाद का विषय है। वेदों के बाद लिखे गए उपासना और विनियोग सम्बंधी साहित्य को ही सबसे पहले ब्राह्मण कहा गया। यह उत्तर वैदिक काल की बात है। इसी समय ब्रह्म शब्द सृष्टि सम्पूर्णता का पर्यायवाची बना। ऋग्वैदिक काल में ब्रह्म या ब्रह्मन का अर्थ स्तोत्र का जानकार द्रष्टा था। अथर्ववेद में आत्मदर्शन के साधक को ब्रह्मचारी बताया गया है। अथर्वेद के समय तक ब्राह्मण होना एक श्रमसाध्य उपलब्धि था। छान्दोग्य उपनिषद् की कथा के अनुसार ब्राहमण उद्दालक ने अपने विद्वान पुत्र श्वेतकेतु को भी पहले ब्राह्मण नहीं माना, कठोर तप साधना के बाद ही वह ब्राह्मण हो पाया।

ब्राह्मण होने के लिए प्रकृति के रस छन्द ऋत में ढलना होता था। अथर्ववेद के (11वें अध्याय सूक्त 7) में ब्राह्मण होने की रोचक विधि है-ब्रह्मचारी अर्थात ब्रह्म के अनुसार चलने वाला व्यक्ति द्युलोक और भूलोक को अनुकूल बनाता है। प्रकृति की दिव्य शक्तियाँ-देवगण अंतःकरण में स्थित हो जाती हैं। (मन्त्र 1) प्रबोधन आचार्य के मार्गदर्शन में सम्पन्न होता है। बताते हैं, आचार्य उसे तीन रात तक अपने ज्ञानगर्भ में धारण करते हैं। जब वह बाहर आता है, तो दिव्यशक्तियाँ-(देवगण) उसका अभिनन्दन करती हैं। (मन्त्र 2) यहां तीन रात्रि का उल्लेख ध्यान देने योग्य है। आखिरकार तीन दिन क्यों नहीं कहा गया?

रात्रि अंधकार है, अंधकार अज्ञान है, दिवस प्रकाश हैं, प्रकाश ज्ञान है। साधक ब्रह्मचारी के लिए ज्ञान गर्भ का प्रतीक रात्रि है। दिव्यता की प्राप्ति के बाद देव शक्तियां स्वाभाविक ही अभिनंदन करती हैं। फिर कहते हैं, ब्राह्मण होने से पूर्व साधक-विद्यार्थी ब्राह्मी-अनुशासन का अभ्यास करता है। वह ऊर्जा प्राप्त करता है, ऊर्ध्वमुखी होता है फिर ब्राह्मण बनता है। ज्येष्ठ ब्रह्म के निकट हो जाता है। (वही मन्त्र 5) ऊर्जा प्राप्त करना और ऊर्ध्वमुखी होना आसान नहीं है। ब्राह्मण होने के लिए आंतरिक ऊर्जा को ऊर्ध्वगामी बनाना होता है।

ऋषि बताते हैं आचार्य ज्ञानगर्भ में ब्रह्मचारी के लिए पृथ्वी और द्युलोक का सृजन करते हैं। (वही मंत्र 8) पृथ्वी और द्युलोक पहले से ही है। तब ज्ञान गर्भ में क्या नये पृथ्वी और द्युलोक की बात कही गयी है? ज्ञान गर्भ में ब्रह्मचारी का पृथ्वी अंश सामान्य पृथ्वी अंश से परिष्कृत होता है। चेतन अंश निर्मल होता है। अथर्व0 का ऋषि इसे ज्ञानगर्भ की घटना बता रहा है। आगे कहते हैं ब्रह्मचारी अपनी तपसाधना से उनकी (नये पृथ्वी व द्युलोक) रक्षा करता है। (वही) ब्रह्मचारी अपनी काया और चेतना का नया रूप विकसित करता है और इसी नये रूप की रक्षा करता है। फिर ब्राह्मण की सम्पत्ति बताते हैं, ब्राह्मण की सम्पदा निकटवत्त गुफा (गुहा-अनुभूति) में रहती है और द्यु लोक के आधार से परे होती है। (वही मन्त्र 10) ब्राह्मण हो गया व्यक्ति आंतरिक रूप में समृद्ध हो जाता है। भौतिक सम्पदा का आधार पृथ्वी है। इससे भी परे द्युलोक आधार है लेकिन इस मन्त्र में ब्राह्मण की सम्पदा द्युलोक से भी परे है। ब्रह्मचर्या में बड़ी शक्ति है। कहते हैं ब्रह्मचारी ही आचार्य बनता है। शासक भी इसी तप से राष्ट्र की रक्षा करते है- ब्रह्मचर्येण तपसा राजा राष्ट्रं वि रक्षति। (वही मन्त्र 16-17) आंतरिक अनुभूति से मनुष्य ब्रह्मविद् हो जाता। ब्रह्मविद् ब्रह्म हो जाते हैं। उत्तरवैदिक काल के बाद धारणा बनी कि जन्म से सब सामान्य होते हैं। संस्कार से ब्राह्मण बनते हैं लेकिन अथर्ववेद के अनुसार जन्म से कोई भी प्राणी गैर ब्राह्मण नहीं होता। जन्म से सम्पूर्ण प्राणिजगत ब्रह्मचारी ही होता है। कहते हैं वनस्पतियां भूत भविष्य, संतव्सर सभी प्राणी, वन्य जीव, पशु, पक्षी जन्मजात ब्रह्मचारी होते हैं। (वही मन्त्र 20, 21) ब्राह्मण होते हैं।

अथर्ववेद की दृष्टि में कीट पतिंग, पशु पक्षी और सभी मनुष्य ब्रह्मचारी हैं। ब्राह्मण होने की संभावना सबमें है। यह बात स्मृतिकाल से बिल्कुल अलग है। स्मृतियों के अनुसार जन्म से सभी शूद्र है, ज्ञानार्जन/संस्कार से ब्राह्मण हो जाते हैं। अथर्ववेद का मत सही है कि जन्म से सभी ब्रह्मचारी हैं, कर्म क्षेत्र में जाकर श्रम विभाजन के फलस्वरूप वर्ण, वर्ग बनते हैं। फिर अपनी प्राण ऊर्जा को ऊर्ध्वमुखी बनाते हैं। आत्मबोध को प्राप्त होते हैं और ब्राह्मण बनते हैं। कुछेक विद्वान विराट पुरूष के मुख से ब्राह्मण की उत्पत्ति बताते हैं। वे ऋग्वेद के पुरूष सूक्त का उल्लेख करते हैं।

ऋग्वेद के पहले भी एक विकासमान संस्कृति थी। पूर्वकालीन संस्कृति में वर्ण विभाजन होते, तो ऋग्वेद में उनका उल्लेख होता। ऋग्वेद में जन्मना जाति या वर्ण नहीं है। ब्राह्मण का अर्थ स्तुति, या स्तोत्र ही आया है। ऋग्वेद का पुरूष सम्पूर्णता का पर्याय है। पुरूष सूक्त (10वाँ मण्डल) में ब्राह्मण राजन्य, वैश्य, शूद्र के उल्लेख हैं लेकिन वर्णो के नहीं। इस सूक्त में भी ब्राह्मण का अर्थ स्तोत्र/स्तोता ही है। ऋग्वेद का पुरूष सूक्त दार्शनिक है। ऋषि कहते हैं पुरूष एवेदं सर्वं यद्भूतं यच्च भत्यं-यह पुरूष ही सब कुछ है, जो हो गया, जो होगा सब पुरूष है। (ऋ0 10.90.2) बात पूरी हो गयी। ऋषि आगे कहते हैं, पुरूष का विभाजन होने लगा। प्राणियों की उत्पत्ति हुई। (वहीः 5) आगे इसी पुरूष को यज्ञ प्रतीक देते हैं। कहते हैं, देवताओं ने उस विराट पुरूष को ह्वि बनाया। वसन्तु ऋतु को घी बनाया, ग्रीष्म ऋतु को ईधन (लकड़ी) और शरद् को ह्विष्य। इससे नभचर, थलचर आदि प्राणी उत्पन्न हुए। ऋक और यजुर्वेद की ऋचाएं आई। आदि। मंत्र 11 ज्यादा ध्यान देने योग्य हैं यत्पुरूषं व्यदधु कतिधा व्यकल्पयन-ज्ञानी जन इस पुरूष की कितने प्रकार से कल्पना करते हैं? कि उसका मुख क्या है? बाहु और पाद क्या है? पुरूष विराट है तो कल्पनाएं भी तमाम होंगी। ब्राह्मण राजन्य वैश्य शूद्र वाला मंत्र (12) इसी कल्पना का विस्तार है। यहां पुरूष का मुख ब्राह्मण है। सबका मुख ब्राह्मण ही होता है। मुख से ही वाणी निकलती है। सभी परवत वर्णो का मुख ब्राह्मण ही है। फिर बताते हैं, बाहू राजन्य हैं। पुरूष, एक विराट पुर (नगर) है। पुर की रक्षा का काम बाहु-हाथ करते हैं। जन्मना ब्राह्मण के हाथ भी राजन्य हैं। पुरूष का पेट वैश्य है। वैश्य संग्रही वृत्ति का प्रतीक है। सभी वर्णो का पेट वैश्य है, संग्रही है। पैर आधार हैं। शूद्र भी आधार हैं।

दिल्ली से लखनऊ लोकसभा हंगामे और विधानसभा शांति का रहस्य

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज समाप्त हो गया। पूरे सत्र में शांति और संयम का परिचय देखने को मिला। हल्की-फुल्की नोकझोंक जरूर हुई, लेकिन ऐसा कोई हंगामा नहीं हुआ कि सदन की कार्यवाही ठप हो जाए। इसके विपरीत, लोकसभा का शीतकालीन सत्र हंगामों की भेंट चढ़ गया था। विपक्ष के शोरगुल के कारण अधिकांश दिन सदन की कार्यवाही धाराशायी रही। सवाल उठता है कि दिल्ली से लखनऊ तक यह इतना बड़ा अंतर क्यों? क्या उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसी विपक्षी पार्टियां कमजोर होने से शांति बनी रही? उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरूआत 19 नवंबर 2025 को हुई थी और यह 24 दिसंबर तक चला। स्पीकर सतीश महाना के नेतृत्व में सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सत्र में 98 फीसदी कार्यवाही सुचारू रूप से चली। केवल दो-तीन अवसरों पर विपक्ष ने वॉकआउट किया, लेकिन कोई बड़ा हंगामा नहीं हुआ। समाजवादी पार्टी (सपा), जो मुख्य विपक्षी दल है, ने विधानसभा बजट, महंगाई और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर बहस की मांग की, लेकिन शांतिपूर्ण तरीके से हिस्सेदारी निभाई। कांग्रेस, बसपा और अन्य छोटे दल भी संयम बरते। सत्र में 12 विधेयक पारित हुए, जिनमें उत्तर प्रदेश लोक सेवा (संशोधन) विधेयक और बजट संबंधी प्रस्ताव शामिल थे। विधानसभा सचिवालय के अनुसार, सत्र की उत्पादकता 85 फीसदी से अधिक रही, जो पिछले पांच वर्षों के औसत से बेहतर है। इसकी तुलना लोकसभा के शीतकालीन सत्र से करें तो चित्र बिल्कुल उलट है। लोकसभा का सत्र 21 नवंबर से 24 दिसंबर तक निर्धारित था, लेकिन हंगामों ने इसे बर्बाद कर दिया। लोकसभा सचिवालय के आंकड़ों के मुताबिक, 22 बैठकों में से 18 दिन कार्यवाही 5 बजे से पहले स्थगित हो गई। औसत उत्पादकता मात्र 12 फीसदी रही। विपक्ष ने अडानी विवाद, मणिपुर हिंसा और संसदीय समिति रिपोर्टों पर लगातार हंगामा किया। कांग्रेस और सपा ने संयुक्त रूप से स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव तक की धमकी दी। 10 दिसंबर को लोकसभा की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित रही, जब विपक्ष सभापति की कुर्सी के पास धरना दे रहा था। राज्यसभा में भी स्थिति ऐसी ही रही, जहां 15 फीसदी से कम कार्यवाही हो सकी। इस अंतर का प्रमुख कारण राजनीतिक शक्ति संतुलन है। उत्तर प्रदेश विधानसभा में भाजपा के पास 273 सीटें हैं, सहयोगी दलों समेत बहुमत 300 से अधिक का। सपा के पास 111, बसपा के 17 और कांग्रेस के मात्र 2 विधायक हैं। 2022 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 41 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया, जबकि सपा का 32 फीसदी। यह कमजोरी विपक्ष को आक्रामक हंगामा करने से रोकती है। सपा नेता अखिलेश यादव ने सत्र के दौरान कहा, हम मुद्दों पर बहस चाहते हैं, न कि हंगामा। इसके विपरीत, लोकसभा में स्थिति अलग है। यहां भाजपा के 240 सदस्य हैं, एनडीए समेत 293। लेकिन विपक्ष का इंडिया गठबंधन मजबूत है। कांग्रेस 99, सपा 37, तृणमूल 22 और अन्य के साथ कुल 234 सांसद हैं। 2024 लोकसभा चुनावों में एनडीए को 43 फीसदी वोट मिले, लेकिन विपक्ष ने 41 प्रतिशत हासिल कर सरकार को अल्पमत साबित किया। यह संख्या बल विपक्ष को हंगामा करने का हौसला देता है।

दूसरा कारण क्षेत्रीय राजनीति का प्रभाव है। उत्तर प्रदेश में सपा और बसपा जातिगत समीकरणों पर निर्भर हैं। यादव-मुस्लिम गठजोड़ सपा का आधार है, लेकिन 2024 लोकसभा चुनावों में सपा ने 37 सीटें जीतीं, फिर भी विधानसभा में कमजोर बनी। सपा विधायक आनंद भदौरिया ने कहा कि विधानसभा चुनावी माहौल था, विधानसभा में विकास के मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। दिल्ली में सपा के राम गोपाल यादव जैसे नेता राष्ट्रीय मुद्दों पर आक्रामक रहते हैं, लेकिन लखनऊ में स्थानीय दबाव उन्हें संयमित रखता है। कांग्रेस की स्थिति और स्पष्ट है। उत्तर प्रदेश में उसके 2 विधायक हैं, जबकि लोकसभा में 99 सांसद। प्रियंका गांधी की सक्रियता राष्ट्रीय स्तर पर है, लेकिन राज्य स्तर पर कांग्रेस का कोई वजूद नहीं। लोकसभा में राहुल गांधी की संविधान बचाओ रणनीति ने विपक्ष को एकजुट किया, जो विधानसभा में संभव नहीं।

तीसरा पहलू स्पीकर की भूमिका और सदन संस्कृति का है। उत्तर प्रदेश में स्पीकर सतीश महाना ने विपक्ष को पर्याप्त समय दिया। सत्र में विपक्ष को 25 प्रतिशत प्रश्नकाल मिला। इसके उलट, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला पर विपक्ष ने पक्षपात का आरोप लगाया। नियम 184 के तहत बहस रोकने के फैसले विवादास्पद रहे। राजनीतिक विश्लेषक योगेंद्र यादव कहते हैं, लोकसभा में अल्पमत सरकार होने से विपक्ष आक्रामक है, जबकि यूपी में भाजपा का पूर्ण बहुमत शांति सुनिश्चित करता है। ऐतिहासिक आंकड़े भी यही बताते हैं। 2017-2022 में यूपी विधानसभा की औसत उत्पादकता 70 फीसदी रही, जबकि लोकसभा 2024 में 45 फीसदी से नीचे।

चौथा कारण मीडिया और जनता का दबाव है। लखनऊ में स्थानीय मीडिया सदन की कार्यवाही पर फोकस करता है, हंगामा राष्ट्रीय सुर्खियां नहीं बनाता। दिल्ली में टीवी चैनल हंगामे को लाइव दिखाते हैं, जो विपक्ष को प्रोत्साहित करता है। सोशल मीडिया पर ट्रेंड ने लोकसभा हंगामे को ईंधन दिया।

दैनिक पंचांग

29 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

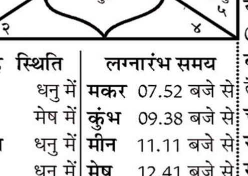

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	धनु में	मकर	07.52 बजे से
चंद्र	मेष में	कुंभ	09.38 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	11.11 बजे से
बुध	धनु में	मेष	12.41 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	14.22 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	16.20 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	18.33 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	20.49 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	23.01 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		तुला	01.12 बजे से
		वृश्चिक	03.27 ब.से
		धनु	05.43 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 363 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास पौष **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 10.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 07.41 बजे तदनन्तर अश्विनी 06.05 बजे को समाप्त।
योग परिघ 07.36 बजे तदनन्तर शिव 04.31 बजे प्रातः को समाप्त।
करण कौलव 10.13 बजे तदनन्तर तैतिल 21.06 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 08.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 14'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872573
जूलियन दिन 2461038.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रज्जब **तारीख** 08

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

रूडसेट संस्थान में आठ दिवसीय बैंक मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : केनरा बैंक द्वारा संचालित रुडसेट संस्थान, सिल्ली में 8 दिवसीय बैंक मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों–चतरा,पलामू, लातेहार, देवघर, बोकारो, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम एवं साहेबगंज से आए कुल 25 प्रशिक्षुओं ने सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया। सभी प्रशिक्षणार्थी ने सफलता पूर्वक बैंक मित्र परीक्षा पास किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बैंक मित्र के कार्य, डिजिटल बैंकिंग, वित्तीय समावेशन, सरकारी योजनाओं तथा ग्राहकों को बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। सभी प्रशिक्षुओं ने प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक संजीत कुमार ने प्रमाण पत्र दिया और सभी प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होगा। इस मौके पर रुडसेट संस्थान के वरिष्ट संकाय अनिल कुमार, डी एस टी अशोक कुमार, जगदीश चंद्र महतो, दशरथ कुमार,महेश रोहिदास, सुनील मुंडा उपस्थित रहे।

एक नजर

विभिन्न ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर झामुमो का एकदिवसीय धरना आज

सरिया : हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन में विभिन्न ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा सोमवार को रेलवे परिसर में एकदिवसीय धरना दिया जाएगा. जिसमें बगोदर बिरनी तथा सरिया प्रखंड के सामाजिक कार्यकर्ता सहित आम लोग शामिल होंगे। उक्त जानकारी पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष त्रिभुवन मंडल ने दी। उन्होंने बताया कि हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन वर्षों से अपेक्षित रहा है .इस रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन हजारों की संख्या में विभिन्न प्रदेशों को रेल यात्रियों का आना–जाना लगा रहता है। परंतु धनबाद गया ग्रैंड कोड रेल मार्ग से गुजरने वाली कई महत्वपूर्ण गाड़ियों का ठहराव यहां नहीं दिया गया है। इस क्षेत्र के लोगों को ट्रेन पकड़ने के लिए कोडरमा,पारसनाथ या धनबाद जाना पड़ता है। उन्होंने बताया कि बीते 24 दिसंबर को हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन प्रबंधक के माध्यम से डीआरएम धनबाद को एक मांग पत्र सौंपा गया था। जिसमें विभिन्न मांगों से संबंधित विषयों पर ध्यान देने का आग्रह किया गया था। अन्यथा 29 दिसंबर को रेलवे परिसर/प्लेटफार्म हजारीबाग रोड में एक दिवसीय धरना दिए जाने की बात कही गई है।

भाजपा सिल्ली विधानसभा स्तरीय अटल स्मृति सम्मलेन आज

सिल्ली : सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में भाजपा सिल्ली विधानसभा स्तरीय अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन किया गया है। सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ शामिल होंगे। इनके अलावे प्रदेश प्रवक्ता सह कार्यक्रम प्रभारी रमाकांत महतो एवं भाजपा रांची ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय कुमार महतो उर्फ.धीरज भी मौजूद रहेंगे।

कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस मनाया गया, घर-घर फहराया गया पार्टी का झंडा

सिल्ली : रविवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष सोमनाथ मुंडा के निर्देश पर सिल्ली प्रखंड के कांग्रेस जनों ने अपने अपने घरों में कांग्रेस पार्टी का झंडा लगा कर कांग्रेस पार्टी के 140 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो ने सिल्ली प्रखंड के समस्त कांग्रेस जनों को कांग्रेस पार्टी के 140 वें स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

ईचाडीह में वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन, झारखंड ने बंगाल को पछाड़ा

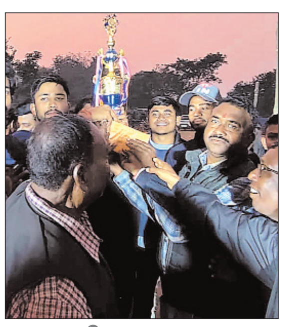

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : रविवार को कुकड़ू प्रखंड के ईचाडीह नवयुवक संघ के तत्वाधान में 5 वां वार्षिक एक दिवसीय आठ दलीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का फाइनल अवियांस क्लब सिल्ली झारखंड एवं इस्माइल क्लब रसुलडीह बंगाल के बीच खेला गया। खेल का शुभारंभ पूर्व जिप उपाध्यक्ष अशोक साव, मुखिया चित्तरंजन सिंह मुण्डा,पंसस मंगल सिंह मुण्डा , वरिष्ठ पत्रकार अरुण माझी, ग्राम प्रधान रघुबर कुमार ने किया। इस दौरान सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। फाइनल मुकाबले में अवियांस क्लब सिल्ली झारखंड ने इस्माइल क्लब रसुलडीह बंगाल को लगातार दो एक से हराकर फाइनल अपने नाम किया। विजेता टीम को नगद पंद्रह हजार रुपए और एक ट्रॉफी एवं उपविजेता टीम को दस हजार और एक ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया। वहीं बेस्ट स्मेसर रसुलडीह के सत्यम और बेस्ट डिफेंडर सिल्ली के बिरू सिंह को ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया। वहीं पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक कुमार साहू ने अपने संबोधन में कहा कि यहां झारखंड और बंगाल के खिलाड़ी भाग लिया और खेल भावना को प्रदर्शित करते हुए बहुत ही रोमांचक प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में वालिबॉल में यहां पुरे प्रदेश में अब्बल दर्जा का खेल प्रदर्शन होगा । मौके पर ग्राम प्रधान रघुवर कुमार, सुमन हालदार सानू गोराई, रवि सिंह मुण्डा,गणेश महतो ,बिजय कुमार समेत हजारों दर्शक उपस्थित थे।

नए साल की सौगात: धनबाद-भोपाल के बीच सप्ताह में तीन दिन चलेगी एक्सप्रेस ट्रेन

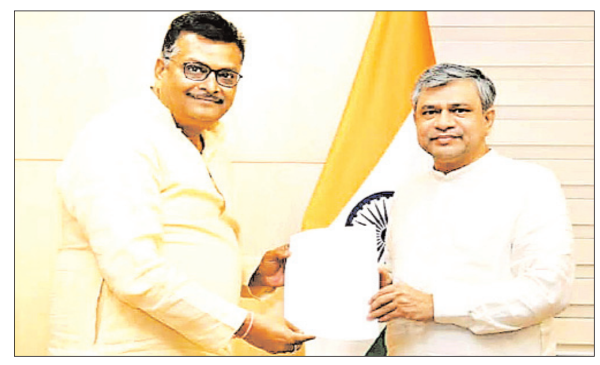

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : झारखंड के लोगों के लिए नए वर्ष की एक बड़ी सौगात है। धनबाद से भोपाल के बीच एक नई एक्सप्रेस ट्रेन शुरू होने जा रही है, जो सप्ताह में 3 दिन चलेगी। यह ट्रेन रामगढ़ जिला के रांची रोड, बरकाकाना और पतरातू में रुकेगी। इस ट्रेन के शुरू होने से झारखंड के धनबाद, बोकारो, रामगढ़, लातेहार और पलामू के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने केंद्रीय रेल मंत्री को बधाई देते हुए कहा कि यह ट्रेन क्षेत्र की जनता के लिए एक बड़ी सौगात है। ट्रेन की समय-सारिणी: भोपाल से धनबाद (11609): रात 08:50 बजे प्रस्थान, अगले दिन रात 08:30 बजे आगमन धनबाद से भोपाल (11610): सुबह 07:20 बजे प्रस्थान, अगली सुबह 07:00 बजे आगमन **ट्रेन कब चलेगी:** भोपाल से : रविवार, सोमवार और शुक्रवार धनबाद से: मंगलवार, बुधवार और रविवार

मध्यवर्ती वाणिज्यिक ठहराव: विदिशा, खुरई, सागर, पथरिया, दमोह, बेहारी, बरगवां, रेनुकुट, गढवा, डालटनगंज, बरवाडीह, लेथर, टोरी, पतरातू, बरकाकाना, रामगढ़ सड़क, गोमिया, फुसरो, चंद्रपुरा, कतरा सागरह सहित कई स्टेशनों पर ट्रेन ठहरेगी।

यात्रियों के लिए सुविधा: ट्रेन में एलडब्ल्यूआरएम, एलएसआरडी, एलडब्ल्यूएस एवं एसी कोच लगाए जाएंगे भोपाल, कटनी मुड़वारा और चोपन में पानी भरने व सेवा सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी- उद्घाटन यात्रा विशेष सेवा के रूप में संचालित की जाएगी यह नई एक्सप्रेस ट्रेन सेवा झारखंड के यात्रियों के लिए बड़ी राहत साबित होगी। लंबे समय से मांग रही इस रूट पर अब भोपाल सहित मध्यप्रदेश तक आवागमन आसान होगा।

सेना और पुलिस के बीच मैत्री क्रिकेट मैच: एकता और खेल भावना का सन्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : पंजाब रेजिमेंटल सेंटर, रविवार को पंजाब रेजिमेंटल सेंटर टीम और पुलिस टीम के बीच मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का सफलतापूर्वक आयोजन मेजर ध्यान चंद स्टेडियम में किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य देश की सुरक्षा सेवाओं के बीच एकता, अनुशासन और खेल भावना को बढ़ावा देना था। मैच उत्साहपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमे दोनों टीमों के खिलाडिओं ने उत्कृष्ट खेल कौशल, टीम भावना और आपसी सामान का परिचय दिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य सेना और पुलिस के बीच समन्वय, सौहार्द तथा आपसी सहयोग को सुद्रढ़ करना एवं शारीरिक तथा मानशिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर दोनों सुरक्षा सेवाओं के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे और खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के खेल आयोजनों से विभिन्न सुरक्षाबलों के बीच आपसी सम्बन्ध मजबूत होते हैं तथा मानसिक और शारीरिक स्फूर्ति को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमे ट्राफी, स्मृति-चिन्हों का आदान प्रदान कर आपसी सामान व्यक्त किया गया। आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे खेल आयोजन निरंतर रखने की इच्छा व्यक्त की। इस मैच में पंजाब रेजिमेंटल सेंटर टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुलिस टीम को हराया। मैच के दौरान दोनों टीमों के खिलाडिओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और दर्शकों का मनोरंजन किया। इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि सेना और पुलिस के बीच इस प्रकार के खेल आयोजन से न केवल आपसी सम्बन्ध मजबूत होते हैं बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी यह एक सकारात्मक कदम है।

बांगुड़दा में क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन, माचा क्रिकेट टीम विजेता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा प्रखंड के बांगुड़दा मैदान में बीएसएनएल कमिटी के द्वारा तीन दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के विभिन्न क्रिकेट टीम ने हिस्सा लिया।रविवार को फाइनल मैच क्रिकेट टीम माचा और बामनी क्रिकेट टीम के बीच खेला गया।फाइनल मैच में मुख्य अतिथि कमलपुर थाना प्रभारी अशोक कुमार शामिल हुए। वही विशिष्ठ अतिथि मुखिया प्रतिनिधि अश्वनी सिंह उपस्थित थे। विजेता टीम माचा क्रिकेट टीम को मुख्य अतिथि कमलपुर थाना प्रभारी अशोक कुमार के हाथों बड़ा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। वही उपविजेता बामनी क्रिकेट टीम को छोटा ट्रॉफी देकर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। संबोधित करते हुए थाना प्रभारी अशोक कुमार ने कहा कि शरीर को स्वास्थ्य रखने के लिए

पढ़ाई के साथ खेलना भी जरूरी है। उन्होंने कहा स्वास्थ्य शरीर में ही स्वास्थ्य मस्तिष्क निवास करता है। खेल में मंचासिन कमलपुर थाना प्रभारी अशोक कुमार, मुखिया प्रतिनिधि अश्वनी सिंह, समाजसेवी नागेन्द्र नाथ गोप सहित बीएसएनएल कमिटी बांगुडदा के आयोजक इंद्रजीत दत्ता,दीपक कुमार गोराई, मृणाल गोराई,भक्त रंजन गोराई, उत्तम कुमार महतो, रवींद्र नाथ सिंह, अमित सिंह सरदार, सुजीत गोराई, राकेश कुमार महतो, अर्जुन महतो, मनोज कर्मकार, शुभेंदु कर्मकार, सुमित सिंह सरदार सहित सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

रामगढ़ में फूड सेफ्टी ट्रेनिंग का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ के सिद्धि विनायक होटल में शनिवार को ज्ञानसिटी एजुकेशनल ट्रस्ट के तत्वाधान में फूड सेफ्टी ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अदिति सिंह मौजूद थीं। उन्होंने होटल व्यवसाइयों और प्रतिष्ठानों के दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा नियमों की विस्तार पूर्वक जानकारी दी और साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने की बात कही। अदिति सिंह ने कहा कि फूड सेफ्टी ट्रेनिंग सभी के लिए अनिवार्य है और इसे गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि खाद्य सामग्रियों के खरीद बिक्री के समय साफ सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए ताकि लोगों को शुद्ध और सुरक्षित भोजन मिल सके। एफ० एस० एस० ए० आई० के ट्रेनर राकेश सिंह डेकहा ने भी खाद्य सुरक्षा नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि हर हाल में इसका शत-प्रतिशत पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है और हमें इसके लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। ज्ञानसिटी एजुकेशनल ट्रस्ट के प्रोजेक्ट हेड रवि कुमार ने कहा कि सबको अपने प्रतिष्ठानों को साफ सुथरा रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सफाई के बल पर विभिन्न रोगों से बचा जा सकता है और यह हमारे समाज के लिए बहुत जरूरी है। कार्यक्रम को सफल बनाने में युवा भारत मिशन, पवन कुमार सिंह, संजय विश्वकर्मा और अन्य लोगों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने खाद्य सुरक्षा नियमों की जानकारी प्राप्त की और इसे अपने प्रतिष्ठानों में लागू करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अदिति सिंह ने कहा कि फूड सेफ्टी ट्रेनिंग का उद्देश्य लोगों को खाद्य सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करना है।

सुभाष चौक पर खतरा: टेंपो चालकों की लापरवाही से बढ़ रहा हादसों का खतरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सुभाष चौक स्थित सुभाष चौक से भुरकुंडा जाने वाले रोड पर टेंपो चालकों की लापरवाही से हादसों का खतरा बढ़ गया है। टेंपो चालक अक्सर रास्ते में टेंपो खड़ा कर देते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है और दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि टेंपो चालकों की इस लापरवाही से न केवल यातायात बाधित होता है, बल्कि दुर्घटना की संभावना भी बढ़ जाती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस पर तुरंत कार्रवाई की जाए और टेंपो चालकों को नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया जाए।

जिला प्रशासन से मांग:
टेंपो चालकों के लिए एक जागरूकता अभियान शुरू किया जाए, जिसमें उन्हें नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया जाए। टेंपो चालकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाए, जिसमें उन्हें यातायात नियमों और सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी दी जाए। जो भी टेंपो चालक नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए और उसका लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है। स्थानीय पुलिस को भी इस मुद्दे पर नजर रखने के लिए कहा जाए और जो भी नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। सड़कों पर यातायात को सुरक्षित बनाने के लिए अधिक साइनबोर्ड और ट्रैफिक लाइट लगाए जाएं। टेंपो चालकों के लिए एक ड्राइविंग स्कूल खोला जाए, जहां उन्हें यातायात नियमों और सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी दी जा सके। टेंपो चालकों के लिए एक अनिवार्य स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम शुरू किया जाए, ताकि वे यातायात को सुरक्षित रूप से चला सकें।

निष्कर्ष:
सुभाष चौक पर टेंपो चालकों की लापरवाही से हादसों का खतरा बढ़ गया है। जिला प्रशासन से मांग की जाती है कि इस मुद्दे पर तुरंत कार्रवाई की जाए और टेंपो चालकों को नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया जाए। हमें सभी को मिलकर इस मुद्दे पर काम करना होगा और यातायात को सुरक्षित बनाने के लिए कदम उठाने होंगे।

संक्षिप्त खबरें

बड़की सरैया में कॉमरेड महेंद्र सिंह के शहादत दिवस पर ग्राम सभा आयोजित

सरिया : बड़की सरैया नगर पंचायत क्षेत्र के बड़की सरैया में भाकपा द्वारा कॉमरेड महेंद्र सिंह के शहादत दिवस को सफल बनाने और 16 जनवरी को संकल्प दिवस के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से एक व्यापक ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान पार्टी ब्रांच कमिटी का पुनर्गठन भी हुआ। ग्राम सभा में सर्वसम्मति से कॉमरेड राजेंद्र रविदास को बड़की सरैया पार्टी ब्रांच सचिव चुना गया।सभा के मुख्य अतिथि भाकपा राज्य कमिटी सदस्य कॉमरेड भोला मंडल ने संबोधन में कहा कि आज संविधान और डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों पर लगातार हमले हो रहे हैं। संविधान विरोधी और बाबासाहेब विरोधी भाजपा के नेताओं, विधायक–सांसदों को पराजित करते हुए 16 जनवरी 2026 को बगोदर पहुंचकर कॉमरेड महेंद्र सिंह के शहादत दिवस पर संकल्प लेना होगा कि हम संविधान और बाबासाहेब के विचारों की रक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा जिस प्रकार बाबासाहेब का अपमान कर गरीबों, दलितों और शोषितों पर अत्याचार बढ़ा रही है, उसके खिलाफ कॉमरेड महेंद्र सिंह के संघर्ष के रास्ते पर चलते हुए आंदोलन को मजबूत किया जाएगा तथा गरीबों, दलितों और शोषित वर्ग को न्याय दिलाने की लड़ाई तेज की जाएगी।इस अवसर पर भाकपा (माले) के नेता कॉमरेड सोनू पांडेय, बीरू मंडल, राजेंद्र रविदास, प्रमोद मंडल, जिम्मी चौरसिया, अरुण राम, दिलीप मंडल, बालेश्वर रविदास, छोटू मंडल सहित अन्य साथी उपस्थित थे।

बी.ए. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के छात्र उज्ज्वल गिरी का प्रतिष्ठित आरएसबी ट्रांसमिशन लिमिटेड में चयन

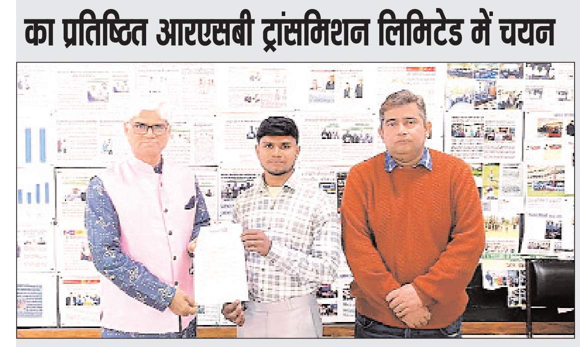

जमशेदपुर : बी.ए. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के 2025 बैच के मेधावी छात्र उज्ज्वल गिरी ने अपनी कड़ी मेहनत, तकनीकी दक्षता और अनुशासन के बल पर कॉलेज ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है। ईईई शाखा के छात्र उज्ज्वल गिरी का चयन देश की प्रतिष्ठित औद्योगिक कंपनी आरएसबी ट्रांसमिशन लिमिटेड में ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी पद पर आकर्षक वेतन पैकेज के साथ हुआ है। इस चयन प्रक्रिया के तहत 12 दिसंबर 2025 को कंपनी के मानव संसाधन विभाग में आयोजित कड़े साक्षात्कार में उज्ज्वल गिरी ने सैकड़ों अभ्यर्थियों को पीछे छोड़ते हुए सफलता हासिल की। चयन के उपरांत वह 1 जनवरी 2026 से कंपनी में कार्यभार ग्रहण करेंगे और चेन्नई स्थित मुख्य कार्यालय के वाणिज्यिक खरीद विभाग में अपनी सेवाएं देंगे। गौरतलब है कि उज्ज्वल गिरी का चयन केवल एक ही नहीं, बल्कि आदित्यपुर क्षेत्र की अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनी जेएफ–सीवीएस में भी हुआ है, जो उनकी प्रतिभा, बहुआयामी क्षमता और उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करता है। छात्र की इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर कॉलेज परिसर में हर्ष और गर्व का माहौल है। कॉलेज के अध्यक्ष डॉ. एस.के. सिंह, प्राचार्य डॉ. संजय राय, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी राहुल सिंह सहित सभी प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने उज्ज्वल गिरी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता आने वाली पीढ़ी के छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर गुड़ा बांधा व भालकी में कार्यक्रम आयोजित

जमशेदपुर : कांग्रेस पार्टी के 140 वाँ स्थापना दिवस के उपलक्ष पर गुड़ा बांधा में आयोजित पार्टी कार्यक्रम के अवसर पर मैं पार्टी के पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहा। कार्यक्रम की शुरूआत पार्टी का ध्वज फहराकर की गई, जिसके पश्चात पूरे सम्मान और गरिमा के साथ राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी कार्यकताओं और ग्रामीणों में देशभक्ति एवं संगठन के प्रति समर्पण की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।कार्यक्रम के दौरान पार्टी की ओर से ग्रामीण साथियों के बीच कंबल वितरण भी किया गया। ठंड के इस मौसम में जरूरतमंद ग्रामीणों को कंबल उपलब्ध कराना पार्टी की जनसेवा और सामाजिक दायित्व के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। ग्रामीणों ने इस पहल की भूरी–भूरी प्रशंसा की और पार्टी के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। इस सफल आयोजन में हमारे पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष, गुड़ा बांधा के जिला परिषद सदस्य सह कांग्रेस, तथा कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष श्री सीतामढ़ी उर्फ.वापी का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा। इनके कुशल नेतृत्व, समर्पण और मेहनत से कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सका।यह कार्यक्रम न केवल संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा, बल्कि पार्टी और ग्रामीण जनता के बीच विश्वास, सहयोग और आत्मीय संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने का माध्यम भी बना।और इस तरह भालकी में भी एक कार्यक्रम किया गया,भालकी पंचायत के पूर्व मुखिया एवं मुखिया प्रतिनिधि श्री पुनाराम माझी जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनकी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा और महत्व दोनों में वृद्धि हुई। श्री माझी जी ने ग्रामीण जनता से संवाद कर पंचायत स्तर पर विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा सामाजिक एकता पर अपने विचार व्यक्त किए। उनके मार्गदर्शन और अनुभव से उपस्थित जनसमूह को प्रेरणा मिली।

हाथी के हमले में किसान की मौत, क्षेत्र में दहशत

ईचागढ़ : कुकडू प्रखंड अंतर्गत लेटेमदा पंचायत के नुतुनडीह गांव में अहले सुबह करीब 3 बजे जंगली हाथी के हमले से एक किसान की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान 50 वर्षीय गौरांग महतो उर्फ बुका महतो के रूप में हुई है। घटना कि सुचना मिलते ही तिरूलडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार, रेंजर शशि प्रकाश रंजन,वन पाल राधारमण ठाकुर, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक कुमार साहू, मुखिया इन्द्रजीत सिंह,झारखंड आंदोलनकारी सुनील महतो घटनास्थल पर पहुंचे। वन विभाग द्वारा मृतक के परिजन को 50 हजार रुपए नगद दिया एवं कागजी प्रक्रिया के बाद 3.50 लाख रुपए दिया जाएगा। वहीं तिरूलडीह पुलिस द्वारा लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुका महतो खलीहान में रखे धानों को देखने निकाला था,इसी दौरान जंगल की ओर से आए एक हाथी ने उन पर अचानक हमला कर दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में अफरा–तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीणों जुटे । पंचायत प्रतिनिधि व ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को मुआवजा देने और क्षेत्र में हाथियों की लगातार आवाजाही पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग किया।

140 वें स्थापना दिवस पर पाकुड़ जिला कांग्रेस कार्यालय में समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140 वें स्थापना दिवस के पावन अवसर पर आज जिला कांग्रेस कार्यालय, पाकुड़ में हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यकताओं एवं नेताओं के बीच मिठाइयाँ बांटी गईं और कांग्रेस के गौरवशाली इतिहास को स्मरण किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार के द्वारा विधिवत ध्वजारोहण किया गया। समारोह में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अब्दुल हक एवं मैनुअल हक मुख्य अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति में रहे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार ने वरिष्ठ कांग्रेसजनों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। अपने

संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस मात्र एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक सशक्त विचारधारा है, जिसने भारत की आजादी की लड़ाई का नेतृत्व किया। स्थापना से लेकर आज तक कांग्रेस ने न केवल ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ ऐतिहासिक संघर्ष किया, बल्कि स्वतंत्रता के बाद लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करते हुए आधुनिक भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाई है। इस अवसर पर प्रदेश सचिव सेमिनुल इस्लाम, जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार, विधायक प्रतिनिधि गुलाम अहमद, प्रखंड अध्यक्ष मानसारुल हक, पाकुड़ प्रखंड पर्यवेक्षक अशोक दास ,जिला कोषाध्यक्ष असद हुसैन, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद डोकानिया, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष शाहीन परवेज, अर्देंदु गांगुली ,ओबीसी जिला अध्यक्ष आमिर हमजा, किसान पासवान, रामविलास महतो, देबू विश्वास, जिला सचिव सेलिम हुसैन, शहनाज बेगम, मोहम्मद सिराजुद्दीन, मोतिउर रहमान, मिर्जहान विश्वास, हबीबुर शेख, जमाल हुसैन एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे और सभी ने संगठन के एकता मजबूती एवं जन सेवा की संकल्प को दोहराया।

एक नजर

बोरियो बालक मध्य विद्यालय परिसर में रेन बसेरा होगा चालू

साहिबगंज : जिला के बोरियो प्रखंड क्षेत्र के बोरियो बालक मध्य विद्यालय परिसर में असहाय एवं गरीब-गुरुबा के ठंड से बचाव एवं बाहर से आने वाले मुसाफिरों के रहने के लिए सुमंगल केशव दिव्य ट्रस्ट की ओर से रेन बसेरा चालू किया जाएगा। ट्रस्ट के सचिव चंदन भगत ने बताया कि रेन बसेरा के लिए कमरा उपलब्ध हो गया है, कमरे में रहने के लिए आवश्यक सुविधाओं का इंतजाम किया जा रहा है। जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा।

पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत सुतीयरपाड़ा निवासी कपिल घोष पिता प्रभास घोष को तीनपहाड़ थाना पुलिस के द्वारा गिरफ्तार कर रविवार को न्यायिक हिरासत में राजमहल जेल भेज दिया गया है। इस संदर्भ में थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे ने बताया कि कपिल घोष तीनपहाड़ थाना कांड संख्या के 163/25 के नामजद आरोपी था,जिसे घर से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

बांझी संथाली प्रज्ञा केंद्र संचालक की प्रखंडस्तरीय कमेटी गठन

साहिबगंज: जिला के बोरियो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बांझी संथाली प्रज्ञा केंद्र में रविवार को भीएलई प्रबोध हांसदा की अध्यक्षता में प्रखंडस्तरीय पंचायत सचिवालय प्रज्ञा केंद्र संचालकों की बैठक हुई। बैठक में प्रखंडस्तरीय पंचायत भीएलई समन्वय एवं कल्याण समिति का गठन किया गया। बैठक में सर्वसहमति से अध्यक्ष अप्रोल पंचायत भीएलई सुनील मरांडी को अध्यक्ष एवं जेटके कुम्हरजोरी पंचायत भीएलई अमर दास को सचिव मनोनीत किया गया। वही उपाध्यक्ष प्रबोध कुमार हांसदा, सह सचिव चाँद सौदागर चौधरी, कोषाध्यक्ष कुंदन कुमार पंडित, मीडिया प्रभारी अमर दास, कार्यकारिणी सदस्य मो. तारिक अजीज, चंदन कुमार, राकेश कुमार, लखीन हांसदा, शिवशंकर पंडित, संरक्षक मताल हांसदा, सदस्य इब्राहिम अंसारी (बिचपुरा भीएलई) एवं अन्य को मनोनीत किया गया। नवनिर्वाचित सदस्यों ने अपनी कर्तव्य का निर्वहन ईमानदारी एवं पारदर्शिता से करने का शपथ लिया।

कड़ाके की ठंड को देखते हुए प्रशासन के निर्देश पर असहाय एवं जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण

साहिबगंज: उधवा प्रखंड क्षेत्र में शीतलहर एवं कड़ाके की ठंड से आमलोग काफी परेशान है। ठंड से बचने के लिए लोग अलाव की सहारा ले रहे है। ठंड के कारण शाम ढलते ही चौक-चौराहों पर सन्नाटा पसर जाता है। कड़ाके की ठंड को देखते हुए लोग अपने जरूरत के हिसाब से घरों से निकल रहे है। वहीं अंचल प्रशासन की तरफ से चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था किया है। साथ ही कड़ाके की ठंड को देखते हुए अंचल प्रशासन की ओर से पंचायतों में कंबल उपलब्ध करा दिया है। इस दौरान असहाय एवं जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण करने का निर्देश दिया गया है। वहीं पूर्वी उधवा पंचायत में शनिवार की देर शाम पंचायत समिति सदस्य सलाम शेख ने असहाय एवं जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया।

हिरणपुर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने धान अधिप्राप्ति केंद्र का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़/हिरणपुर : जिले के हिरणपुर प्रखंड के आपूर्ति पदाधिकारी संतोष कुमार ने रविवार को बरमसिया स्थित धान अधिप्राप्ति केंद्र का अनुश्रवण किया। बीएसओ ने केंद्र के सदस्य सचिव नारायण साहा से धान अधिप्राप्ति को लेकर आवश्यक जानकारी लिया। बीएसओ ने केंद्र मे किये गए धान की क्रय पंजी व स्टॉक पंजी का अवलोकन किया। केंद्र मे छह कृषको से 170 क्विंटल धान की क्रय कृषको से की गई है। इस दौरान स्टॉक का भी मिलान किया गया। उन्होंने गोदाम, सीसीटीवी आदि का भी अवलोकन किया। बीएसओ ने उपस्थित कृषको से भी मिलकर केंद्र मे धान बेचने को लेकर प्रेरित किया। उन्होंने सदस्य सचिव को निर्देश दिया की अधिक से अधिक संख्या मे कृषको से धान की क्रय करे। वहीं कृषकों को जल्द भुगतान को लेकर पहल करे। उधर डांगापाड़ा लेंप्स मे अभी तक 251 क्विंटल धान की क्रय की गई है। सदस्य सचिव जितेन गोराई के अनुसार अभी तक दो कृषकों का भुगतान हो गया है। जल्द ही अन्य कृषकों का भी भुगतान कर दिया जाएगा।

सिविल सर्जन ने किया पीएचसी कोटालपोखर का औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सिविल सर्जन साहिबगंज द्वारा बरहरवा प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कोटालपोखर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में सबसे पहले रोस्टर के अनुसार चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति की जांच की गई, जिसे गंभीरता से लिया गया। इसके पश्चात सिविल सर्जन द्वारा पीएचसी कोटालपोखर में प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया गया और अस्पताल की कार्यप्रणाली, मरीजों को मिल रही सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता, जांच सेवाओं एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा गया। इस दौरान जनहित में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से वहां उपस्थित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री अस्पताल रख-रखाव योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की गई तथा अब तक पूर्ण किए गए कार्यों एवं शेष कार्यों की जानकारी ली गई। सिविल सर्जन द्वारा अस्पताल परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का विशेष रूप से निरीक्षण किया गया, जिसमें पाया गया कि ऊपरी तल्ला में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सिविल सर्जन ने अविलंब समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित करने, अस्पताल परिसर को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने का निर्देश दिया। साथ ही साफ-सफाई कार्य पूर्ण होने के बाद फोटोग्राफ के माध्यम से अनुपालन रिपोर्ट उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया।

पहाड़ियों की तलहटी में स्थित पर्यटन स्थल नववर्ष आगमन से पूर्व पिकनिक स्पॉट पर्यटकों से हो रहे गुलजार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला क्षेत्र अंतर्गत मंडरो प्रखंड व तालझारी प्रखंड के आसपास पहाड़ियों की तलहटी में स्थित पर्यटन स्थल नववर्ष के आगमन से पूर्व ही पिकनिक मनाने वालों से गुलजार हो गये हैं। मिजाचौकी स्थित वन देवी रक्सी स्थान, ऐतिहासिक तेलियागढ़ी किला, सिमड़तल्ला झील, मंडरो का तारा पहाड़, गुर्मी पहाड़ व मंडरो प्रखंड के फॉसिल्स पार्क व तालझारी प्रखंड के महाराजपुर मोती झरना में बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। पहाड़ों की गोद में बसे इन स्थलों पर लोग परिवार और मित्रों के साथ पिकनिक का आनंद ले रहे हैं। डीजे की धुन पर नृत्य करते हुए लोग वर्ष 2025 को अलविदा कहकर 2026 के स्वागत की खुशियां मना रहे हैं। विशेष रूप से मंडरो स्थित फॉसिल्स पार्क

पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। दूर-दराज से आए लोग यहां न केवल पिकनिक मना रहे हैं, बल्कि करोड़ों वर्ष पुराने फॉसिल्स की उत्पत्ति और उनके वैज्ञानिक महत्व के बारे में भी जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। फॉसिल्स पार्क तक पहुंचने के लिए मिजाचौकी रेलवे स्टेशन से करीब 20 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है, जिसे निजी या भाड़े के वाहनों से आसानी से तय किया जा सकता है। पर्यटकों की सुविधा के लिए फॉसिल्स पार्क में म्यूजियम, विजुअल ऑडिटोरियम, रेस्टोरेंट और गेस्ट हाउस जैसी व्यवस्था की गयी हैं। ऑडिटोरियम में ब्रह्मांड की संरचना, मानव उत्पत्ति और फॉसिल्स की खोज से जुड़ी जानकारी प्रदर्शित की जाती है। भूवैज्ञानिक प्रो रंजीत कुमार सिंह ने सैलानियों से अपील की है कि पिकनिक के बाद स्वच्छता बनाये रखें, ताकि यह प्राकृतिक धरोहर सुरक्षित रह सके और आने वाली पीढ़ियां भी इसका आनंद ले सकें।

विधायक ने सिद्धि विनायक कंपनी परिसर में 7 सौ जरूरतमंद लोगो के बीच किया कंबल का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : प्रखंड के चौलीवासा, चौका व चांडिल पंचायत के 7 सौ जरुरतमंद असहाय महिला व पुरुष के बीच रुगड़ी स्थित सिद्धि विनायक कंपनी की और से बढ़ते ठंड को देखते हुए रविवार को कंपनी परिसर में 7 सौ कंबल का वितरण किया गया। लोगों के बीच कंबल का वितरण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक सविता महतो के द्वारा किया गया। इस दौरान विधायक ने कहा बढ़ते ठंड में लोगों को कंबल मिलने से ठंड से राहत मिलेगा। विधायक ने लोगो से कहा ठंड से बचने के लिए लोग घरों में कंबल का उपयोग अवश्य करें। विधायक ने कहा पुरे विधानसभा क्षेत्र में जरुरत मंद लोगो के बीच कंबल का वितरण किया जा रहा है। इस अवसर पर कंपनी के मालिक बिजय मित्तल, शंकरलाल अग्रवाल, जिला परिषद सदस्य ज्योति लाल मांझी, झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलु महतो, प्रखंड अध्यक्ष कृष्णा किशोर महतो, शंभु शर्मा, अर्जुन सिंह मुंडा, समर भुईया, श्रीकांत महतो, राहुल वर्मा आदि उपस्थित थे।

तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट विजेता को एक लाख व उपविजेता को 80 हजार से सम्मानित

खेल में अनुशासन जरूरी, अनुशासित होकर खेल की प्रतिभा दिखाएं : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल प्रखंड क्षेत्र के महासिंहपुर पंचायत के जमालपुर मैदान में जे.के.जमालपुर क्लब की ओर से तीन दिवसीय फुटबॉल टूनामेंट खेल का आयोजन किया गया।तीसरे दिन रविवार को फाइनल राउंड में पहुंचे एफसी मुड़माला और जे.के.जमालपुर के बीच फुटबॉल टूनामेंट फाइनल राउंड खेल का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ. एमटी राजा ने मैदान में फुटबॉल को किक मारकर किया। खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उद्घाटन किया। इससे पहले क्लब की ओर से सभी मुख्य अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। टूनामेंट में कुल 16 टीमों ने

भाग लिया। इसमें तीसरे दिन एफसी मुड़माला और जे.के. जमालपुर के बीच खेला गया। जिसमें एफसी मुंडमाला विजेता प्रतिभागी को एक लाख एवं उपविजेता जे.के.जमिलपुर प्रतिभागी को 80 हजार नगद पुरस्कार देकर मुख्य अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया।इस खेल को देखने के लिए क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने फील्ड के चारों ओर से घेरकर जमकर लुफ्त उठाया। इस दौरान विधायक ने कहा कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह के खेल का आयोजन करना अपने आप में काबिले तारीफ है। पूरे क्षेत्र में प्रतिभा की कमी नहीं है। बस उसे निखारने की जरूरत है। ताकि उनकी प्रतिभा को राज्य ही नहीं बल्कि देश स्तर पर पहचान मिल सके। उन्होंने खेल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलनी चाहिए। खेल में अनुशासन जरूरी है इसलिए खिलाड़ियों को अनुशासित रहना चाहिए। मौके झामुमो जिला युवा मोर्चा सचिव सह विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू, नगरपंचायत प्रशासक सह सीडीपीओ दानिश हुसैन, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि राजेश मंडल, अजय दास,विकास यादव, सुभाष चन्द्र दास, बिंदेश्वरी यादव,श्रवण मंडल अन्य झामुमो कार्यकर्ता सहित क्लब मेंबर उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

कुकडू में मनाया गया भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 140 वॉ स्थापना दिवस

ईचागढ़ : कुकडू प्रखण्ड के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कुकडू प्रखंड कार्यालय के पास ध्वज फहराते हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 140 वां स्थापना दिवस मनाया। प्रखंड अध्यक्ष सह 20 सुत्री सदस्य विपत्तारण महतो ने कहा कि यह सिर्फ एक ध्वजारोहण नहीं बल्कि एक संकल्प है देश की एकता और संविधान का रक्षा करने का।
आज देश के कथित राष्ट्रवादी संगठनो के कार्यों से देश का भाईचारा खतरे में है, देश ही नहीं विदेशों में भी बेइज्जती हो रही है,
वहीं एक और कांग्रेस पार्टी और जननायक राहुल गांधी अपने मूल सिद्धांतों में चलते हुए, अपने हजारों लाखों कार्यकताओं के साथ देश की एकता और संविधान को बचाने में लगे हुए हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष मथुरा प्रसाद महतो ने कांग्रेस की स्थापना एवं सिद्धांत पर प्रकाश डाला।मौके पर मंडल अध्यक्ष असरथमा कर्मकार, सुनिल वरण कुमार, चित्तरंजन लाहा ,गुणाधर महतो आदि उपस्थित थे।

रेलवे स्टेशन पर अवैध टिकट बुकिंग के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

साहिबगंज: रविवार को अवैध टिकट बुकिंग पर अंकुश लगाने और वास्तविक यात्रियों के लिए आरक्षित रेलवे टिकटों तक निष्पक्ष पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अखिल भारतीय दलाली विरोधी अभियान ऑपरेशन उपलब्ध के तहत, मालदा डिवीजन की रेलवे सुरक्षा बल मंडल रेलवे प्रबंधक, मालदा के मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन और मंडल सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ, मालदा के असीम कुमार कुल्लू के पर्यवेक्षण में यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों और स्टेशन परिसर में कड़ी निगरानी रख रही है। इस निरंतर अभियान के क्रम में, आरपीएफ/सीआईबी मालदा की एक संयुक्त टीम ने आरपीएफ/पोस्ट साहिबगंज की सहायता से, 28 दिसंबर, 2025 को साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर आरक्षित रेलवे टिकटों की अवैध खरीद और बिक्री में संलिप्तता के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। लक्षित जांच के दौरान पीआरएस काउंटर के पास संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त व्यक्ति को देखा गया। जाँच करने पर, उसके पास से एक चालू आरक्षित तत्काल रेलवे टिकट और अनधिकृत टिकट जारी करने से संबंधित अन्य सामग्री बरामद हुई। गिरफ्तार व्यक्ति टिकट रखने के संबंध में कोई वैध प्रमाण या संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने में विफल रहा। तब आरोपी को रेलवे अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अवैध दलाली के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।
आरपीएफ/पोस्ट साहिबगंज में मामला दर्ज कर लिया गया है और कानून के अनुसार आगे की कानूनी कार्यवाही जारी है।

मंडरो प्रखंड के मिर्जाचौकी में अवैध लॉटरी टिकट का धंधा धड़ल्ले से जारी

साहिबगंज: जिला के मंडरो प्रखंड अंतर्गत मिजाचौकी क्षेत्र में अवैध लॉटरी टिकट का कारोबार लगातार फल-फूल रहा है। नियम-कानून को ताक पर रखकर यह अवैध धंधा खुलेआम संचालित हो रहा है, जिससे खासकर गरीब और मेहनतकश तबके के लोग आर्थिक रूप से बर्बाद हो रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, इस अवैध लॉटरी टिकट कारोबार में मिजाचौकी के कई नामचीन लोग शामिल बताए जा रहे हैं। ये लोग थोक विक्रेता के रूप में कार्य करते हुए बड़ी मात्रा में लॉटरी टिकट फूटकर विक्रेताओं को सप्लाई कर रहे हैं। इसके बाद फुटकर विक्रेता रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, चाय-पान की दुकानों तथा औद्योगिक क्षेत्र में घूम-घूमकर अवैध लॉटरी टिकट बेच रहे हैं। बताया जा रहा है कि लॉटरी टिकट के झांसे में आकर गरीब मजदूर, दिहाड़ी कामगार और छोटे दुकानदार अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई दांव पर लगा रहे हैं। जल्दी अमीर बनने के सपने में लोग बार-बार टिकट खरीद रहे हैं, लेकिन अधिकांश मामलों में उन्हें केवल निराशा और आर्थिक नुकसान ही हाथ लग रहा है। इससे कई परिवारों की आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध लॉटरी टिकट बिक्री पर प्रशासन की सख्ती न होने के कारण यह कारोबार बेखौफ चल रहा है। आम जनता ने पुलिस-प्रशासन से मांग की है कि अवैध लॉटरी टिकट के इस नेटवर्क की गहन जांच कर इसमें शामिल थोक एवं फुटकर विक्रेताओं पर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि गरीब और भोले-भाले लोगों को इस जुएनुमा कारोबार से बचाया जा सके। अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब तक संज्ञान लेता है और अवैध लॉटरी टिकट के कारोबार पर रोक लगाने के लिए क्या ठोस कदम उठाता है।

लहाबोन-सिमुलतला के बीच ट्रैक बाधित, जसीडीह-झाझा रेलखंड पर कई लंबी दूरी की ट्रेनें डायवर्ट

कोलकाता: जसीडीह-झाझा रेलखंड में लहाबोन और सिमुलतला के बीच ट्रैक में रुकावट के कारण रेल परिचालन प्रभावित हो गया है। पूर्व रेलवे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस तकनीकी बाधा के चलते उक्त सेक्शन से होकर गुजरने वाली कई लंबी दूरी की ट्रेनों के मार्ग में अस्थायी परिवर्तन किया गया है। रेलवे ने बताया कि हावड़ाझ्रप्रयागराज रामबाग विभूति एक्सप्रेस, हावड़ाझ्रराजेंद्र नगर एक्सप्रेस, संबलपुर-गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस, दुर्गाझ्रआरा एक्सप्रेस, टाटानगर-कटिहार एक्सप्रेस, एसएमवीबी बेंगलुरु-भागलपुर एक्सप्रेस, हटिया-पुणे एक्सप्रेस और कोलकाता-गाजीपुर सिटी एक्सप्रेस सहित कई प्रमुख ट्रेनें धनबाद, गया, किऊल, पटना, रामपुरहाट, साहिबगंज, भागलपुर और मालदा टाउन जैसे वैकल्पिक मार्गों से चलाई जा रही हैं। कुछ ट्रेनों को इन स्टेशनों पर अस्थायी ठहराव भी दिया गया है। पूर्व रेलवे ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था ट्रैक से रुकावट हटने तक अस्थायी रूप से लागू रहेगी। यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा से पूर्व अपनी ट्रेन की अद्यतन स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि असुविधा से बचा जा सके।

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा का मॉडल अधिकारियों को पसंद नहीं

कहा: अपमान हो रहा, विजय सिन्हा बोले- गलत बर्दाश्त नहीं

पटना। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की नई सरकार बनने के बाद डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की कमान संभाली। कमान संभालते ही उन्होंने उन्होंने जनसंवाद मॉडल लाने का निर्देश दिया। वह पटना समेत कुछ जिलों में जनसंवाद का आयोजन भी कर चुके हैं। अब इसी जनसंवाद मॉडल का विरोध राजस्व अधिकारियों ने सामूहिक रूप से कर दिया है। बिहार राजस्व सेवा संघ (बिरसा) की ओर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखा गया। इसमें स्पष्ट लिखा गया कि लगातार सार्वजनिक अपमान से न केवल अधिकारियों का मनोबल टूटेगा, बल्कि प्रशासन की प्रभावशीलता भी समास हो जाएगी। यह स्थिति अंततः राज्य सरकार एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक सिद्ध होगी। इसलिए इस पर फौरन लगाम लगाया जाए। वहीं डिप्टी सीएम ने स्पष्ट कहा है कि मैंने किसी को गाली नहीं दिया। किसी को अपमानित नहीं किया। जनता के सामने समस्या का समाधान निकाला जा रहा है। जनता की परेशानी को कम करने के लिए यह प्रयास किया जा रहा है। विभाग में कुछ लोग सुधार नहीं चाहते हैं। अब जो भी लापरवाही करेंगे, उनपर कार्रवाई तो होगी ही। भूमाफियों का राज नहीं चलेगा। जनता से ऊपर कोई नहीं है। जमीन से जुड़ी कई शिकायत जनता की ओर से सामने आई है। इन शिकायतों के समाधान के लिए ही यह सब काम किया जा रहा है। डिप्टी सीएम ने कहा कि मैं किसी दबाव में आकर काम नहीं करता हुं। विभाग में किसी कीमत पर अराजकता का माहौल स्वीकार नहीं किया जाएग। बिरसा ने सीएम नीतीश कुमार को लिखे पत्र में कहा कि विगत कुछ समय से राजस्य एवं भूमि सुधार मंत्री विजय सिन्हा की ओर से सार्वजनिक मंचों, मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से जिस प्रकार की बयानबाजी की जा रही है, उसने न केवल राजस्व प्रशासन की गरिमा को गहरा आघात पहुंचाया है, बल्कि एक संपूर्ण सेवा संवर्ग को जानबूझकर सार्वजनिक उपहास एवं उन्माद का विषय बना दिया है। मंत्री कह रहे हैं कि "खड़े-खडे सस्पेंड कर देंगे", "यहीं जनता के सामने जवाब दो", "स्पष्टीकरण लो और तुरंत कार्रवाई करो", "ओन द स्पॉट फैसला होगा" जैसे संवाद किसी संवैधानिक लोकतंत्र के अनुरूप नहीं है। यह भाषा न तो प्रशासनिक विवेक का परिचायक है और न ही विधि के शासन की। राजस्व विभाग की वर्तमान 'जन संवाद' 'फील्ड ट्रायल' 'इमहेड कोर्ट मार्शल, या 'मॉय जस्टिस की भाषा लोकतांत्रिक प्रशासन की नहीं, बल्कि तमाशाई शासन शैली की प्रतीक है। यह भी खेदजनक है कि सार्वजनिक बैठकों के दौरान वर्तमान मंत्री अक्सर यह भूल जाते हैं कि पिछले लगभग दो दशकों में अधिकांश समय राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ही सरकार रही है, और अपने वक्तव्यी में पूर्ववती मंत्रियों एवं विभागीय प्रमुखों के योगदान को नकारते हुए ऐसा आभास कराते हैं मानो पूर्व की सभी मंत्री एवं विभागीय नेतृत्व पूर्णतः निष्क्रिय रहे हो और विभाग में किसी प्रकार का सुधार हुआ ही नहीं हो, जैसे विगत सौ वर्षों का संपूर्ण प्रशासनिक बोझ अचानक उन्ही के कंधी पर आ पड़ा हो।

राजस्व अधिकारियों ने मुख्यमंत्री से यह पांच मांग की

राजस्व अधिकारियों के विरुद्ध सार्वजनिक मंचों पर अमर्यादित एवं दंडात्मक बयानबाजी तत्काल बंद की जाए।

विभागीय निगरानी केवल स्थापित विधिक एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से की जाए।

संवाद के लिए प्रधान सचिव महोदय/विभागीय मंत्री महोदय स्तर पर नियमित एवं सुलभ व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

यदि 'जन संवाद" मोडल लागू करना है तो यह सभी विभागों एवं जनप्रतिनिधियों पर समान रूप से लागू हो।

राजस्व विभाग की ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक समस्याओं पर गंभीर नीति-स्तरीय विमर्श किया जाए।

पूर्णिया कोर्ट स्टेशन का प्लेटफॉर्म होगा ऊंचा

पूर्णिया। नए साल में पूर्णिया कोर्ट स्टेशन के यात्रियों को नई सुविधाएं मिलेंगी। प्लेटफार्म संख्या 1, 2 और 3 का हाई लेवल निर्माण 6 करोड़ 22 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। इस परियोजना से सीमांचल क्षेत्र के हजारों यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक रेल यात्रा का लाभ मिलेगा। सांसद प्रवक्ता राजेश यादव ने गत बैठक में प्लेटफार्म ऊंचीकरण की मांग उठाई थी। उन्होंने मंडल रेल प्रबंधक से भी मुलाकात कर स्टेशन के महत्व को रेखांकित किया। वर्तमान में प्लेटफार्म की ऊंचाई कम होने से बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगों को कठिनाई होती है। डिप्टी सीएम ने नगर आयुक्त को नगर निगम क्षेत्र में बुडको द्वारा बनाए जा रहे स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज सिस्टम के तहत नालों के निर्माण

कार्य निर्धारित एसओपी के अनुरूप तय समय सीमा के अंदर पूरा करवाने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने नगर क्षेत्र की साफ-सफाई, रोशनी तथा विभिन्न विकास कार्यों को बेहतर ढंग से निर्माण कराने का निर्देश दिया है। साथ ही राजस्व विभाग के अधिकारियों को 14 जनवरी से पहले दाखिल-खारिज, परिमार्जन, ई-मापी के लंबित मामलों का शत-प्रतिशत निष्पादन करने का निर्देश दिया है। उक्त निर्देश

अलाव ताप रहे व्यक्ति पर बदमाशों ने बरसाई गोलियां

कमर में लगी गोली, नालंदा में दिनदहाड़े कांड

नालंदा। जिले में शनिवार को दिनदहाड़े गोलीबारी की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। रहुई थाना क्षेत्र के सोहसराय हाल्ट के समीप स्थित एक मिक्सर प्लांट के पास चार पहिया वाहन से आए बदमाशों ने एक व्यक्ति को गोली मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। गोलीबारी की इस घटना में बिहार थाना क्षेत्र के इमादपुर मोहल्ला निवासी स्वर्गीय राम प्रसाद के 45 वर्षीय पुत्र राजेश कुमार घायल हो गए। गोली उनके कमर में लगी है। घायल को पहले मॉडल अस्पताल, बिहार शरीफ में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना के संबंध में घायल के परिजन धनंजय कुमार यादव ने बताया कि राजेश कुमार मिक्सर प्लांट में अन्य लोगों के साथ अलाव ताप रहे थे। इसी दौरान प्लांट के पास एक फोर व्हीलर वाहन आकर रुका। प्लांट में मौजूद सोनू नामक युवक वहां देखने गया, जहां वाहन सवार बदमाशों ने पहले उससे कुछ पूछताछ की और फिर अचानक उस पर हमला कर दिया, जिससे उसका सिर फट गया। इसके बाद बदमाशों ने राजेश कुमार पर पिस्टल से फायरिंग कर दी। एक गोली उनके कमर में आकर लग गई। आरोप है कि बदमाशों ने घायल राजेश पर ईंट-पत्थर से भी हमला किया और फिर गोलीबारी करते हुए मौके से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि बदमाशों की संख्या करीब पांच थी। फिलहाल गोलीबारी के कारणों का पता नहीं चल सका है। घायल राजेश कुमार रॉ मैटेरियल सप्लाई का काम करते हैं और इसी सिलसिले में उनका मिक्सर प्लांट में आना-जाना रहता है। इस मामले में डीएसपी-2 संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि रहुई थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि सोहसराय हाल्ट के पास मिक्सर प्लांट में एक व्यक्ति को गोली मारकर जख्मी किया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए मॉडल अस्पताल बिहार शरीफ में भर्ती कराया गया।

ठंड से यातायात प्रभावित

पटना। दिल्ली से पटना आने वाली संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस शनिवार को इस सर्दी के सीजन में सबसे अधिक लेट आई। शनिवार को यह ट्रेन 13 घंटे की देरी से शाम 7 बजे पटना जंक्शन पहुंची। यात्रियों की मानें तो दिल्ली स्टेशन से ही चार घंटे लेट खुली। इसके बाद तीन-चार स्टेशन पर 30 मिनट से एक घंटा तक खड़ी कर दी गई। ऐसे में यात्रियों को पटना पहुंचने में 12 घंटे की जगह 25 घंटे का समय लगा। वहीं हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस 17 घंटे लेट चल रही है। इसके अलावा तेजस राजधानी 13 घंटे, उदना-पटना स्पेशल 11 घंटे, गरीब रथ 4 घंटे, कोटा-पटना 3 घंटे, मगध एक्सप्रेस 11 घंटे, अमृतसर-हावड़ा मेल 2 घंटे, दिल्ली अमृत भारत 14 घंटे, ब्रह्मपुत्र मेल 12 घंटे, इस्लामपुर-हाटिया 6 घंटे सहित एक दर्जन अधिक ट्रेनें लेट पहुंचीं।

संक्षिप्त डायरी

पुपरी-बेनीपट्टी पथ पर ऑटो पलटने से चालक की मौत

सीतामढ़ी। पुपरी-बेनीपट्टी पथ पर झझिहट टायर एजेंसी के समीप शनिवार की रात ऑटो पलटने से उसमें सवार चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान हरदिया पंचायत के वार्ड 10 रामपुर पचासी गांव निवासी रामचंद्र राउत के पुत्र सुधीर राउत (30) के रूप में की गई। रविवार की सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव मृतक के घर पहुंचते ही कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार मृतक सुधीर आटो चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। घटना की रात वह प्रतिदिन की भांति शहर स्थित मधुबनी बस पड़ाव से ऑटो लेकर ठंड के कारण तेज रफ्तार में बिना सवारी के घर लौट रहा था। इस क्रम में उसका संतुलन बिगड़ गया और ऑटो सड़क किनारे एक बोर्ड के खंभे से टकरा सड़क किनारे पलट गया। इस दौरान पीछे से दूसरा ऑटो लेकर आ रहे उसका चचेरा भाई उमेश राउत व स्थानीय लोगों के सहयोग से ऑटो के नीचे दबे सुधीर को पीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद सूचना पाकर थाने की पुलिस पीएचसी पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए देर रात सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक के परिवार में पत्नी सरिता देवी और तीन छोटे बच्चे है।घटना को लेकर गांव में मातम पसर गया।

बांका में लूटकांड का पुलिस ने किया खुलासा: देसी कट्टा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

बांका। टाउन थाना क्षेत्र में 25 दिसंबर की शाम हुई लूटपाट की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से लूट में प्रयुक्त एक देशी कट्टा भी बरामद किया गया है। पुलिस का कहना है कि इस वारदात में शामिल अन्य अपराधियों की तलाश जारी है और जल्द ही पूरे गिरोह का पदार्फाश किया जाएगा। बताया जाता है कि 25 दिसंबर की शाम मैनवरण के समीप बाइक सवार अपराधियों ने एक युवक को निशाना बनाया था। अपराधियों ने युवक से 20 हजार रुपये नकद और एक मोबाइल फोन लूट लिया था। अचानक हुई इस वारदात से इलाके में दहशत फैल गई थी। पीड़ित युवक ने किसी तरह अपने परिजनों को सूचना दी और बाद में टाउन थाना पहुंचकर घटना की लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए बांका पुलिस ने तत्काल छापेमारी अभियान शुरू किया। टाउन थानाध्यक्ष अरविंद राय के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, स्थानीय सूत्रों और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान शुरू की। लगातार दबिश के बाद पुलिस को एक आरोपी के बारे में ठोस जानकारी मिली।

किशनगंज में नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास, 70 साल का आरोपी गिरफ्तार

किशनगंज। धरमगंज इलाके में नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का प्रयास करने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर पुलिस ने 70 वर्षीय आरोपी रामबृक्ष दास को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पहले ही कोर्ट से वारंट जारी किया जा चुका था और उसके घर पर इश्तेहार भी चस्पा किया गया था। शनिवार को सदर अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी रामबृक्ष दास धरमगंज केला बगान, वार्ड नंबर 11 का निवासी है। आरोप है कि उसने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर उसके घर के पास से किसी बहाने बाहर बुलाया और लालच देकर एक सुनसान स्थान पर ले गया। वहां आरोपी ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। घटना के दौरान जब नाबालिग ने शोर मचाना शुरू किया तो आरोपी घबरा गया और मौके से फरार हो गया। बच्ची किसी तरह वहां से जान बचाकर घर पहुंची और पूरी घटना की जानकारी परिजनों को दी। मासूम की आपबीती सुनते ही परिवार में हड़-कंप मच गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए परिजन तुरंत महिला थाना पहुंचे। पीड़िता की मां की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए आरोपी की तलाश तेज कर दी थी। चूंकि आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहा था, इसलिए कोर्ट से उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कराया गया। इसके बाद पुलिस ने उसके घर पर इश्तेहार भी चस्पा किया था। पुलिस को हाल ही में सूचना मिली कि आरोपी धरमगंज इलाके में ही छिपकर रह रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

जदयू में बगावत के सुर, प्रदेश सचिव ने जिलाध्यक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

गयाजी। जनता दल (यूनाइटेड) संगठन के भीतर अंदरूनी असंतोष खुलकर सामने आ गया है। वर्षों से पार्टी के लिए निष्ठा और समर्पण के साथ काम करने वाले कार्यकताओं की अनदेखी का आरोप लगाते हुए जदयू के प्रदेश सचिव ने जिलाध्यक्ष पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इस पूरे मामले की शिकायत सीधे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तक पहुंचाई गई है, जिसके बाद सत्ताधारी दल के भीतर सियासी हलचल तेज हो गई है।सत्ताधारी दल से लंबे समय से जुड़े निष्ठावान कार्यकताओं की उपेक्षा को लेकर असंतोष अब खुलकर सामने आ रहा है। मुख्यमंत्री बिहार को संबोधित एक पत्र में पार्टी संगठन पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पत्र में कहा गया है कि बिहार के विभिन्न जिलों में 20 से 25 वर्षों से आदरणीय नेतृत्व की विचारधारा को बिना किसी लोभ-लालच के जन-जन तक पहुंचाने वाले समर्पित कार्यकताओं को लगातार दरकिनार किया जा रहा है।इसी मुद्दे को लेकर जदयू के प्रदेश सचिव डॉ. चंदन कुमार यादव ने गयाजी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने जदयू जिलाध्यक्ष द्वारिका प्रसाद पर कई गंभीर आरोप लगाए। डॉ. चंदन कुमार यादव ने कहा कि पार्टी के निष्ठावान और समर्पित कार्यकताओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में गया शहर में जदयू द्वारा आयोजित कार्यकताओं के आभार सह सम्मान कार्यक्रम की जानकारी तक कई कार्यकताओं को नहीं दी गई। यहां तक कि जो समर्पित कार्यकर्ता वर्षों से संगठन के लिए काम कर रहे हैं, उन्हें भी न तो आमंत्रित किया गया और न ही उचित मान-सम्मान दिया गया। प्रदेश सचिव ने बताया कि इन सभी बातों की जानकारी उन्होंने पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दी है।

उन्होंने कहा कि पार्टी मुख्यालय में बैठे कुछ लोग एक साथ सरकार और संगठन के कई पदों पर काबिज हैं और वे अपने चहेतों को आगे बढ़ाने में लगे हुए हैं, जबकि पुराने और निष्ठावान कार्यकताओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था तक नहीं की जाती। पंचायत अध्यक्ष से लेकर प्रखंड कमिटी तक को कार्यक्रमों की सूचना नहीं दी जाती और जो कार्यकर्ता किसी तरह पहुंच भी जाते हैं, उन्हें सम्मानजनक स्थान नहीं मिलता। डॉ. चंदन कुमार यादव ने कहा कि जिन लोगों ने पहले अन्य दलों का प्रचार किया था, सरकार बनते ही उन्हें बिना किसी ठोस आधार के पार्टी में शामिल कर लिया गया, जबकि वर्षों से निःस्वार्थ भाव से काम करने वाले कार्यकताओं की उपेक्षा की जा रही है। प्रदेश सचिव ने इसे कार्यकताओं के अधिकारों का खुला हनन बताते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पूरे मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो इससे संगठन को गंभीर नुकसान हो सकता है।

जमुई में सीमेंट लदी मालगाड़ी नदी में गिरी

30 मिनट पहले गुजरी थी पूर्वांचल एक्सप्रेस

जमुई। बिहार के जमुई में सीमेंट लदी एक मालगाड़ी अचानक डिरेल हो गई। आसनसोल की ओर से झाझा जा रही अपलाइन मालगाड़ी के कुल 15 डिब्बे पटरी से उतर गए। इनमें से 10 डिब्बे रेलवे ब्रिज पर ही पलट गए, जबकि 5 डिब्बे नीचे बरुआ नदी में जा गिरी। हादसा पूर्व रेलवे के आसनसोल रेल मंडल अंतर्गत जसीडीह-झाझा रेलखंड पर शनिवार बरुआ नदी पर बने रेलवे ब्रिज संख्या 676 के पास रात करीब 11:40 बजे हुआ। हादसे के बाद पटना से हावड़ा जाने वाली रेल रूट करीब 10 घंटे से प्रभावित है। मुजफ्फरपुर से हावड़ा जाने वाली बाघ एक्सप्रेस को 16 स्टेशनों पर कैंसिल कर दिया गया है। 9 ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है जबकि पटना-देवघर(63210) पैसेंजर को कैंसिल कर दिया गया है। 30 मिनट पहले इसी ट्रैक से पूर्वांचल एक्सप्रेस गुजरी थी। ये ट्रेन गोरखपुर से कोलकाता जाता है।

आसपास के लोगों का कहना है, 'अप लाइन से आ रही मालगाड़ी जैसे ही पुल के पास पहुंची, अचानक पटरी उखड़ गई। हादसे के बाद 3 डिब्बे सीधे बरुआ नदी में गिर गए, जबकि दो डिब्बे पुल पर लटकते रहे। करीब 6 से अधिक डिब्बे पटरी से उतर गए और एक-दूसरे पर चढ़ गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अप लाइन की पटरी उखड़कर डाउन लाइन में जा सिमटी। हालांकि, रेलवे ने अभी कारणों का जिक्र नहीं किया है। बोगियों को पटरी से हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है। मालगाड़ी के डीरेल होते ही जसीडीह-किउल रेलखंड पर रेल परिचालन पूरी तरह ठप हो गया। अप और डाउन दोनों लाइनें पिछले 10 घंटे से ज्यादा देर तक प्रभावित हैं। इस रूट पर चलने वाली कई यात्री और मालगाड़ियां जसीडीह, सिमुलतला और आसपास के स्टेशनों पर रोक दी गईं। इस ट्रेन हादसे के बाद हावड़ा पटना और हावड़ा मुजफ्फरपुर रेल लाइन पर भी परिचालन प्रभावित हो गया है। रेलवे ट्रेनों को दूसरे रूट पर डायवर्ट कर रही है। इससे मुजफ्फरपुर से हावड़ा के लिए खुली 13020 बाघ एक्सप्रेस गाड़ी को बरौनी से ही रेलवे ने डायवर्ट कर दिया। इस बीच 16 स्टेशनों पर इस ट्रेन को रद्द कर दिया गया। जबकि, मुजफ्फरपुर आने वाली 13019 बाघ एक्सप्रेस अंडाल से किऊल के बीच रद्द किया गया। जिससे चित्तरंजन, मधुपुर, जसीडीह में सवार होने वाले यात्रियों की परेशानियां बढ़ गई। वे पूरी रात इन स्टेशन पर ही अपना समय बिताए। खासकर जसीडीह में उत्तर बिहार के बड़ी संख्या में लोग फंसे हुए है।

शीतलहर और कोहरे से कांपा पूरा बिहार

5 डिग्री तक लुढ़का तापमान, कोल्ड डे और घने कोहरे की चेतावनी

पटना। सर्द पछुआ हवा और कोहरे के कारण बिहार सिहर रहा है। राज्य में कोल्ड डे जैसे हालात बने हुए हैं। एक जनवरी तक फिलहाल कड़ाके की ठंड से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। प्रदेश में कोल्ड डे के साथ घने कोहरे को लेकर चेतावनी जारी की गई है। कड़ाके की ठंड और कोहरे के कारण विमान और ट्रेन परिचालन पर भी असर पड़ा है। शनिवार को राजधानी में सौ मीटर दृश्यता एवं सबसे कम 50 मीटर गयाजी में दृश्यता दर्ज की गई। छपरा में कोल्ड डे जैसे हालात बने रहे। एक सप्ताह से राज्य में कोहरे और ठंड से लोगों का बुरा हाल है।मौसम विज्ञान केंद्र पटना के Weather Forecast के अनुसार, एक जनवरी तक राज्य के अलग-अलग भागों में Cold Day जैसे हालात बने रहने से घने कोहरा का प्रभाव बना रहेगा। बफीर्ली पछुआ के कारण दिन और रात कनकनी बनी रहेगी। शनिवार को राज्य में गयाजी इस सीजन का सबसे ठंडा स्थान रहा। यहां का न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री

सेल्सियस दर्ज किया गया। गयाजी का न्यूनतम तापमान जम्मू शहर से भी कम रहा। जम्मू शहर का न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस एवं अधिकतम तापमान 18.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी के न्यूनतम तापमान में 3.1 डिग्री वृद्धि के साथ 12.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी का अधिकतम तापमान 14.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में तीन डिग्री का अंतर बना रहा। 19.8 डिग्री सेल्सियस के साथ डेहरी में सर्वाधिक तापमान दर्ज किया गया। 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे बिक्रमगंज का तापमान 6.3, औरंगाबाद का 7.4, अरवल का 8.5 एवं फारबिसगंज का 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी व आसपास इलाकों में शनिवार को पछुआ के कारण कनकनी का प्रभाव बना रहा।

कोल्ड डे : मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, लगातार दो दिनों तक न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम हो और अधिकतम तापमान में 4.5 से लेकर 6.4 डिग्री की गिरावट आने पर कोल्ड डे होता है। अगर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम हो और अधिकतम तापमान में 6.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा गिरावट दर्ज होने पर सीवियर कोल्ड डे यानी गंभीर ठंड वाला दिन होता है। मौसम विज्ञान केंद्र से प्राप्त आंकड़े के अनुसार 2022 के बाद 27 दिसंबर 2025 को गयाजी प्रदेश में 5.2 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा रहा। 2022 में 28 दिसंबर को गयाजी का न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस, 2023 में 19 दिसंबर को 6.1 डिग्री एवं 2024 में 15 दिसंबर को 7.3 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया था।

व्यवहार से ग्रहों की स्थितियां होती हैं प्रभावित

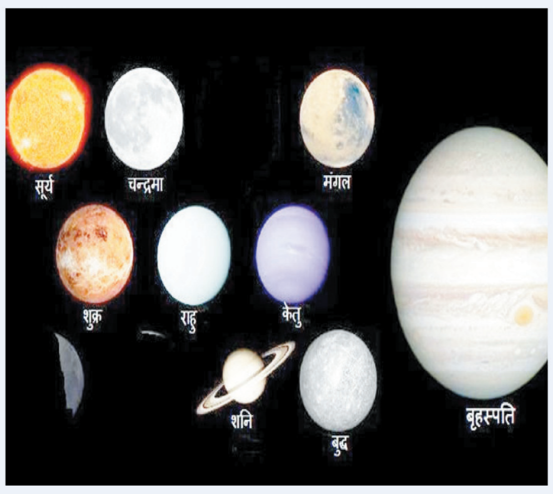

ग्रहों का व्यक्ति के जीवन के साथ-साथ व्यवहार पर भी सीधा प्रभाव पड़ता है। हमारा व्यवहार हमारे ग्रहों की स्थितियों से संबंध रखता है या हमारे व्यवहार से हमारे ग्रहों की स्थितियां प्रभावित होती हैं। अच्छा या बुरा व्यवहार सीधा हमारे ग्रहों को प्रभावित करता है। ग्रहों के कारण हमारे भाग्य पर भी इसका असर पड़ता है। कभी-कभी हमारे व्यवहार से हमारी किस्मत पूरी बदल सकती है।

वाणी-

वाणी का संबंध हमारे पारिवारिक जीवन और आर्थिक समृद्धि से होता है।

ख़राब वाणी से हमें जीवन में आर्थिक नुक्सान उठाना पड़ता है।

कभी-कभी आकस्मिक दुर्घटनाएं घट जाती हैं।

कभी-कभी कम उम्र में ही बड़ी बीमारी हो जाती है।

वाणी को अच्छा रखने के लिए सूर्य को जल देना लाभकारी होता है।

गायत्री मंत्र के जाप से भी शीघ्र फायदा होता है।

आचरण-कर्म

हमारे आचरण और कर्मों का संबंध हमारे रोजगार से है।

अगर कर्म और आचरण शुद्ध न हों तो रोजगार में समस्या होती है।

व्यक्ति जीवन भर भटकता रहता है।

साथ ही कभी भी स्थिर नहीं हो पाता।

आचरण जैसे-जैसे सुधरने लगता है, वैसे-वैसे रोजगार की समस्या दूर होती जाती है।

आचरण की शुद्धि के लिए प्रात : और सायंकाल ध्यान करें।

इसमें भी शिव जी की उपासना से अद्भुत लाभ होता है।

जिम्मेदारियों की अवहेलना

जिम्मेदारियों से हमारे जीवन की बाधाओं का संबंध होता है।

जो लोग अपनी जिम्मेदारियां ठीक से नहीं उठाते हैं उन्हें जीवन में बड़े संकटों, जैसे मुक़दमे और कर्ज का सामना करना पड़ता है।

व्यक्ति फिर अपनी समस्याओं में ही उलझ कर रह जाता है।

अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में कोताही न करें।

एकादशी का व्रत रखने से यह भाव बेहतर होता है।

साथ ही पौधों में जल देने से भी लाभ होता है।

सहायता न करना-

अगर सक्षम होने के बावजूद आप किसी की सहायता नहीं करते हैं तो आपको जीवन में मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

कभी न कभी आप जीवन में अकेलेपन के शिकार हो सकते हैं।

जितना लोगों की सहायता करेंगे, उतना ही आपको ईश्वर की कृपा का अनुभव होगा।

आप कभी भी मन से कमजोर नहीं होंगे।

दिन भर में कुछ समय ईमानदारी से ईश्वर के लिए जरूर निकालें।

इससे करुणा भाव प्रबल होगा, भाग्य चमक उठेगा।

वास्तु: इस दिशा में खुले तिजोरी तो होता है धन-लाभ

हर कोई घर में सुख-शांति और लक्ष्मी का वास चाहता है और इसके लिए लोग कई उपाय करते है। कुछ लोग पूजा-पाठ, हवन तो कुछ आपना घर वास्तु के अनुसार बनवाते हैं। वहीं वास्तु के अनुसार अगर आप घर में कुछ चीजें दिशा के अनुसार रखते हैं तो इसका भी असर आपके जीवन पर पड़ता है।

आइए जानते हैं वास्तु से जुड़ी कुछ बातें :

1. ड्रेसिंग टेबल के साथ दर्पण पूर्व या उत्तर की दीवारों पर होना चाहिए।

2. अलमारी शयन कक्ष के उत्तर पश्चिमी या दक्षिण की ओर होनी चाहिए। टीवी, हीटर और एयर कंडीशनर दक्षिण पूर्वी दिशा के कोने में स्थित होना चाहिए।

3. पढ़ने और लिखने की जगह पूर्व या शयन कक्ष के पश्चिम की ओर होनी चाहिए जबकि पढ़ाई करते समय मुंह पूर्व दिशा में होना चाहिए।

बेडरूम में सेफ या तिजोरी दक्षिण की दीवार के साथ रखनी चाहिए। खुलते समय उसका मुंह उत्तर की तरफ खुलना चाहिए। इससे धन में कमी नहीं आएगी।

4. दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम कोना कभी खाली नहीं रखना चाहिए।

5. बेडरूम के साथ लगता बाथरूम, कमरे के पश्चिम या उत्तर में होना चाहिए।

6. सोते समय एक अच्छी नींद के लिए सिर पूर्व या दक्षिण की तरफ होना चाहिए।

मान्यता है कि भगवान गणेश के साथ-साथ सूर्य देव की उपासना करना बहुत फलदायी माना जाता है। इसलिए बप्पा के साथ ही सूर्य देव की भी उपासना करें।

भगवान गणेश के साथ-साथ सूर्य देव की उपासना करना बहुत फलदायी माना जाता है

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य देव को सभी ग्रहों का राजा माना जाता है। इसीलिए इसकी शुभ-अशुभ स्थिति व्यक्ति के जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव डालती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार सूर्य देव की अलग-अलग प्रतिमाएं रखना शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अपनी इच्छानुसार घर में सूर्य देव की प्रतिमाएं रखी जा सकती हैं। तो आइए आज जानते हैं कि सूर्य देव की कौन सी प्रतिमा को घर में रखा जा सकता है।

लकड़ी की प्रतिमा

ज्योतिष और वास्तु के अनुसार सूर्यदेव की लकड़ी की प्रतिमा घर रखना बहुत अच्छा माना जाता है। मान्यता है कि इसके निरंतर पूजा-पाठ करने से घर के लोगों का समाज में मान-सम्मान बढ़ता है। इसके साथ ही उन्हें भाग्य का साथ मिल जाता है।

मिट्टी की प्रतिमा

जिस जातक की कुंडली में सूर्य दोष हो और उसके सभी कामों में बार-बार बाधाएं आ रही हो तो वो इंसान घर में पत्थर या मिट्टी की सूर्य प्रतिमा रख सकता है। कहा जाता है कि इसकी पूजा करने से हर कार्य में सफलता मिलती है।

तांबे की प्रतिमा

कहते हैं कि घर में सकारात्मकता बनाए रखने के लिए हर किसी को तांबे से बनी प्रतिमा रखनी चाहिए। इसके शुभ असर से सभी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है।

चांदी की प्रतिमा

कार्य क्षेत्र में अधिकार बनाए रखने के लिए चांदी की सूर्य प्रतिमा रख सकते हैं।

सोने की प्रतिमा

सोने से बनी सूर्य प्रतिमा घर में रखने और उसकी पूजा करने से घर में धन-धान्य बढ़ता है, सुख-समृद्धि बनी रहती है।

भक्तों के पास रहते हैं भगवान

किसी भी वस्तु की चेतनता की पहचान इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति के होने से होती है। अगर किसी वस्तु में ये तीनों नहीं होते हैं, तो उसे जड़ वस्तु कहते हैं और इन तीनों के होने से उसे चेतन वस्तु कहते हैं। मनुष्य में इन तीनों गुणओं के होने से उसे चेतन कहते हैं। मनुष्य के मृत शरीर में इनके न होने से उसे अचेतन अथवा जड़ कहते हैं।

प्रश्न यह उठता है कि जो मनुष्य अभी-अभी इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति कर रहा था और चेतन कहला रहा था, वही मनुष्य इनके न रहने से मृत क्यों घोषित कर दिया गया जबकि वह सशरीर हमारे सामने पड़ा हुआ है? आमतौर पर एक डॉक्टर बोलेगा कि इस शरीर में प्राण नहीं हैं। शास्त्रीय भाषा में, जब तक मानव शरीर में आत्मा रहती है, उसमें चेतनता रहती है। उसमें इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहती है। आत्मा के चले जाने से वही मानव शरीर इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहित हो जाता है, जिसे आमतौर पर मृत कहा जाता है।

शास्त्रों के अनुसार स्वरूप से आत्मा सच्चिदानन्दमय होती है। सच्चिदानन्द अर्थात सत्+चित्+आनंद। संस्कृत में सत् का अर्थ होता है नित्य जीवन अर्थात् वह जीवन जिसमें मृत्यु नहीं है, चित् का अर्थ होता है ज्ञान जिसमें कुछ भी अज्ञान नहीं है और आनंद का अर्थ होता है नित्य सुख जिसमें दु:ख का आभास मात्र नहीं है। यही कारण है कि कोई मनुष्य मरना नहीं चाहता, कोई मूर्ख नहीं कहलवाना चाहता और कोई भी किसी भी प्रकार का दु:ख नहीं चाहता।

अब नित्य जीवन, नित्य आनंद, नित्य ज्ञान कहां से मिलेगा? जैसे सोना पाने के लिए सुनार के पास जाना पड़ता है, लोहा पाने के लिए लोहार के पास, इसी प्रकार नित्य जीवन-ज्ञान-आनंद पाने के लिए भगवान के पास जाना पड़ेगा क्योंकि एकमात्र वही हैं जिनके पास ये तीनों वस्तुएं असीम मात्रा में हैं। प्रश्न हो सकता है कि बताओ भगवान मिलेंगे कहां? ये भी एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। कोई कहता है भगवान कण-कण में हैं, कोई कहता है कि भगवान मंदिर में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो हृदय में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो पर्वत की गुफा में, नदी में, प्रकृति में वगैरह।

वैसे जिस व्यक्ति के बारे में पता करना हो कि वह कहां रहता है, अगर वह स्वयं ही अपना पता बताए तो उससे बेहतर उत्तर कोई नहीं हो सकता। उक्त प्रश्न के उत्तर में भगवान कहते हैं कि मैं वहीं रहता हूं, जहां मेरा शुद्ध भक्त होता है। चूंकि हम सब के मूल में जो तीन इच्छाएं- नित्य जीवन, नित्य ज्ञान व नित्य आनंद हैं, वे केवल भगवान ही पूरी कर सकते हैं, कोई और नहीं। इसलिए हमें उन तक पहुंचने की चेष्टा तो करनी ही चाहिए। भगवान स्वयं बता रहे हैं कि वह अपने शुद्ध भक्त के पास रहते हैं। अत: हमें ज्यादा नहीं सोचना चाहिए और तुरंत ऐसे भक्त की खोज करनी चाहिए जिसके पास जाने से, जिसकी बात मानने से हमें भगवद्प्राप्ति का मार्ग मिल जाए। साथ ही हमें यह सावधानी भी बरतनी चाहिए कि कहीं वह भगवद्-भक्त के वेश में ढोंगी न हो। स्कंद पुराण के अनुसार भगवान शिव माता पार्वती से कहते हैं कि कलियुग में ऐसे गुरु बहुत मिलेंगे जो शिष्य का सब कुछ हर लेते हैं, परंतु शिष्य का संताप हर कर उसे सद्मार्ग पर ले आए ऐसा गुरु विरला ही मिलेगा।

हर समय महसूस होती है उदासी तो आजमाएं ये अचूक वास्तु टिप्स, बढ़ेगी पॉजिटिविटी

कई बार बाहर आते-जाते समय या फिर सबसे साथ होते हुए हमें ऐसा महसूस होता है, जैसे हम अकेले और बेबस हैं। कई बार बिना कारण रोने का मन करता है। ऐसे में अगर आप भी हर समय उदासी महसूस करते हैं, तो आप कुछ आसान वास्तु उपाय आजमाकर इस निगेटिविटी को दूर कर सकते हैं।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर लोगों को बिना किसी खास कारण के बेचैनी, उदासी और तनाव महसूस होने लगता है। यह कई बार हमारे आसपास मौजूद निगेटिव एनर्जी की वजह से होता है। जिसको वास्तु शास्त्र में 'वास्तु दोष' कहा जाता है। वास्तु के मुताबिक हमारे घर की बनावट, रंगों का चुनाव और वस्तुओं की दिशा सीधे तौर पर हमारी मानसिक शांति और भावनाओं को प्रभावित करने का काम करता है।

कई बार बाहर आते-जाते समय या फिर सबसे साथ होते हुए हमें ऐसा महसूस होता है, जैसे हम अकेले और बेबस हैं। कई बार बिना कारण रोने का मन करता है। ऐसे में अगर आप भी हर समय उदासी महसूस करते हैं, तो आप कुछ आसान वास्तु उपाय आजमाकर इस निगेटिविटी को दूर कर सकते हैं।

ऐसे दूर करें हर समय की उदासी

घर की दीवारों पर नीरस और गहरे रंग जैसे काला और भूरे रंग की बजाय हल्के और शांतिपूर्ण रंग जैसे हल्का हरा, हल्का नीला, पीला या क्रीम करवाएं। इन रंगों को सिर्फ अपने घर की दीवारों तक ही सीमित न रखें, बल्कि आप खुद भी इस तरह के रंगों के कपड़े अधिक से अधिक पहनें।

शुरूआत में हो सकता है कि आपको लगे कि यह कौन सा तरीका हुआ उदासी को दूर करने का। लेकिन यकीन मानिए कि आपको धीरे-धीरे बदलाव खुद महसूस होने लगेगा। इन चीजों को शुभ प्रभाव आप पर पड़ रहा है और आप सकारात्मकता की तरफ बढ़ रहे हैं।

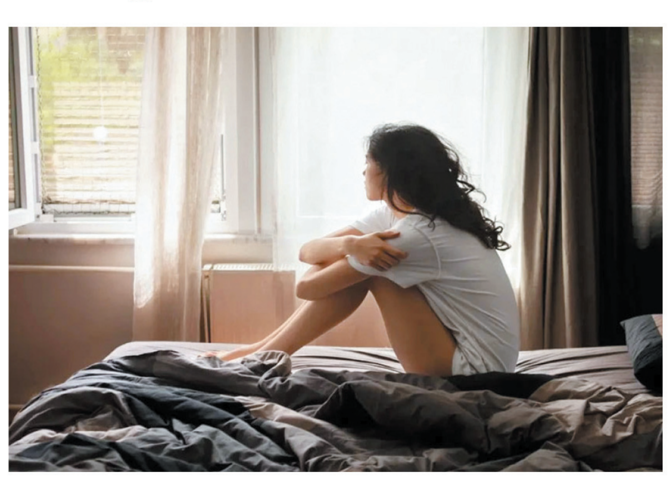

हर समय की उदासी को मिटाने के लिए घर के खिड़की-दरवाजों को नियमित रूप से खोलें। जिससे कि ताजी हवा और प्राकृतिक रोशनी अंदर आ सके। सूर्य की रोशनी पॉजिटिव एनर्जी का सबसे बड़ा स्त्रोत है। वहीं अंधेरा उदासी और नकारात्मकता को बढ़ाता है।

वहीं शाम के समय पूरे घर में सुगंधित धूप या अगरबत्ती जलाएं। या फिर चंदन या लैवेंडर की खुशबू का उपयोग करें। इससे घर का वातावरण भी शुद्ध होता है और मन को शांति मिलती है। सोते समय हमेशा अपना सिर पूर्व या दक्षिण दिशा की ओर रखें।

वास्तु शास्त्र के मुताबिक उत्तर दिशा में सिर करके सोने से नींद की समस्याएं और तनाव बढ़ सकता है। अपने बेडरूम में इस बात का ध्यान रखें कि सोते समय शीशे में आपका प्रतिबिंब न दिखें। अगर शीशा ऐसी जगह पर है, तो रात में इसको पर्दे से ढक दें।

बेडरूम में आमने-सामने दो शीशें लगाने से भी तनाव बढ़ता है। वहीं अगर बिस्तर के ठीक ऊपर कोई बीम है, तो वहां से बिस्तर हटा लें। या फिर बीम को फॉल्स सीलिंग से ढक लें। बीम के नीचे सोने से मानसिक दबाव बढ़ता है।

इसके अलावा घर में कहीं भी धूल, कचरा या मकड़ी के जाले न जमने दें। खासकर घर के कोनों में अच्छे से सफाई करें। घर की गंदगी निगेटिविटी और मानसिक बोझ को बढ़ाता है। घर से टूटी हुई या दरार आई हुई चीजों को हटा दें। टूटी या दरार आई हुई चीजें नकारात्मकता लाती हैं, जोकि रिश्ते में तनाव व कलह का कारण बनती हैं। घर के पूर्व-उत्तर कोने को हमेशा साफ, हल्का और खाली रखें। क्योंकि यह दिशा शांति और मानसिक स्पष्टता से जुड़ी है। इसलिए इस दिशा में भारी सामान रखने से बचना चाहिए।

मानसिक तनाव को कम करने के लिए घर के ईशान कोण में किसी बड़े पात्र में साफ जल भरकर रखें। या फिर इस जगह एक छोटा सा पानी का फाउंटेन लगाएं।

एकादशी के दिन तुलसी तोड़ना चाहिए या नहीं?

अक्सर लोगों के मन में यह प्रश्न उठता है कि क्या एकादशी के दिन तुलसी जी को स्पर्श करना या उन्हें जल अर्पित करना शुभ होता है या अशुभ। इस विषय को लेकर कई तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं, जिनके कारण लोग भ्रम में पड़ जाते हैं। आइए आपको बताते हैं प्रेमानंद महाराज ने इस पर क्या बताया है। हिंदू धर्म में तुलसी पौधा को पूजनीय माना गया है। हर घर में तुलसी मां की पूजा जरुर की जाती है। तुलसी का पौधा आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टि से पूजनीय है। माता लक्ष्मी का स्वरुप है तुलसी जी। तुलसी की पूजा करने बेहद पुण्यदायक माना जाता है। सनातन धर्म में पूजा पाठ को लेकर कई नियम बताएं है। ऐसे में मां तुलसी की पूजा करने के कुछ जरुरी नियम है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कई घरों में एकादशी के दिन तुलसी की पत्तियां नहीं तोड़ी जाती है। इसके अलावा तुलसी के पौधे को जल देना शुभ नहीं होता है। आपके मन में भी अक्सर सवाल जरुर आता होगा कि एकादशी के दिन तुलसी जी को स्पर्श करना या जल चढ़ाना शुभ माना जाता है या अशुभ।

तुलसी की पूजा क्यों जरुरी है?

तुलसी जी की पूजा, दर्शन और सेवा करने से सभी प्रकार के पापों का नाश होता है। तुलसी की मंजरी को भगवान के चरणों में अर्पित करने वाला व्यक्ति, चाहे वह कितना भी दोषयुक्त क्यों न हो, यमपुरी का भय कभी महसूस नहीं करता। घर में तुलसी का पौधा लगाने से श्राद्ध कर्म करने जितना कल्याण होता है और पितर भी तृप्त होते हैं।

केन्द्रीय अनुबंध में शुभमन को मिल सकता है प्रमोशन, विराट और रोहित का होगा डिमोशन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) साल 2026 के लिए केन्द्रीय अनुबंध में बदलाव कर सकता है। आने वाले दिनों मे इस बार में घोषणा होने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनसार बीसीसीआई खिलाड़ियों की ग्रेडिंग में बड़े बदलाव करने जा रहा है। इसके तहत जहां अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली का डिमोशन हो सकता है। वहीं शुभमन गिल का प्रमोशन हो सकता है।

रोहित और विराट अभी तक ए प्लस ग्रेड में रखा गया था पर अब उन्हें इसे हटना पड़ेगा क्योंकि अब ये दोनो एक ही प्रारुप खेलते हैं। ए प्लस केवल उन्हीं को मिलता है जो तीनो ही प्रारुप खेलते हैं। रोहित और विराट ने टेस्ट और टी20 से संन्यास ले लिया है। वहीं शुभमन गिल अब दो प्रारुप में कप्तानी कर रहे हैं। इसलिए उन्हें ए प्लस ग्रेड में लाया जाना तय है। शुभमन का प्रदर्शन भी लगातार अच्छा रहा है। वहीं युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को भी इस बार अनुबंध मिल सकता है।

ईशान साल 2025 की केन्द्रय अनुबंध सूची में शामिल नहीं थे पर अब उन्हें 2026 की नई सूची में शामिल किया जा सकता है। ईशान को टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है, इससे भी उन्हें अनुबंध में जगह मिलना तय माना जा रहा है।

ग्रेड में शुभमन के अलावा रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह को ए प्लस + ग्रेड में रखा जा सकता है। ये तीनों खिलाड़ी सभी प्रारुपों में भारतीय टीम से खेल रहे हैं। खिलाड़ियों के केन्द्रीय अनुबंध के अलावा बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट में अंपायरों और मैच रेफरी की मैच फीस बढ़ाने की भी घोषणा कर सकता है। यह फैसला घरेलू सर्किट के लिए अहम माना जा रहा है।

भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए पाकिस्तान खिलाड़ी पर बड़ी कार्रवाई, मिली कठोर सजा

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के जाने-माने इंटरनेशनल कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत को नेशनल फेडरेशन ने कठोर सजा देते हुए हुए उन्हें अनिश्चित काल के लिए बैन कर दिया है क्योंकि उन्होंने इस महीने की शुरुआत में बहरीन में एक प्राइवेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम के लिए खेला था। पाकिस्तान कबड्डी फेडरेशन (PKF) ने एक इमरजेंसी मीटिंग के बाद यह बैन लगाया। फेडरेशन ने राजपूत को बिना फेडरेशन या दूसरे संबंधित अधिकारियों से जरूरी नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) लिए विदेश जाकर टूर्नामेंट खेलने का दोषी पाया।

PKF के सेक्रेटरी राणा सरवर ने कहा कि राजपूत के पास डिसिप्लिनरी कमेटी के सामने अपील करने का अधिकार है। सरवर ने कहा कि फेडरेशन ने इस बात को गंभीरता से लिया कि राजपूत न सिर्फ बिना NOC के विदेश गए बल्कि उन्होंने भारत टीम का प्रतिनिधित्व किया, उसकी जर्सी पहनी और एक मैच जीतने के बाद भारतीय झंडा अपने कंधों पर लपेट लिया। सरवर ने कहा, 'लेकिन उसने (राजपूत) दावा किया है कि यह पूरी तरह से गलतफहमी थी और उसे कभी नहीं बताया गया था कि वह जिस टीम के लिए प्राइवेट टूर्नामेंट में खेलेगा, वह भारतीय टीम होगी। लेकिन वह फिर भी NOC नियमों का उल्लंघन करने का दोषी है।' राजपूत तब मुश्किल में पड़ गए जब GCC कप के दौरान भारतीय जर्सी पहने और भारतीय झंडा लहराते हुए उनके वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। सरवर ने आगे कहा कि NOC लिए बिना इस इवेंट में हिस्सा लेने के लिए दूसरे खिलाड़ियों पर भी बैन लगाया गया है और जुर्माना लगाया गया है। राजपूत ने पहले माफी मांगी थी, जिसमें कहा था कि उन्हें बहरीन में टूर्नामेंट में खेलने के लिए बुलाया गया था और उन्हें एक प्राइवेट टीम में शामिल किया गया था।

उन्होंने कहा था, 'मुझे बाद में पता चला कि उन्होंने टीम का नाम भारत टीम रखा था और मैंने आयोजकों से कहा कि वे भारत और पाकिस्तान के नामों का इस्तेमाल न करें। पहले भी प्राइवेट कॉम्पिटिशन में, भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ी एक साथ एक प्राइवेट टीम के लिए खेले हैं, लेकिन कभी भी भारत या पाकिस्तान के नाम से नहीं। मुझे बाद में पता चला कि मुझे गलत तरीके से भारतीय टीम के लिए खेलते हुए दिखाया गया, जिसके बारे में मैं विवाद के बाद सोच भी नहीं सकता।'

अब 2026 टी20 विश्वकप जीतना चाहती है भारतीय महिला टीम : हरमनप्रीत

–श्रीलंकाई टीम के खिलाफ सीरीज से अभ्यास का अच्छा अवसर मिला

त्रिवेंद्रम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि अब उनकी टीम का लक्ष्य 2026 टी20 विश्वकप जीतना है। भारतीय टीम ने इसी साल हरमनप्रीत की कप्तान में एकदिवसीय विश्वकप जीता था जिसके बाद से ही उसके हौंसले बुलंद हैं। श्रीलंका के खिलाफ जारी सीरी में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसने पांच मैचों की सीरीज के शुरुआती तीन मैच आसानी से जीत लिए हैं।

हरमनप्रीत ने साफ किया कि श्रीलंका के खिलाफ इस सीरीज से आने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम को अभ्यास का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि टीम ने श्रीलंका के खिलाफ अधिक आक्रामक रवैया अपनाया है। ताकि एक प्रयोग किया जा सके। हरमनप्रीत ने कहा, एकदिवसीय विश्वकप जीतने के बाद हमने तय किया था कि टी20 क्रिकेट में अपने स्तर को और आगे ले जाना है। इसी कारण आक्रामक रुख अपनाया गया है। विश्व कप में जीत के लिए आक्रामक तरीके से खेलना बहुत जरूरी होता है। इसी को देखते हुए अभ्यास के तौर पर इस सीरीज में टीम आक्रामक रही।

हरमनप्रीत ने कहा कि भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। साथ ही कहा कि इससे भारतीय टीम की गेंदबाजी ताकत उभरकर सामने आयी है। टी20 प्रारुप में गेंदबाजों की भूमिका बेहद अहम होती है। इसमें विरोधी टीम को छोटे स्कोर पर रोकना होता है जिसमें भारतीय गेंदबाज सफल रहे हैं।

चमारी अथापथु ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाली पहली श्रीलंकाई महिला क्रिकेटर बनीं

तिरुवनंतपुरम (केरल) (एजेंसी)। श्रीलंका की महिला कप्तान चमारी अथापथु ने इतिहास रच दिया है। वह अपने देश के लिए 150 टी20आई मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। इस अनुभवी क्रिकेटर ने रविवार को तिरुवनंतपुरम में हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय महिला टीम के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज के चौथे टी20आई के दौरान यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

महिला टी20आई क्रिकेट में अथापथु ने 25.23 की औसत और 109.97 के स्ट्राइक रेट से 3507 रन बनाए हैं जिसमें तीन शतक और 13 अर्धशतक शामिल हैं। गेंदबाजी में 35 वर्षीय खिलाड़ी ने 25.73 की औसत और 6.62 की इकॉनमी से 63 विकेट लिए हैं। उनके नाम एक बार 4 विकेट लेने का रिकॉर्ड है। इससे पहले श्रीलंका ने टॉस जीतकर ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत के खिलाफ चौथे टी20आई में पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

भारतीय महिला और श्रीलंकाई महिला टीमें टी20आई क्रिकेट में 29 बार एक-दूसरे का सामना कर चुकी हैं। इनमें से ब्लू टीम ने 23 जीत हासिल की हैं और 5 हार का सामना किया है। दोनों देशों के बीच एक मैच का कोई नतीजा नहीं निकला। चल रही पांच मैचों की टी20आई सीरीज में भारत ने पहला मैच 8 विकेट से, दूसरा 7 विकेट से और तीसरा 8 विकेट से जीतकर 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। मेहमान टीम चौथे टी20आई में वापसी करने की कोशिश करेगी।

टॉस जीतने के बाद अथापथु ने कहा, 'ओस के कारण पीछा करना थोड़ा आसान है। हमें अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलना होगा और कम से कम 140 रन बनाने की कोशिश करनी होगी। यह एक अच्छा स्कोर होगा। हमारी टीम में दो बदलाव हैं, मल्की मदारा और इनोका राणावीरा आज आराम कर रही हैं, काव्या कविंदी और रश्मिका टीम में हैं।''

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा, 'हम आज पहले बल्लेबाजी करना चाह रहे थे, हम खुश हैं। जेमीमा नहीं खेल रही हैं क्योंकि वह ठीक नहीं हैं और क्रांति आराम कर रही हैं। अरुंधति और हरलीन वापस आ गई हैं। यह हर किसी को मौका देने के लिए एक आदर्श श्रृंखला है। खुशी है कि यह सब योजना के तहत आ रहा है। मैं कोई लक्ष्य दिमाग में नहीं रख रही हूं। उम्मीद है कि हम अच्छा स्कोर बनाएंगे।'

प्लेइंग इलेवन

भारत महिला : शैफाली वर्मा, स्मृति मंधाना, हरलीन देयोल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, वैष्णवी शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी।

श्रीलंका महिला : हासिनी परेरा, चमारी अथापथु (कप्तान), हर्षिता समरविक्रमा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, नीलाक्षिका सिल्वा, कौशानी नुथ्यांगना (विकेटकीपर), मालशा शेहानी, रश्मिका सेवंडी, काव्या कविंदी, निमशा मदुशानी।

ब्रेट ली ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के हॉल ऑफ फेम में शामिल

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली को संन्यास के एक दशक से भी अधिक समय के बाद हॉल ऑफ फेम में जगह मिली है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अनुसार ब्रेट ली को साल 1999 से 2012 तक शानदार प्रदर्शन के कारण सम्मानित किया जा रहा है। इस तेज गेंदबाज ने अपने करियर के 76 टेस्ट मैचों में 310 विकेट लेने के साथ ही 221 एकदिवसीय मैच मैचों में 380 विकेट लिए। इसके अलावा 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 28 विकेट अपने नाम किये। इस गेंदबाज ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिक्सर्स की ओर से भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। ली एशेज विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं। इसके अलावा उनके रहते टीम ने तीन विश्वकप कप खिताब भी जीते हैं। वह साल 1999, 2003 और 2007 की खिताब विजेता टीम में शामिल रहे हैं। ली ने साल 2008 में एलन बॉर्डर पदक जीता और साल 2006 में उन्हें विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर का सम्मान दिया गया। वह ऑस्ट्रेलिया के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। इस तेज गेंदबाज के प्रशंसकों की भारी तादाद है। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम के चेयरमैन पीटर किंग ने कहा, 'ब्रेट ली ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल होने के योग्य हैं। वह विश्व के सबसे तेज गेंदबाजों में से एक होने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के ब्रांड एंबेसडर भी रहे हैं।' संन्यास के बाद से ही वह एक कमेंटेटर के रूप में खेल से जुड़े हुए हैं। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम उन खिलाड़ियों का सम्मान करता है जिनके करियर ने खेल पर अपना प्रभाव छोड़ा है।'

स्टार्क डब्ल्यूटीसी सत्र में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने इंग्लैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में दो विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अब स्टार्क इस साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 सत्र में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये हैं। अभी तक इस साल डब्ल्यूटीसी में सबसे अधिक विकेट भारत के में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के नाम पर थे। वहीं अब सिराज दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं। स्टार्क पेसर स्टार्क ने डब्लयूटीसी 2025-27 में अब तक 7 मैचों की 14 पारियों में 41 विकेट लिए हैं। वहीं सिराज ने 9 टेस्ट मैचों में 39 विकेट अपने नाम किये हैं। स्टार्क ने अब तक इस एशेज 2025-26 सीरीज में सबसे अधिक विकेट लिए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों में उन्होंने 26 विकेट लिए हैं। स्टार्क ने अब तक 53 टेस्ट मैचों में 217 विकेट अपने नाम किए हैं। अगर वह एशेज सीरीज के पांचवें टेस्ट में 8 विकेट और हासिल कर लेते हैं, तो वह अपने ही साथी गेंदबाज नाथन लायन को पीछे छोड़कर डब्लयूटीसी इतिहास के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन सकते हैं। डब्ल्यूटीसी में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में तीसरे नंबर पर इंग्लैंड के जोश टंग हैं। टंग ने 5 मैच में 31 विकेट लिए हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के साइमन हार्मर ने 4 मैच में 30 और इंग्लैंड के बेन स्टोक्स ने 8 मैच में 30 विकेट लिए हैं।

अभिषेक शर्मा ने नेट अभ्यास के दौरान दिखाया जलवा, गेंद को मैदान से भेजा बाहर

जयपुर (एजेंसी)। पंजाब के कप्तान अभिषेक शर्मा यहां रविवार की सुबह अपने नेट सत्र के लगभग 10 मिनट बाद रुके और टीम के अपने साथी खिलाड़ी गौरव चौधरी की ओर मुड़े और एक सवाल पूछा जिससे उनके इरादे और कल्पना का पता चलता है। उन्होंने पूछा, 'क्षेत्ररक्षण कैसा है।'

अभिषेक ने यह सवाल काल्पनिक क्षेत्ररक्षकों के बारे में पूछा। ऑफ स्पिनर चौधरी ने तुरंत जवाब दिया, 'मिड ऑफ पर एक रन बचाने के लिए रखा है।' इसके बाद जो हुआ वह अनुमानित लेकिन रोमांचक था। अभिषेक ने अपने चिरपरिचित अंदाज में बल्ला घुमाया और गेंद को मैदान से बाहर भेज दिया। दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज ने लगभग एक घंटे अभ्यास किया और इस दौरान डिफेंस को कोई तवज्जो नहीं दी। उन्होंने जयपुर शहर की सीमा से थोड़ी दूर खेत की जमीन पर बने खूबसूरत अनंतम क्रिकेट ग्राउंड पर कम से कम 45 छक्के लगाए।

यह एक विशेष बल्लेबाजी सत्र जैसा लग रहा था जहां अभिषेक सिर्फ स्पिनरों का सामना करना चाहते थे। एक ऐसी पिच पर ऑफ स्पिनर, लेग स्पिन और बाएं हाथ की धीमी गेंदबाजी का सामना जहां गेंद बार-बार रुककर आ रही थी और अगर गेंदबाज सही जगह पर गेंद डालते तो काफी टर्न मिल रहा था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने मैदानकर्मियों को हल्का रोलर चलाने के लिए कहा लेकिन मुश्किलें कम नहीं हुई क्योंकि नेट गेंदबाजों की गेंदें लगातार परेशान कर रही थीं। कुछ गेंद अप्रत्याशित रूप से ऊपर उठ रही थीं जबकि कुछ खतरनाक तरीके से नीचे रह रहीं थी।

जब भी लेंथ थोड़ी छोटी होती तो अभिषेक को परेशानी होती लेकिन जिस तरह से वह अपने पैरों का इस्तेमाल कर रहे थे वह देखना बहुत शानदार था। गेंद को खेलने से चूकने और उछलते हुए देखने के बाद वह पिच पर आगे बढ़ते और अपने बल्ले से निशान पर टैप करते और फिर अपनी महारत दिखाते। छोटी लेंथ की गेंद पर वह पिच पर आगे बढ़कर ऑफ स्पिन और गुगली (जो बाएं हाथ के बल्लेबाज से दूर जाती थी) के खिलाफ एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से इनसाइड-आउट शॉट लगाते थे। कम से कम पांच बार गेंद पास की एक ऊंची रिहायशी इमारत के परिसर में गिरी।

इनसाइड-आउट शॉट इतनी बार दोहराया गया कि टीम के मुख्य कोच संदीप शर्मा ने मजाक में कहा, 'तू अपना शतक पूरा करने के लिए सिर्फ एक्स्ट्रा कवर के ऊपर ही छक्के मारना चाहता है।% गलत शॉट के लिए शॉर्ट एक्स्ट्रा कवर पर एक लाल क्षेत्ररक्षण नेट लगाया गया था। वह एक बार उस जाल में फंस गए लेकिन जल्दी ही सामंजस्य बैठाया और कुछ सीधे छक्के मारने का फैसला किया। जब 25 साल का खिलाड़ी बाकी टीम के लगभग 45 मिनट बाद ट्रेनिंग के लिए आया तो वह पांच केंद्रीय पिच में से एक पर अभ्यास करना चाहते थे। ये सभी लाल मिट्टी की पिचें थीं।

हालांकि मैच की पिच तय नहीं हुई थी इसलिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) के नियमों के अनुसार उन्हें वहां बल्लेबाजी करने की इजाजत नहीं थी। फिर उन्होंने लगभग 40 मिनट तक बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी की और मुख्य कोच तथा सहायक कोच उदय कौल के साथ बल्लेबाजी के बारे में बात की। जब पूरी टीम का सत्र पूरा हो गया तो कप्तान के लिए पैड पहनने का समय था।

उन्होंने शुरू में तेज गेंदबाजों का सामना करने का फैसला किया लेकिन एक युवा नेट गेंदबाज लगातार पांचवें स्टंप की लाइन पर गेंदबाजी कर रहा था जिससे अभिषेक ने सलाह दी, 'भाई, तुम स्टंप्स के करीब गेंदबाजी करो।'' दुनिया के सबसे बेहतरीन टी20 बल्लेबाजों में से एक अभिषेक ने खुद को हर कीमत पर आक्रमक करने के लिए तैयार किया है जो टीम की सामूहिक सोच को दिखाता है। छक्के मारना उनके लिए स्वाभाविक लगता है। एक घंटे के नेट सत्र के दौरान वह तीन से चार बार आउट हुए और हर बार डिफेंस करते हुए। आक्रामक रवैया दिखाते हुए वह हमेशा नियंत्रण में दिखे। कुछ ऐसा ही भारत अगले नौ हफ्तों में देखने की उम्मीद करेगा।

पूर्व इंग्लैंड स्ट्राइकर कैरोल गिरफ्तारी के बाद कोर्ट में पेश होंगे

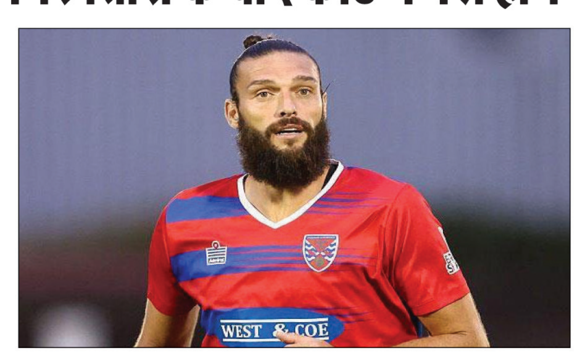

लंदन । न्यूकैसल यूनाइटेड, लिवरपूल और इंग्लैंड के पूर्व स्ट्राइकर एंडी कैरोल को मंगलवार को कोर्ट में पेश होना है, उन पर नॉन-मोलस्टेशन ऑर्डर का उल्लंघन करने का आरोप है। स्पोर्ट के अनुसार 36 साल के कैरोल, जो अब नेशनल लीग साउथ साइड डेगनहम एंड रेडब्रिज के लिए खेलते हैं, को अप्रैल में गिरफ्तार किया गया था और कथित अपराध एक महीने पहले किया गया था। 36 साल के खिलाड़ी, जिन्होंने इंग्लैंड के लिए 9 मैच खेले हैं और जिन्हें 2011 में लिवरपूल ने उस समय के क्लब रिकॉर्ड फीस 35 मिलियन यूरो में साइन किया था, उन्हें चेम्सफोर्ड मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश होना है। एसेक्स पुलिस ने कहा, 'एक व्यक्ति पर नॉन-मोलस्टेशन ऑर्डर का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। एपिंग के रहने वाले 36 साल के एंड्रयू कैरोल को 27 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था और कथित अपराध मार्च की एक घटना से संबंधित हैं। उन्हें 30 दिसंबर को चेम्सफोर्ड मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश होना है।' नॉन-मोलस्टेशन ऑर्डर एक कोर्ट का आदेश होता है जो आमतौर पर किसी व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति से बात करने से रोकने के लिए जारी किया जाता है और यह किसी को किसी खास पते या काम की जगह से एक निश्चित दूरी के अंदर आने से भी रोक सकता है। नॉन-मोलस्टेशन ऑर्डर के उल्लंघन की सजा जुर्माने से लेकर सबसे गंभीर मामलों में पांच साल तक की जेल हो सकती है।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने दो बड़े अंतरराष्ट्रीय पदक जीतकर किया वर्ष 2025 का सफल समापन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने दो बड़े अंतरराष्ट्रीय पदक सुल्तान ऑफ जोहोर कप में रजत और एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु में कांस्य जीतकर वर्ष 2025 का समापन एक बहुत ही सफल साल के तौर पर किया। पूरे साल पीआर श्रीजेश के मार्गदर्शन में कई गहन राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से कोच ने एक टीम बनाई और खिलाड़ियों को दिसंबर में जूनियर विश्व कप के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार किया।

भारत की प्रतिस्पर्धी तैयारी जून में चार देशों के टूर्नामेंट से शुरू हुई, जो अच्छी यूरोपीय टीमों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण तैयारी का अवसर था। मेजबान जर्मनी के साथ-साथ स्पेन और ऑस्ट्रेलिया का सामना करते हुए, भारतीय जूनियर टीम ने बड़ी टीमों के खिलाफ अपनी योजना परीक्षण किया और टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रही।

उन्होंने अक्टूबर में 2025 सुल्तान ऑफ जोहोर कप में उसी लय और सीख को आगे बढ़ाया, जहां भारत ने रजत पदक जीतने के लिए एक मजबूत और लगातार प्रदर्शन किया। टीम ने ग्रेट ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और मलेशिया पर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की और पाकिस्तान के साथ 3-3 से ड्रॉ भी खेला और लीग चरण में शानदार प्रदर्शन के बाद फाइनल में पहुंची।

खिताबी मुकाबले में भारत ने 59वें मिनट में एक दुर्भाग्यपूर्ण गोल खाया और ऑस्ट्रेलिया से 1-2 से हार गई और रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह सारी तैयारी टीम को FIH हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु 2025 तक ले गई, जो सीजन का सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट था, जहाँ भारत ने घरेलू धरती पर एक यादगार अभियान चलाया।

भारत ने पूल चरण में क्रमशः चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड पर तीन आसान जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की और नॉकआउट राउंड में प्रवेश किया। क्वार्टर-फ़ाइनल एक निर्णायक पल साबित हुआ, क्योंकि भारतीय टीम ने अपना संयम बनाए रखा और शूटआउट में बेल्जियम को 4-3 से हराकर सेमी- फाइनल में जगह बनाई। गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह ने शूटआउट में दो अहम बचाव करके शानदार क्लास और हिम्मत दिखाई, जिससे भारत टूर्नामेंट में आगे बढ़ सका।

दुर्भाग्य से भारत सेमी-फाइनल में चैंपियन जर्मनी से 1-5 से हार गया, लेकिन तीसरे/चौथे स्थान के प्लेऑफ में टीम ने शानदार वापसी करते हुए अर्जेंटीना के खिलाफ अविश्वसनीय प्रदर्शन किया और कांस्य पदक हासिल किया। चौथे क्वार्टर तक दो गोल से पीछे होने के बावजूद, भारत ने मैच के आखिरी 15 मिनट में अपना सब कुछ लगा दिया और लगातार चार गोल करके मैच को अपने नाम किया और साल का दूसरा अंतरराष्ट्रीय पदक जीता।

मनमीत सिंह छह गोल के साथ भारत के सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी रहे, जबकि शरदानंद तिवारी और दिलराज सिंह ने पांच-पांच गोल किए। जैसे-जैसे साल आगे बढ़ा, भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम एक स्थिर और आत्मविश्वासी टीम के रूप में सामने आई। कई खिलाड़ियों ने अहम पलों पर शानदार प्रदर्शन किया।

कप्तान रोहित पूरे सीजन में एक प्रभावशाली कप्तान के रूप में उभरे और साथ ही उन्होंने अपनी ड्रैगफ्लिकिंग स्किल्स को भी बेहतर बनाया, जो अहम मैचों में एक मुख्य हथियार बन गया। आक्रमण में, दिलराज सिंह और अर्शदीप सिंह ने लगातार गोल किए, जिससे भारत को फॉरवड लाइन में बढ़त मिली। डिफेंस में, प्रिंस दीप सिंह एक भरोसेमंद खिलाड़ी के रूप में परिपक्व हुए, उन्होंने ज़्यादा दबाव वाली स्थितियों में भी शांत प्रदर्शन किया, जबकि अनमोल एक्का टीम के इंजन के रूप में उभरे, उन्होंने मिडफील्ड से खेल को नियंत्रित किया और डिफेंस को आक्रमण से जोड़ा।

FIH हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु 2025 में कांस्य पदक और 2025 सुल्तान ऑफा जोहोर कप में रजत पदक के साथ, इस सीजन में न केवल नतीजे मिले, बल्कि हॉकी इंडिया के विजन के तहत भारतीय हॉकी के भविष्य के लिए एक मजबूत नींव भी रखी गई है।

बॉक्सिंग डे टेस्ट दो दिनों में समाप्त होने से क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को हुआ करोड़ों का नुकसान

मेलबर्न । यहां एशेज सीरीज का चौथा क्रिकेट टेस्ट मैच दो दिनों के अंदर खत्म होने के बाद जहां पिच पर सवाल उठे हैं। वहीं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को भी भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इससे पहले से ही घाटे में जा रहे सीएक की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम को चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले तीन टेस्ट जीते हैं जिससे एशेज सीरीज पहले ही उसने जीत ली है। साल 2024-25 वित्तीय वर्ष सीए के लिए खास अच्छा नहीं रहा। भारत के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज़ में भी उसे तकरीबन 68.05 करोड़ का घाटा हुआ। 2025-26 एशेज सीरीज़ से उसे लाभ में रहने की उम्मीद थी पर ऐसा नहीं हुआ। इसका एक कारण मैचों का दो से तीन दिन में समाप्त होना भी है जिससे खेल का रोमांच कम हुआ है। पहला टेस्ट पर्थ में दो दिन में समाप्त हो गया था जिससे सीए को 30 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। क्योंकि इससे इससे टिकट बिक्री प्रभावित हुई थी। वहीं मेलबर्न क्रिकेट मैदान में खेला गया चौथा टेस्ट भी केवल दो दिनों में ही समाप्त हो गया। इसके बाद सीए को करीब 60.22 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। बॉक्सिंग डे पर 94,199 दर्शक मैदान में आये थे। वहीं दूसरे 92,045 दर्शक थे। दूसरे दिन ही मैच समाप्त होने के कारण उसे तीसरे और चौथे दिन के टिकटों से मिलने वाली राशि का नुकसान हुआ। मैच जल्दी समाप्त होने के कारण सीए को सभी टिकटों का पैसा वापस लौटाना पड़ा। सीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने भी माना है कि मैच समय से पहले समाप्त होना नुकसानदेह साबित हो रहा है। उन्होंने कहा, एक प्रशंसक के तौर पर यह मैच जितना रोमांचक, आकर्षक और आनंददायक था, उतना ही हम चाहते हैं कि टेस्ट क्रिकेट लंबे समय तक चले। छोटे टेस्ट से बोर्ड को आर्थिक नुकसान होता है।'

सेना की फायरिंग रेंज में ब्लास्ट में चार जवान घायल, दो की हालत गंभीर

सहारनपुर (एजेंसी)। मिर्जापुर क्षेत्र स्थित सेना की फायरिंग रेंज में नियमित अभ्यास के दौरान अचानक हुए ब्लास्ट में चार जवान घायल हो गए। धमाके की आवाज सुनते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और अभ्यास रोक दिया गया। घटना के तुरंत बाद घायल जवानों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने प्राथमिक उपचार किया। बेहट सीएचसी के चिकित्सकों के मुताबिक चारों जवानों को चोटें आई हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। गंभीर रूप से घायल जवानों को जिला अस्पताल रेफर किया है, जबकि अन्य दो जवानों का इलाज वहीं किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही सेना के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। इसके साथ ही स्थानीय पुलिस भी फायरिंग रेंज पर पहुंची और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाया गया, ताकि किसी और अनहोनी से बचा जा सके। सुरक्षा कारणों से पूरे क्षेत्र को अस्थायी रूप से सील कर दिया। जिला अस्पताल प्रशासन ने भी इमरजेंसी वार्ड को अलर्ट मोड पर रखा। अतिरिक्त डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ तैनात किए गए ताकि घायल जवानों को तुरंत और बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। गंभीर जवानों का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक हादसा तब हुआ जब फायरिंग रेंज में नियमित ट्रेनिंग चल रही थी। अचानक हुए ब्लास्ट में चार जवान घायल हो गए। हालांकि, ब्लास्ट के कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि सभी घायल जवानों का इलाज किया जा रहा है और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। घटना के कारणों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जांच पूरी होने के बाद ही यह साफ होगा कि हादसा तकनीकी खराबी, मानवीय चूक या किसी अन्य कारण से हुआ।

नए साल के स्वागत के लिए दिल्ली तैयार... 20,000 जवान पर रहेगी सुरक्षा की जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए साल के स्वागत के लिए दिल्ली पूरी तरह तैयार है, लेकिन इस दौरान सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस ने विशेष तैयारी की हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शराब पीकर गाड़ी चलाने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर इस बार कड़ी नजर रहेगी। नए साल की पूर्व संध्या पर दिल्ली की सड़कों, बाजारों और मॉल के आसपास दिल्ली पुलिस, ट्रैफिक पुलिस और अर्धसैनिक बलों के लगभग 20,000 जवान तैनात रहने वाले है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आने वाली भीड़ को देखते हुए दिल्ली की सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रवेश द्वारों पर हर वाहन की जांच होगी। कनॉट प्लेस, हौज खास और प्रमुख शॉपिंग मॉल्स के आसपास विशेष नाकेबंदी की गई है। रणनीतिक स्थानों पर त्वरित प्रतिक्रिया टीमें (क्यूआरटी) तैनात रहेंगी। ट्रैफिक पुलिस ने खतरनाक ड्राइविंग और स्टंटबाजी रोकने के लिए सख्त योजना तैयार की है। शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की पहचान के लिए पुलिस बड़े पैमाने पर ब्रेथ एनालाइजर का उपयोग करेगी। पुलिस अधिकारियों ने साफ किया है कि शराब पीकर वाहन चलाने या खतरनाक स्टंट करने पर वाहन को तुरंत जब्त किया जाएगा। कनॉट प्लेस के इनर सर्कल में केवल वैध स्टिकर वाले वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति मिलेगी। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस होटल, गेस्ट हाउस और रैन बसेरों की लगातार चेकिंग कर रही है। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है ताकि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की पहचान की जा सके। सभी थाना प्रभारियों को पूरी रात सड़कों पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

स्टॉक और आईपीओ से पैसा होगा डबल........कहकर लगा दिया 16 लाख रुपये का चूना

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात के कच्छ जिले में साइबर ठगी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें एक शख्स ने फेक स्टॉक और आईपीओ में निवेश कर अपनी पूरी कमाई, करीब 16 लाख रुपये, गंवा दी। यह धोखाधड़ी वाटसएप के जरिए हुई, जहां पीड़ित को एक प्रोफेशनल निवेश ग्रुप में शामिल किया गया। शामिल करने के बाद ग्रुप में उन्हें कई फेक दावे दिखाए गए और बताया गया कि स्टॉक मार्केट और आईपीओ में निवेश करके मोटी कमाई की जा सकती है। जुलाई में पीड़ित को एक लिंक भेजा गया, जिसमें ऑनलाइन फॉर्म भरने और एक एप इंस्टॉल करने को कहा गया। शुरुआत में विक्टिम ने 5,000 रुपये निवेश किए और 5,245 रुपये का रिटर्न देखा, जिससे उनका विश्वास बढ़ गया और उन्होंने और पैसे निवेश करना शुरू किया। साइबर ठगों ने अलग-अलग बैंक खातों में रुपये जमा कराए और कुल 16 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। बाद में, पीड़ित के वॉलेट में 18 लाख रुपये का लोन दिखाई दिया, जिससे वह हैरान रह गए। जब उन्होंने पैसे निकालने की कोशिश की, तब उन्हें प्रोसेसिंग फीस के नाम पर अतिरिक्त 9 लाख रुपये की डिमांड की गई। इस घटना के बाद पीड़ित को धोखाधड़ी का शक हुआ और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद गुजरात पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसतरह के निवेश ग्रुप्स में शामिल होने और जल्दी अमीर बनने के लालच में आने से बचना चाहिए। यह साइबर ठगों की पुरानी और आम चाल है, जिसमें बहुत से लोग फंस चुके हैं। इसतरह के मामले चेतावनी हैं कि ऑनलाइन निवेश और कमाई के झांसे में सावधानी बरतनी बेहद जरूरी है।

छात्रों के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने वाले नेता नजरबंद... महबूबा, इल्तिजा और रुहुल्लाह मेहदी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ छात्रों के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष और पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी सहित कई नेताओं को नजरबंद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि महबूबा मुफ्ती, उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती, श्रीनगर से लोकसभा सदस्य रुहुल्लाह मेहदी, पीडीपी नेता वहीद पारा और श्रीनगर के पूर्व महापौर जुनैद मट्टू को उनके घरों में नजरबंद किया गया। जिला प्रशासन ने कदम इन नेताओं द्वारा उन छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त प्रकट करने के बाद उठाया, जिन्होंने गुपकर रोड पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। इन नेताओं ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा मुद्दे के समाधान के लिए समिति गठित करने के एक साल पूरे होने के बावजूद कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकलने पर छात्रों की ओर से आयोजित मार्च में शामिल होने की बात कही थी।

विवाद बढ़ने पर दिग्विजय सिंह की सफाई... गोडसे की विचारधारा से कुछ सीखने की जरुरत नहीं

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा के संगठनात्मक ढांचे की प्रशंसा कर राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी थी। लेकिन अब उन्होंने अपने बयान पर सफाई दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विचारधारा के स्तर पर वे अब भी संघ के धुर विरोधी हैं और गांधी के हत्यारे गोडसे की विचारधारा से कांग्रेस को कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है।

दरअसल विवाद की शुरुआत तब हुई जब दिग्विजय ने आरएसएस के अनुशासन और जमीनी कार्यकर्ताओं को शीर्ष पदों तक पहुंचाने की क्षमता की सराहना की थी। अपनी सफाई में उन्होंने कहा, मैंने जो कहना था, कह दिया। मैं पिछले 50 सालों से कांग्रेस में हूं और मैंने विधानसभा से लेकर संसद तक इन सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। मैं भाजपा-आरएसएस की विचारधारा का हमेशा विरोधी रहा हूं और आगे भी इस विचारधारा का विरोधी रहूंगा।

जब सिंह से संघ के अनुशासन के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने तीखा हमला कर कहा कि कांग्रेस को गोडसे जैसे हत्यारों के समर्थकों से कुछ भी सीखने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह जरूर दोहराया कि किसी भी संगठन को समय-समय पर खुद को मजबूत करने की जरूरत होती है।

बात दें कि दिग्विजय के इस बयान ने कांग्रेस के भीतर भी एक नई बहस छेड़ दी है। पार्टी के वरिष्ठ नेता इस मुद्दे पर अलग-अलग राय रखते हैं। तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर ने दिग्विजय सिंह का बचाव करते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक दल के लिए अनुशासन बेहद जरुरी है। थरूर ने कहा, हमारी पार्टी का 140 साल का लंबा इतिहास है और हम अपने अतीत से बहुत कुछ सीख सकते हैं। मैं भी चाहता हूँ कि हमारा संगठन मजबूत और अनुशासित बने।

वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कड़ा रुख दिखाकर कहा कि आरएसएस से सीखने जैसा कुछ नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि गोडसे के लिए जाने जाने वाला संगठन भला गांधी द्वारा स्थापित संगठन को क्या सिखा सकता है?

यह विवाद तब शुरू हुआ जब दिग्विजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 1995 की पुरानी तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में पीएम मोदी जमीन पर बैठे दिख रहे थे और उनके पास तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष एल.के. आडवाणी मौजूद थे। इस फोटो के जरिए दिग्विजय ने संकेत दिया था कि कांग्रेस को यह सीखना चाहिए कि कैसे आरएसएस और भाजपा अपने जमीनी कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने का मौका देती हैं।

कोहरे का कहर : वंदे भारत-दरभंगा हमसफर सहित 60 से ज्यादा ट्रेनों के पहिए थमे

नई दिल्ली। सर्दी और कोहरे से लगभग पूरा उत्तर भारत परेशान है। खासकर कोहरे के कहर ने जहां जनजीवन प्रभावित किया है वहीं ट्रेनों पर भी इसका असर दिखाई दे रहा है। कोहरे के कारण रविवार को भी रेल यात्रियों की परेशानी बनी रही। दिल्ली आने वाली वंदे भारत, राजधानी, शताब्दी, हमसफर सहित लंबी दूरी की 60 से अधिक ट्रेनें दो से 13 घंटे के विलंब से चल रही हैं। वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस 13.15 घंटे की देरी से चल रही है। देरी से दिल्ली पहुंचने के कारण वापसी दिशा में जाने वाली कई ट्रेनों के प्रस्थान समय में भी बदलाव करना पड़ा है। लंबी दूरी की ट्रेनों के साथ ही कई लोकल ट्रेनें भी आधे घंटे से लेकर एक घंटे की देरी से चल रही हैं।

देरी से चल रही प्रमुख ट्रेनें- नई दिल्ली-सोगरिया (कोटा) सुपरफास्ट एक्सप्रेस, नई दिल्ली-दरभंगा बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर विशेष, नई दिल्ली-अमृतसर शान-ए-पंजाब एक्सप्रेस, नई दिल्ली-लखनऊ स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस, नई दिल्ली-गया महाबोधि एक्सप्रेस, नई दिल्ली-लखनऊ गोमती एक्सप्रेस, हजरत निजामुद्दीन-जबलपुर महाकौशल एक्सप्रेस, हजरत निजामुद्दीन-हुबली सुपरफास्ट एक्सप्रेस, आनंद विहार टर्मिनल-पुरी नीलांचल एक्सप्रेस, आनंद विहार टर्मिनल-जोगबनी सीमांचल एक्सप्रेस, आनंद विहार टर्मिनल-कामाख्या नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस।

दिल्ली में सक्रिय 35 हजार नकली डॉक्टर... कार्रवाई के नाम पर एक पर ही एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में बिना डिग्री और मेडिकल पढ़ाई के लोगों का इलाज कर रहे नकली डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई के मामले में दिल्ली मेडिकल काउंसिल (डीएमसी) के उदासीन रवैये का खुलासा हुआ है।बीते दो सालों में दिल्ली में केवल एक नकली डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, जबकि राजधानी में हजारों की संख्या में इसतरह के लोग गलत इलाज कर लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2024 में 9 मामलों की जांच की गई, लेकिन एक भी मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुई।

इसकी वजह यह रही कि डीएमसी की ओर से एक भी केस पुलिस को एफआईआर दर्ज कराने के लिए नहीं भेजा गया। वहीं, 2025 में अब तक 22 मामलों की जांच हुई, लेकिन केवल एक केस पुलिस को भेजा गया, जिस पर एफआईआर दर्ज की गई। पिछले पांच सालों में दिल्ली में नकली डॉक्टरों के खिलाफ कुल 22 एफआईआर दर्ज हो सकी है। इस बारे में दिल्ली मेडिकल काउंसिल के एंटी क्वैकरी सेल के अधिकारी ने कहा कि साल 2015 में दिल्ली हाई कोर्ट ने आदेश जारी कर एक कमिटी बनाई थी, जिसे हर महीने दिल्ली में छापेमारी करनी थी। हालांकि, यह रिपोर्ट साफ दिखा रही है कि आदेशों का सही तरीके से पालन नहीं हो रहा है। अनुमान के मुताबिक, दिल्ली में 35 से 40 हजार नकली डॉक्टर सक्रिय हैं, जो इलाज के नाम पर आम जनता को ठग रहे हैं। कई बार गरीब मरीजों को इसकी कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है।

एण्डटीवी ने भाबीजी घर पर हैं 2.0, घरवाली पेड़वाली और हप्पू की उलटन पलटन के साथ मनाया क्रिसमस का जश्न

मुंबई (एजेंसी)। हँसी और हल्के-फुल्के मनोरंजन के लिए मशहूर एण्डटीवी इस बार क्रिसमस के जश्न को और भी खास अंदाज में लेकर आया। चैनल ने अपने नए शोज घरवाली पेड़वाली और भाबीजी घर पर हैं 2.0 की शुरूआत की खुशी को क्रिसमस सेलिब्रेशन के साथ मनाया। इस मौके पर भाबीजी घर पर हैं 2.0, घरवाली पेड़वाली और हप्पू की उलटन पलटन की पूरी टीम एक साथ नजर आई। यह जश्न कलाकारों के लिए अपनी व्यस्त शूटिंग से कुछ पल निकालकर आपस में मिलने-जुलने और साथ खुशियाँ साझा करने का एक खूबसूरत अवसर बन गया। सेट को क्रिसमस की आकर्षक सजावट, जगमगाती रोशनी और फेस्टिव इंस्टॉलेशन्स से बेहद खूबसूरती से सजाया गया था, जिसने देखते ही देखते माहौल को हँसी, अपनापन और त्योहारों की खुशियों से भरी एक यादगार शाम में बदल दिया। एण्डटीवी की चीफ चैनल ऑफिसर और हिंदी 5 की बिजनेस हेड, कावेरी दास ने कहा, एण्डटीवी में हमारे लिए कॉमेडी सिर्फ एक जॉनर नहीं, बल्कि एक भावना है, जो लोगों को करीब लाती है। यह जश्न हमारे उस विश्वास को दर्शाता है कि हम स्क्रीन के बाहर भी खुशी और सुकून भरे पल रचें, खासतौर पर तब, जब हम अपने दो नए शोज की शुरूआत का जश्न मना रहे हैं। ऐसे मौके हमें यह याद दिलाते हैं कि ऑफ-स्क्रीन रिश्ते भी उतने ही अहम हैं। यह शाम हमारे कलाकारों के लिए अपनी व्यस्त दिनचर्या से कुछ पल निकालकर आराम करने, आपस में जुड़ने और यादगार पल साझा करने का एक खास अवसर बनी। दर्शकों की पसंदीदा अंगूरी भाबी के रूप में अपनी वापसी की खुशी साझा करते हुए शिल्पा शिंदे ने कहा, अलग-अलग शोज के कलाकारों के साथ क्रिसमस मनाना, पुराने साथियों से दोबारा मिलना और साथ में सुकून भरे पल बिताना मेरी वापसी को और भी खास और भावुक बना गया। पुराने चेहरों से मिलना और नई टीम से जुड़ना बेहद अच्छा लगा। ऐसे मौके सेट पर की गई सारी मेहनत को और भी मायने दे देते हैं। इस पर अपनी बात जोड़ते हुए विभूति नारायण मिश्रा का किरदार निभाने वाले आसिफ शेख ने कहा, जब ऐसे जश्न होते हैं, तो सह-कलाकार सिर्फ को-एक्टर्स नहीं रह जाते, बल्कि परिवार जैसे लगने लगते हैं। यही बात इस शाम को इतना खास और यादगार बना गई।

अक्षय पाटिल की एण्डटीवी के 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में वापसी

मुंबई । एण्डटीवी का लोकप्रिय कॉमेडी शो ह्यभाबीजी घर पर हैं 2.0 एक बार फिर दर्शकों को हँसी से लोटपोट करने के लिए तैयार है। शो में फैन-फेवरेट किरदार पेली की वापसी हो रही है, जिसे निभा रहे हैं अक्षय पाटिल-लेकिन इस बार एक बिल्कुल नए और चौंकाने वाले अवतार में। बिना कुछ बोले ही जबरदस्त असर छोड़ने वाला पेली फिर से लौट आया है, और अपने साथ लेकर आया है ढेर सारी उलझन, अफरा-तफरी और ठहाकों की बरसात। अपने किरदार में वापसी को लेकर अक्षय पाटिल कहते हैं, मैं पेली के एकदम नए अवतार में लौटकर बेहद खुश और उत्साहित हूँ। मुझे यह किरदार हमेशा से बहुत पसंद रहा है। जैसा कि दर्शक जानते हैं, पेली पहले भी ज्यादा नहीं बोलता था और इस बार भी मैं एक शब्द नहीं बोलूँगा। खास बात यह है कि इस बार मैं महिला अवतार में नजर आऊँगा।

कोगिलू गांव में तोड़फोड़ की कार्रवाई ने कांग्रेस के अंदर मचा दी खलबली

-आलाकमान ने कर्नाटक सरकार को संयम और संवेदनशीलता बरतने की दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में चलाए गए डिमोलिशन ड्राइव ने कांग्रेस के अंदर मतभेद उजागर कर दिए हैं। विरोध प्रदर्शन, विपक्षी दलों की आलोचना और पार्टी के अंदरखाने में उठ रही आवाजों के बीच कांग्रेस आलाकमान ने कर्नाटक सरकार को संयम और संवेदनशीलता बरतने की नसीहत दी है। यह पूरा मामला बेंगलुरु के बाहरी इलाके में येलहंका के पास कोगिलू गांव का है। यहां तोड़फोड़ की कार्रवाई ने कांग्रेस पार्टी के अंदर खलबली मचा दी है। इस कार्रवाई के बाद विरोध प्रदर्शन तेज हो गए और विपक्ष के हमलों के साथ-साथ कांग्रेस के अंदर से भी असहज सवाल उठने लगे हैं, जिससे कर्नाटक सरकार बचाव के मोड में आ गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शनिवार को कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार से इस मुद्दे पर बात की। वेणुगोपाल ने कोगिलू गांव से लोगों को हटाने की कार्रवाई को लेकर गहरी चिंता जताई और कहा कि इस तरह के कदमों में कहीं ज्यादा सावधानी, संवेदनशीलता की जरूरत होती है। उन्होंने साफ कहा कि फैसलों में मानवीय कीमत को सबसे ऊपर रखा जाना चाहिए। वेणुगोपाल के मुताबिक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी इस पूरी कार्रवाई के तरीके को लेकर सहज नहीं है। उन्होंने कहा कि सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दोनों ने भरोसा दिलाया है कि वे खुद प्रभावित परिवारों से संवाद करेंगे, शिकायत निवारण तंत्र बनाएंगे और पुनर्वास व राहत सुनिश्चित करेंगे।

इस बीच सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार ने कमजोर और गरीब परिवारों को बिना पर्याप्त वैकल्पिक व्यवस्था के बेघर कर दिया है। उन्होंने तुरंत पुनर्वास, अस्थायी आश्रय और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। एसडीपीआई के कर्नाटक महासचिव मुजाहिद पाशा ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस वही बेदखली की राजनीति अपना रही है, जिसकी वह पहले आलोचना करती रही है। मंत्रियों के इस दावे को भी उन्होंने खारिज कर दिया कि यहां रहने वाले लोग अवैध प्रवासी थे या यह जमीन केवल ठोस कचरा प्रबंधन के लिए आरक्षित थी। पाशा ने केरल के सीएम पिनराई विजयन की आलोचना का हवाला दिया और कहा कि यह मामला अब सिर्फ कर्नाटक तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन चुका है।

सीएम सिद्धारमैया ने कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि येलहंका के पास कोगिलू बदवाने क्षेत्र की जमीन कचरा डंपिंग साइट है, जो लोगों के रहने के लिए उपयुक्त नहीं है और उस पर अतिक्रमण किया गया था। उन्होंने कहा कि परिवारों को पहले ही कई बार नोटिस जारी कर वहां से हटने को कहा था, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, जिसके बाद बेदखली की कार्रवाई जरूरी हो गई। उन्होंने बेंगलुरु महानगर पालिका के आयुक्त को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित लोगों के लिए अस्थायी आश्रय, भोजन और अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि वहां रहने वाले अधिकतर लोग स्थानीय नहीं बल्कि प्रवासी मजदूर हैं, फिर भी मानवीय दृष्टिकोण से उनके लिए उचित आवास की व्यवस्था की जाएगी।

एसआईआर पर बंगाल के प्रशासनिक अधिकारियों को आपत्ति, चुनाव आयोग को लिखे पत्र से मचा हंगामा

नई दिल्ली/कोलकाता (एजेंसी)। चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पश्चिम बंगाल प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पश्चिम बंगाल सिविल सर्विस ऑफिसर्स एसोसिएशन ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को पत्र लिखकर आशंका जताई है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया में केंद्रीय चुनाव आयोग, निर्धारित वैधानिक व्यवस्था को दरकिनार कर रहा है।

एसोसिएशन ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है। एसआईआर के तहत मतदाता सूची से नाम हटाने या नोटिस जारी करने का अधिकार निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) के पास होता है। मौजूदा प्रक्रिया में ईआरओ की भूमिका सीमित कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है , चुनाव आयोग के एक केंद्रीकृत सॉफ्टवेयर सिस्टम के जरिए सीधे नोटिस जनरेट हो रहे हैं। जिससे स्थानीय स्तर पर जांच और सुनवाई की गुंजाइश समाप्त हो गई है।

पत्र में उल्लेख किया गया है। कई ईआरओ के लॉग-इन पर पहले से तैयार नोटिस दिखाई दे रहे हैं। इससे ईआरओ को यह तय करने का अवसर नहीं मिल रहा। वह किन मामलों में नोटिस जारी करे या किन मामलों में सुनवाई आवश्यक है। इससे बड़े पैमाने पर केंद्रीय पोर्टल के माध्यम से बड़ी संख्या में वोटर डिलीशन हो सकता है। जिसमें स्थानीय अधिकारियों की भूमिका औपचारिक रह जाएगी। इससे बीएलओ और ईआरओ को मतदाताओं के कोपभाजन का शिकार होना पड़ सकता है। प्रशासनिक अधिकारियों ने चेतावनी दी है, यदि किसी मतदाता का नाम सूची से हटाया जाता है। तो आम जनता इसका दोष स्थानीय ईआरओ पर डालेगी, जबकि वास्तविक निर्णय प्रक्रिया में ईआरओ को पूरी तरह से बाहर कर दिया गया है। इससे अधिकारियों की निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे। चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता प्रभावित होगी।

एसोसिएशन का कहना है, एसआईआर जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में सॉफ्टवेयर आधारित निर्णय की स्थान पर स्थानीय स्तर पर दस्तावेजों की जांच, सुनवाई और मानवीय हस्तक्षेप जरूरी है। चुनाव आयोग से मांग की है, ईआरओ को उनकी वैधानिक शक्तियां पूरी तरह सौंपी जाएं। किसी भी प्रकार की डिलीशन प्रक्रिया से पहले पारदर्शी सुनवाई सुनिश्चित की जाए।

इस पत्र के सामने आने के बाद एसआईआर को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में बवंडर मच गया है। विपक्षी दल इसे मतदाता सूची में संभावित हेरफेर से जोड़कर देख रहे हैं। चुनाव आयोग की ओर से अब तक इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

प्रशासनिक अधिकारियों की इस आपत्ति ने एसआईआर की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर देश भर में एक नई बहस छिड़ गई है।

आंतकी संगठनों के टारगेट पर ‘वाइट कॉलर मॉड्यूल’...संदेह कम और समाज में घुले-मिले रहते

भारतीय खुफिया एजेंसियों के लिए बढ़ी चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में आतंकवाद के बदलते स्वरूप ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ाई है। हालिया इनपुट्स मिले हैं कि अल-कायदा जैसे आतंकी संगठन अब पारंपरिक हिंसक हमलों के बजाय एक नए, डिजिटल और वैचारिक मॉडल पर काम कर रहे हैं। इस रणनीति का उद्देश्य तात्कालिक दहशत फैलाने से अधिक लंबे समय में विचारधारा के द्वारा प्रभाव बनाना है।

दरअसल दिल्ली में हुए आतंकी हमले के बाद ÷वाइट कॉलर मॉड्यूल÷ पर फोकस बढ़ा है। इसी कड़ी में पुणे एंटी-टेररिज्म स्क्वाड द्वारा अक्टूबर 2025 में सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल जुबैर इलियास हंगरगेकर की गिरफ्तारी को एक अहम केस माना जा रहा है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, जुबैर अल-कायदा और उसके दक्षिण एशियाई संगठन से वैचारिक रूप से जुड़ा हुआ था। उसके डिजिटल फुटप्रिंट-जैसे एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन, संग्रहित प्रोपेगेंडा सामग्री और क्लोज्ड ऑनलाइन ग्रुप्स में सक्रियता ने साफ कर दिया हैं कि कट्टरपंथ अब ज्यादा ÷ऑनलाइन और छिपा हुआ÷ हो चुका है।

इस मामले में सबसे बड़ी चिंता की बात यह हैं कि आरोपी का कोई आपराधिक इतिहास नहीं था। वह पढ़ा-लिखा, पेशेवर और सामाजिक रूप से स्थापित व्यक्ति था। यही पैटर्न हाल के अन्य मामलों में भी दिखा है, जिसमें डॉक्टर और दूसरे सम्मानित पेशों से जुड़े लोग शामिल हैं। खुफिया एजेंसियों का मानना है कि अल-कायदा जानबूझकर इसतरह लोगों को टारगेट कर रहा है जिन पर संदेह कम होता है, जो समाज में आसानी से घुले-मिले रहते हैं और जिनकी बातों को विश्वसनीयता के साथ सुना जाता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म इस नए मॉडल की रीढ़ हैं। स्मार्टफोन और इंटरनेट की बढ़ती पहुंच का फायदा उठाकर आतंकी संगठन अपनी विचारधारा फैलाते हैं। इस प्रक्रिया में खुली हिंसा नहीं होती, बल्कि धीरे-धीरे नैरेटिव गढ़ा जाता हैं, शिकायतें उभारी जाती हैं।

खुफिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अल-कायदा भारत को फिलहाल तात्कालिक ऑपरेशनल थिएटर की बजाय एक लॉन्ग-टर्म वैचारिक मंच के रूप में देख रहा है। यहां उद्देश्य हमदर्द तैयार करना, सहानुभूति पैदा करना और इसतरह के लोग विकसित करना है जो बाहरी तौर पर ÷नॉर्मल÷ दिखें, लेकिन अंदरूनी तौर पर कट्टर विचारधारा से जुड़े हों। यह रणनीति संगठन को जल्दी पकड़ में आने से बचाती है और समय के साथ गहरी पैठ बनाने में मदद करती है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**